राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 300
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
गुरुवार 12 मई 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट
पेज 3 महंगाई और आर्थिक संकट से जूझ रहे दिल्लीवालों को अरविन्द केजरीवाल अब घर-घर शराब पहुचाऐगी: चौ0 अनिल कुमार
पेज 5 आजम खान पर और कसा शिकंजा, जौहर यूनिवर्सिटी पहुंची ईडी और राजस्व विभाग की टीम; जांच शुरू
पेज 7 गर्मी की वजह से टूटा पीओके में चीन का बनाया पुल, तेज बहाव नहीं झेल पाए पिलर

कर्नाटक में मस्जिद पर लगाया भगवा झंडा

एक सप्ताह में धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने की दूसरी कोशिश

कर्नाटक। कर्नाटक में पहले हिजाब और उसके बाद मस्जिदों से लाउडस्पीकर पर अजान देने के विवाद के बाद लगातार धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिशें जारी हैं। बेलगावी जिले की एक मस्जिद की मीनार पर बुधवार को कुछ असामाजिक लोगों ने भगवा झंडा लगा दिया। मुस्लिम समाज ने इसकी शिकायत पुलिस को दी है। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

नमाज पढ़ने पहुंचे तो दिखाई दिया झंडा

बेलगावी जिले के सत्तीगिरे गांव की मस्जिद पर बुधवार सुबह किसी शरारती तत्व ने भगवा झंडा लगा दिया। मुदालगी तालुके में स्थित गांव में सुबह के समय जब नमाजी मस्जिद में नमाज पढ़ने पहुंचे तो उन्होंने झंडा लगा देखा। इसे देखकर नमाजियों में रोष फैल गया। तत्काल इलाके के सभी लोग मस्जिद पर जमा हो गए। कुछ लोग हिंदुओं को बुरा-भला कहने लगे। इससे तनाव बढ़ने लगा और दंगे की संभावना बन गई।

हालांकि इलाके के हिंदू और मुस्लिम पक्ष के समझदार लोगों ने दोनों पक्षों को समझाकर माहौल बिगड़ने से बचा लिया। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर दिया गया है। हालांकि इलाके में शांति बनी हुई है। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज अपने कब्जे में ले ली है। इसकी जांच कर अपराधियों का पता लगाया जाएगा।

पिछले सप्ताह चर्च पर फहराया था भगवा

एक सप्ताह के अंदर भगवा झंडे के जरिए कर्नाटक में धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने की यह दूसरी कोशिश है। इससे पहले कदबा जिले में एक चर्च पर भगवा झंडा लगा दिया गया था। साथ ही चर्च के अंदर हनुमान जी की फोटो रख दी गई थी। जब यह घटना हुई, तब उस चर्च की मरम्मत का काम चल रहा था। पुलिस को मौके से कुछ शराब की बोतलें भी मिली थीं।

देशद्रोह पर सुप्रीम कोर्ट का कड़ा फैसला

1870 में बने कानून के तहत नए केस दर्ज करने पर रोक, पुराने मामलों में कार्रवाई भी रोकी

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे देशद्रोह कानून को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बेहद सख्त फैसला दिया है। कोर्ट ने आदेश दिया है कि जब तक IPC की धारा 124-ए की री-एग्जामिन प्रोसेस पूरी नहीं हो जाती, तब तक इसके तहत कोई मामला दर्ज नहीं होगा। कोर्ट ने पहले से दर्ज मामलों में भी कार्रवाई पर रोक लगा दी है। वहीं, इस धारा में जेल में बंद आरोपी भी जमानत के लिए अपील कर सकते हैं। इधर, कोर्ट के फैसले पर केंद्रीय कानून मंत्री ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

कानून मंत्री किरेन रिजीजू ने कहा- हम कोर्ट और इसकी स्वतंत्रता का सम्मान करते हैं, लेकिन एक लक्ष्मण रेखा है, जिसका सम्मान सभी अंगों द्वारा किया जाना चाहिए।

कानून मंत्री ने आगे कहा कि हमने अपनी स्थिति बहुत स्पष्ट कर दी है और पीएम मोदी के इरादे के बारे में कोर्ट को सूचित किया है।

इससे पहले, केंद्र सरकार ने बुधवार को 1870 में बने यानी 152 साल पुराने राजद्रोह कानून पर सुप्रीम कोर्ट में जवाब दायर किया। इसके बाद कोर्ट ने केंद्र को इस कानून के प्रावधानों पर फिर से विचार करने की अनुमति दे दी।

सरकार बोली- कानून रहे पर जांच के बाद एफआईआर दर्ज हो

इसके पहले सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि आईपीसी की धारा 124-ए पर रोक न लगाई जाए।

हालांकि, उन्होंने यह प्रस्ताव दिया है कि भविष्य में इस कानून के तहत FIR पुलिस अधीक्षक की जांच और सहमति के बाद ही दर्ज की जाए।

यदि नया केस दर्ज किया तो क्या होगा

CJI एनवी रमना, जस्टिस सूर्यकांत त्रिपाठी और जस्टिस हिमा कोहली की बेंच ने यह भी आदेश दिया है कि इसके बाद भी यदि कोई नया केस दर्ज किया जाता है तो पीड़ित पक्ष कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकता है।

निचली अदालतों से भी अपील है वे पारित आदेश को ध्यान में रखते हुए मांगी गई राहत की जांच करें। गौरतलब है कि कपिल सिब्बल ने कोर्ट में जानकारी दी है कि देशद्रोह कानून के तहत देशभर की जेलों में 13 हजार लोग आज तक बंद हैं।

पांच पक्षों ने सुप्रीम कोर्ट में 10 याचिकाएं दाखिल कीं

एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया, TMC सांसद महुआ मोइत्रा समेत पांच पक्षों की तरफ से देशद्रोह कानून को चुनौती देने वाली याचिका दायर की गई थी। मामले में याचिकाकर्ताओं का कहना है कि आज के समय में इस कानून की जरूरत नहीं है।

इस मामले की सुनवाई CJI एनवी रमना की अध्यक्षता वाली तीन जजों की बेंच कर रही है। इस बेंच में जस्टिस सूर्यकांत त्रिपाठी और जस्टिस हिमा कोहली भी शामिल हैं।

पहले केंद्र ने कहा था- कानून खत्म न किया जाए

पिछले गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने देशद्रोह कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की थी। इस दौरान केंद्र की ओर से यह दलील दी गई थी कि इस कानून को खत्म न किया जाए, बल्कि इसके लिए नए दिशा-निर्देश बनाए जाएं।

ऐसा है कानून का मौजूदा स्वरूप

देशद्रोह कानून पर याचिकाएं दायर करने वालों में पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण शौरी, मणिपुर के पत्रकार किशोरचंद्र वांगखेमचा, छत्तीसगढ़ के कन्हैयालाल शुक्ला शामिल हैं।

इस कानून में गैर-जमानती प्रावधान हैं। यानी भारत में कानून द्वारा स्थापित सरकार के खिलाफ नफरत, अवमानना, असंतोष फैलाने को अपराध माना जाता है। आरोपी को सजा के तौर पर आजीवन कारावास दिया जा सकता है।

केंद्र ने कहा- आरोपियों की जमानत पर जल्दी फैसला हो

केंद्र ने कहा कि जहां तक लंबित मामलों का सवाल है, संबंधित अदालतों को आरोपियों की जमानत पर शीघ्रता से विचार करने का निर्देश दिया जा सकता है। गौरतलब है कि देशद्रोह के मामलों में धारा 124-ए से जुड़ी 10 से ज्यादा याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है।

दिल्ली एयरपोर्ट में 400 करोड़ की हेरोइन पकड़ी, 126 ट्रॉली बैग में थे ड्रग्स

नई दिल्ली। अफ्रीकी देश यूगांडा से ट्रॉली बैग में छिपाकर लाई जा रही 400 करोड़ रुपये से ज्यादा मूल्य की हेरोइन राजस्व अभिसूचना निदेशालय ने दिल्ली एयरपोर्ट में पकड़ा है। यह मादक पदार्थ 330 ट्रॉली बैग की हैंडल में छिपाकर लाया गया था।

जानकारी के मुताबिक राजस्व अभिसूचना निदेशालय को खुफिया सूचना मिली थी कि यूगांडा से सउदी अरब के रास्ते आने वाले कार्गो विमान में हेरोइन की बड़ी खेप आने वाली है। इस पर कार्गो विमान के जरिए आए ट्रॉली बैग की खेप की जब जांच की गई तो उसकी हैंडल के खोखले हिस्से में लगभग 55 किलो हेरोइन पकड़ी गई। कुल 330 ट्रॉली बैग में से 126 ट्राली बैग ऐसे थे, जिनमें हेरोइन छिपाई गई थी।

वहीं, अन्य घटनाओं में पंजाब और हरियाणा से भी सात किलो हेरोइन पकड़ी गई। निदेशालय के मुताबिक पकड़ी गई हेरोइन की कुल कीमत अवैध बाजार में लगभग 434 करोड़ रुपये है। जबकि, कार्गो के जरिए लाई जा रही हेरोइन की यह सबसे बड़ी खेप है, जिसे पकड़ लिया गया।

सच बोलना देशद्रोह नहीं : राहुल

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि सच बोलना देशद्रोह नहीं है लेकिन मोदी सरकार सच बोलने वालों की आवाज दबाने का काम कर रही है। गांधी ने कहा कि सरकार की आलोचना करना देश की जनता का अधिकार है लेकिन यह सरकार आलोचना करने वालों की आवाज दबाने का काम कर रही है और सच बोलने वालों पर देशद्रोह के मुकदमे चला रही है। उसे समझना चाहिए कि सच बोलना देशद्रोह नहीं है और इस बात की पुष्टि उच्चतम न्यायालय के देशद्रोह से संबंधित मामलों पर अगले आदेश तक सुनवाई नहीं करने के फैसले ने भी कर दी है।

यूपी के डीजीपी मुकुल गोयल हटाए गए

क्राइम कंट्रोल करने में लापरवाही का आरोप, डीजी बनने की रेस में 4 बड़े अफसर

लखनऊ। यूपी के पुलिस महानिदेशक यानी डीजीपी मुकुल गोयल को योगी सरकार ने पद से हटा दिया है। उन पर शासन के कामों में लापरवाही और क्राइम कंट्रोल न कर पाने का आरोप लगा है। गोयल को सिविल डिफेंस का डीजी बनाया गया है। शामली के रहने वाले मुकुल गोयल 1987 बैच के IPS अफसर हैं और एक जुलाई को यूपी पुलिस के मुखिया बनाए गए थे। अखिलेश यादव के शासन में मुकुल गोयल एडीजी लॉ एंड ऑर्डर रहे हैं। नए अफसर के चयन तक एडीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार डीजीपी का काम संभालेंगे। चर्चा है कि नया डजीपी दिल्ली से आ सकता है। हालांकि वरिष्ठता के आधार पर DGP बनने की रेस में 4 IPS के नाम हैं। इनमें आरपी सिंह, जीएल मीणा और आरके विश्वकर्मा और डीएस चौहान शामिल हैं। डीएस चौहान अभी केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर हैं। अभी उनका कार्यकाल 3 साल बाकी है।

मुकुल गोयल को 30 जून, 2021 को बनाया गया था डीजीपी

मुकुल गोयल को 30 जून, 2021 को डीजीपी नियुक्त किया गया था। मुकुल गोयल गेलेंट्री अवार्ड और ग्रह मंत्रालय से अति उत्कृष्ट सेवा पदक सहित कई अवॉर्ड भी प्राप्त कर चुके हैं। मुकुल गोयल इसके पहले केंद्र में तैनात थे। यूपी चुनाव से पहले उनको उत्तर प्रदेश लाया गया था। मगर, योगी आदित्यनाथ के दूसरे कार्यकाल के 11 महीने बाद ही उन्हें हटा दिया गया।

माना जा रहा है कि सीएम योगी उनके काम से खुश नहीं थे। यही वजह है कि मुकुल गोयल को हटाने की काफी समय से यह चर्चा चल रही थी। दरअसल, यूपी में आपराधिक घटनाएं बढ़ने को लेकर सवाल खड़े हो रहे थे।

डीजीपी मुकुल का विवादों से भी है गहरा नाता

बात 2000 की है। तब मुकुल गोयल सहारनपुर में SSP थे। वहां भाजपा नेता निर्भय पाल शर्मा की हत्या हो गई। इसके बाद मुकुल गोयल को सस्पेंड कर दिया गया था। आरोप लगा था कि निर्भय पाल ने जान-माल अंदेशा जताते हुए मदद मांगी थी। लेकिन समय पर पुलिस नहीं पहुंची। साल 2005-06 में कथित पुलिस भर्ती घोटाले में 25 IPS अधिकारियों के नाम सामने आए थे, उनमें एक मुकुल गोयल भी थे।

डीजीपी नियुक्त होने के बाद मुकुल गोयल के खिलाफ हाईकोर्ट ने मामला दर्ज कराया गया था। हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर कर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट में यह याचिका अविनाश प्रकाश पाठक की ओर से दाखिल की गई है। इसमें कहा गया है कि मुकुल गोयल पर 2005-06 में यूपी पुलिस भर्ती में व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। इस मामले में उनके खिलाफ लखनऊ के महानगर थाने में केस भी दर्ज हुआ था। याचिकाकर्ता मुकेश साहनी ने कहा है कि इस मामले में 2007 में तत्कालीन राज्य सरकार ने जांच के आदेश भी दिए थे।

तत्कालीन DGP विक्रम सिंह ने केस की जांच एंटी करप्शन डिपार्टमेंट को सौंपी थी।

आर पी सिंह | जीएल मीणा | आर के विश्वकर्मा | देवेंद्र सिंह चौहान

नए अफसर के चयन तक एडीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार डीजीपी का काम संभालेंगे। चर्चा है कि नया डीजीपी दिल्ली से आ सकता है। हालांकि वरिष्ठता के आधार पर डीजीपी बनने की रेस में 4 आईपीएस के नाम हैं। इनमें आरपी सिंह, जीएल मीणा और आरके विश्वकर्मा और डीएस चौहान शामिल हैं। डीएस चौहान अभी केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर हैं। अभी उनका कार्यकाल 3 साल बाकी है।

आआईटी, दिल्ली से बीटेक और एमबीए हैं आईपीएस गोयल

22 फरवरी, 1964 को मुजफ्फरनगर के शामली में जन्मे मुकुल गोयल आईआईटी, दिल्ली से इलेक्ट्रॉनिक्स में बीटेक हैं। उन्होंने एमबीए भी किया है। 1987 में IPS बनने के बाद मुकुल गोयल की पहली तैनाती बतौर एडिशनल एसपी नैनीताल में हुई थी। उस समय यूपी और उत्तराखंड एक था। प्रोबेशन पीरियड खत्म करने के बाद एसपी सिटी बरेली के तौर पर उनकी नियुक्त हुई। बतौर कप्तान मुकुल गोयल का पहला जिला अल्मोड़ा था। अल्मोड़ा के बाद वह लगातार कई जिलों के कप्तान रहे। इनमें जालौन, मैनपुरी, आजमगढ़, हाथरस, गोरखपुर, वाराणसी, सहारनपुर, मेरठ शामिल हैं। वह 2004 में आगरा कानपुर बरेली लिए रेंज के DIG रहे। यहां से वह केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर चले गए।

झारखंड की माइनिंग सेक्रेटरी पूजा अरेस्ट

16 घंटे पूछताछ के बाद ईडी का एक्शन, 5 दिन रहेंगी रिमांड पर; मनरेगा घोटाले में मंत्री का लिया नाम

पटना/ रांच। झारखंड की माइनिंग सेक्रेटरी पूजा सिंघल को ईडी ने रांची से बुधवार को अरेस्ट कर लिया। उन्हें खूंटी के मनरेगा घोटाले मामले में गिरफ्तार कर ईडी के विशेष न्यायाधीश प्रभात कुमार शर्मा के आवासीय कार्यालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें 5 दिन के रिमांड पर होटवार जेल शिफ्ट कर दिया गया है।

इससे पहले ईडी ने इस मामले में उनसे दो दिन में लगभग 16 घंटे पूछताछ की। पूछताछ में वो खुद को निर्दोष बताती रहीं, लेकिन उनके खाते में सैलरी से अलग 1.43 करोड़ रुपए की धनराशि कहां से आई, इस बात का जवाब वे नहीं दे पाई।

पूजा मंगलवार को 9 घंटे लंबी पूछताछ के बाद बुधवार सुबह 10.45 बजे दोबारा ईडी दफ्तर पहुंची थीं। इस बीच मीडिया ने उनसे बात करने की कोशिश की, लेकिन इस मामले पर वह कुछ भी बोलने से बचती रहीं।

वहीं, ईडी सूत्रों की माने तो बुधवार को पूजा से उनके CA के घर मिले 17 करोड़ रुपए और उनके पति के पल्स हॉस्पिटल से संबंधित मामलों में पूछताछ की गई।

आय से अधिक संपत्ति मामले में सिंघल की ओर से मंगलवार को कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया था। उनके पति को किस आरोप में गिरफ्तार किया गया है, यह भी अभी ईडी ने स्पष्ट नहीं किया है।

दूसरे दिन पूछताछ में सिंघल ने उगला मंत्री का नाम

ईडीसूत्रों के अनुसार, दूसरे दिन की पूछताछ में सिंघल ने मनरेगा घोटाले में पूछताछ के दौरान एक मंत्री का नाम लिया है। ईडी ने मंगलवार को उनकी आमदनी के स्त्रोतों, मनरेगा घोटाले में भूमिका और बैंक खाते में जमा नकद राशि से संबंधित सवाल पूछे थे।

दो बक्सों में भरकर श्वष्ठ दफ्तर लाए गए थे कागज

ईडीकी छापेमारी के दौरान जो कागजात जब्त किए गए थे, उन्हें मंगलवार को दो बॉक्स में रांची स्थित कार्यालय लाया गया था।

झारखंड के अलावा ईडी ने बिहार, पश्चिम बंगाल, दिल्ली और राजस्थान में भी पूजा से जुड़े 25 ठिकानों पर 6 मई को छापेमारी की थी। उनके सीए सुमन सिंह के पास से 19.31 करोड़ रुपए कैश मिले थे। इसके बाद ईडी ने सुमन सिंह को गिरफ्तार कर लिया था।

कोविड-19

दिल्ली में मंगलवार को 1,118 नए केस और एक मौत हुई, जबकि पॉजिटिविटी रेट 4.38 प्रतिशत

पिछले 24 घंटे में कोरोना के 2,897 नए केस, 54 मौतें

नई दिल्ली। देश में मंगलवार को 2,897 नए कोरोना केस मिले, जबकि 54 मौतें दर्ज की गई हैं। देश में हुई 54 नई मौतों में सबसे अधिक 48 मौतें केरल में दर्ज की गई हैं। वहीं, महाराष्ट्र में 2, जबकि दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में एक-एक मौतें हुई हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, देशभर में 3 हजार लोग ठीक हुए। वहीं, एक्टिव केस, यानी इलाज करा रहे मरीजों की संख्या 19,494 है। डेली पॉजिटिविटी रेट 0.61प्रतिशत दर्ज किया गया। सोमवार को 3,207 नए मामले और 29 मौतें हुई थी। जबकि, रविवार को 2704 और शनिवार को 3451 नए मामले मिले थे। महामारी की शुरुआत से अब तक देश में कुल 5.24 लाख लोगों की मौत हो चुकी है।

दिल्ली में पॉजिटिविटी रेट 4.38 प्रतिशत

दिल्ली में मंगलवार को 1,118 नए केस और एक मौत हुई, जबकि पॉजिटिविटी रेट 4.38 प्रतिशत था। दिल्ली में कोविड के कुल मामले बढ़कर 19 लाख के करीब पहुंच गए, जबकि मरने वालों की संख्या बढ़कर 26 हजार हो गई। दिल्ली में 25,528 कोरोना टेस्ट किए गए थे।

उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र अपडेट

उत्तर प्रदेश में 278 नए केस और 1 मौत हुई है। अब उत्तर प्रदेश में 1,496 एक्टिव केस हैं और कुल केस 2 लाख 77 हजार हो गए हैं। उधर महाराष्ट्र में 223 नए केस और 2 लोगों की मौत हुई है। महाराष्ट्र में एक्टिव केस 1,403 हैं और कुल केस 79 लाख के करीब हो गए हैं।

मध्यप्रदेश और राजस्थान अपडेट

मध्यप्रदेश में 30 नए केस और एक भी मौत नहीं हुई है। इसके बाद मध्यप्रदेश में एक्टिव केस 200 हैं और कुल केस 10 लाख 42 हजार के पास हो गए हैं। वहीं, राजस्थान में 74 नए केस मिले हैं और एक की मौत हुई है। राजस्थान में एक्टिव केस 604 हैं और कुल केस 12 लाख 84 हजार हो गए हैं।

माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स हुए कोरोना पॉजिटिव

माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। उन्होंने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। बिल ने लिखा- मैं फिलहाल हल्के लक्षण महसूस कर रहा हूं और डॉक्टर की सलाह का पालन कर रहा हूं। उन्होंने खुद को पूरी तरह स्वस्थ्य होने तक आइसोलेट कर लिया है।

रेलवे ने एक झटके में नौकरी से निकाला 19 बड़े अफसरों को

नयी दिल्ली। रेल मंत्रालय ने भारतीय रेलवे के 19 उच्चाधिकारियों को बुधवार को जबरिया सेवा मुक्त करके घर भेज दिया जिनमें से 10 अधिकारी संयुक्त सचिव या उच्च स्तर के हैं।

सूत्रों ने आज यहां यह जानकारी दी। इससे पहले जुलाई से लेकर अब तक 75 अधिकारियों को दक्षता में कमी एवं भ्रष्टाचार आदि अन्य कारणों से पहले ही स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) देकर घर भेजा जा चुका है और दो अन्य लाइन में हैं।

इस प्रकार से कुल 96 अधिकारी रेलवे की सेवा से जबरिया निकाले जा रहे हैं। रेल मंत्रालय में हुई इस कार्रवाई को लेकर में प्रशासनिक गलियारों में हड़कंप मच गया है। केन्द्र सरकार के किसी भी विभाग में अब तक इतनी बड़े पैमाने पर अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई इससे पहले कभी नहीं हुई है। इन्हें अगस्त 2020 में अद्यतन की गयी केन्द्रीय कार्मिक नियमावली के नियम 56 जे के तहत जबरिया वीआरएस देकर सेवा मुक्त किया गया है।

सूत्रों ने बताया कि अब तक सेवामुक्त होने वाले अधिकारियों में एक रेल कोच फैक्टरी के महाप्रबंधक और दो सचिव यानी रेलवे बोर्ड के सदस्य भी शामिल हैं।

आज घर वापसी करने वाले अधिकारियों में दस से अधिक संयुक्त सचिव स्तर या ऊपर के अधिकारी हैं। इनमें से इलैक्ट्रिकल एवं सिगनलिंग के चार-चार, मेडिकल एवं सिविल के तीन-तीन, कार्मिक के दो, भंडारण, यातायात एवं मैकेनिकल के एक-एक अधिकारी हैं। सूत्रों ने बताया कि इससे पहले अब तक 75 अधिकारी घर जा चुके हैं जबकि दो अधिकारियों को शीघ्र ही सेवा मुक्ति का पत्र मिलने वाला है।

शार्ट न्यूज

राज ठाकरे को उर्दू में धमकी भरा लेटर मिला, मनसे की चेतावनी- महाराष्ट्र को जला देंगे

नई दिल्ली। लाउडस्पीकर विवाद के बीच महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे को धमकी भरा पत्र मिला है। मनसे नेता बाला नंदगांवकर ने बुधवार को कहा कि राज ठाकरे को एक पत्र मिला है जिसमें उनकी जान को खतरा है। पत्र उर्दू में लिखा गया है। मनसे नेता ने चेतावनी दी है कि अगर ठाकरे को कुछ हुआ तो वो महाराष्ट्र को जला देंगे। महाराष्ट्र नव निर्माण सेना के नेता बाला नंदगांवकर ने दावा किया है कि पार्टी प्रमुख राज ठाकरे को धमकी भरा लेटर मिला है। उन्होंने कहा कि पत्र की भाषा उर्दू में है। बाला ने कहा कि महाराष्ट्र के गृह मंत्री दिलीप वालसे पाटिल से मुलाकात की और उन्हें धमकी भरे पत्र से अवगत कराया। बाला ने चेतावनी दी है कि अगर मनसे प्रमुख को कुछ हुआ तो हम महाराष्ट्र को जला देंगे।

रामबन में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में रामबन जिले के सुदूर इलाकों में बुधवार को तलाशी अभियान के दौरान पुलिस ने भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। रामबन की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मोहिता शर्मा ने बताया कि विश्वसनीय सूत्रों के माध्यम से मध्यरात्रि में सुंबर क्षेत्र में भारी मात्रा में गोला-बारूद और संबंधित सामग्री की मौजूदगी के संबंध में सूचना मिली थी। सूचना पर तेजी से कार्रवाई करते हुए पुलिस उपाधीक्षक निहार रंजन की देखरेख में धर्मकुंड के थाना प्रभारी पुलिस निरीक्षक संपौल गिल के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया था। उन्होंने बताया कि घने जंगलों में रात भर तलाशी चलती रही और कड़ी मशक्कत के बाद एके-47, 7.65 एमएम, 303 एमएम, चाइनीज पिस्टल, दो मैगजीन, एक वायरलेस सेट, एक दूरबीन और दो यूबीजीएल ग्रेनेड रॉड समेत 179 गोला बारूद बरामद किये गये। सुश्री शर्मा ने बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है।

चक्रवाती तूफान आसनी के कमजोर होकर दबाव के क्षेत्र में बदल जाने का अनुमान

हैदराबाद। चक्रवाती तूफान आसनी के बुधवार रात तक धीरे धीरे कमजोर होकर दबाव के क्षेत्र में बदल जाने का अनुमान है। मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आसनी आज दोपहर डेढ़ बजे पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर अक्षांश 16.15 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 81.6 डिग्री पूर्वी देशांतर तथा आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम से लगभग 50 किलोमीटर पूर्व और नरसापुर से 30 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणी पश्चिम क्षेत्र में केंद्रित रहा। इससे पहले पिछले तीन घंटों के दौरान यह तूफान करीब 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ा है। उन्होंने बताया कि चक्रवाती तूफान आज शाम तक नरसापुर, यानम, काकीनाडा, तुनी और विशाखापत्तनम तटों के साथ उत्तर-उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ेगा तथा रात तक उत्तरी आंध्र प्रदेश तट से पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी की ओर निकल जाएगा। मौसम विभाग के मुताबिक कृष्णा, पूर्वी और पश्चिमी गोदावरी जिलों में 70-80 से 90 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से आंधी चलने की संभावना है तथा गुरुवार सुबह तक इसकी रफ्तार धीरे-धीरे कम होकर 45-55 किमी से 65 किलोमीटर प्रति घंटे हो जायेगी।

हिंदी का प्रयोग : सर्कुलर की प्रतियां जलाने पर 30 तमिल कार्यकर्ता गिरफ्तार

पुडुचेरी। पुडुचेरी में तीन महिलाओं समेत लगभग 30 तमिल कार्यकर्ताओं को जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (जिपमर) में रिकॉर्ड और संचार में हिंदी के प्रयोग को लेकर निर्देश जारी करने वाले एक सर्कुलर की प्रतियां जलाने के मामले में गिरफ्तार किया गया है। गौरतलब है कि सर्कुलर जारी होने के बाद कई राजनीतिक पार्टियों ने जिपमर के सामने हिंदी को थोपने का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। तमिझार देसिया पेरियाक्कम ने आज घोषणा की थी कि सर्कुलर की कॉपी को वह जिपमर के सामने जलायेंगे, जिसके बाद थमिझार काची, तमिझार कलाम और उलगा थमिज कजगम के कार्यकर्ताओं के साथ उन्होंने थट्टांचवडी से जिपमर तक एक जुलूस निकाला। जुलूस सुब्बैया मैरिज हॉल के पास पहुंचने पर पुलिस ने कार्यकर्ताओं को रोक दिया, जिससे पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गयी। इस दौरान आंदोलनकारियों के एक समूह ने सर्कुलर की प्रतियों को जलाने की कोशिश की तो पुलिस ने उन्हें जब्त कर लिया, जिसके बाद प्रदर्शनकारियों के दूसरे दल ने दौड़ कर जिपमर के गेट नंबर सात पर पहुंच कर सर्कुलर की प्रतियों को जला दिया।

आंध्र में भीषण चक्रवाती तूफान 'आसनी' के कारण दूसरे दिन भी उड़ानें रद्द

विशाखापत्तनम। चक्रवाती तूफान 'आसनी' के कारण आंध्र प्रदेश में विशाखापत्तनम हवाई अड्डे पर बुधवार को दूसरे दिन भी विमानों की आवाजाही रद्द कर दी। हवाई अड्डा के निदेशक श्रीनिवास ने बताया कि इंडिगो की सभी उड़ानों को रद्द कर दिया गया। एयर एशिया ने दो उड़ानों को रद्द कर दिया, जिनमें से एक बेंगलुरु की है और दूसरी दिल्ली की है। उन्होंने बताया कि लोगों को शाम की उड़ानों के बारे में निर्णय का इंतजार है। उन्होंने कहा कि एयर इंडिया ने अपनी सभी उड़ानों को स्थगित कर दिया है जबकि स्पाइसजेट उड़ानों को कोलकाता-विजाग-कोलकाता के लिए रद्द कर दिया गया और अपराह्न दो बजे के बाद हैदराबाद से उड़ानों को संचालित किया जाएगा। मौसम विभाग ने बुधवार को बताया कि भीषण चक्रवाती तूफान आसनी धीरे-धीरे कमजोर पड़ रहा है और गुरुवार सुबह तक तूफान दबाव के क्षेत्र में तब्दील होने की संभावना है।

बंगाल: बिल्डिंग प्रमोटर और डेवलपर के खिलाफ ईडी ने मारे छापे

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को पश्चिम बंगाल के कोलकाता में मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में एक रियल स्टेट ग्रुप के कई परिसरों में छापे मारे। जो राज्य में विभिन्न घोटालों और उनके पैसे के लेन-देन के मामलों की जांच कर रहा है। बिल्डर अविजित सेन के साउथ सिटी फ्लैट, देशप्रिया पार्क स्थित उसके पंजीकृत कार्यालय, जोधपुर पार्क और शहर के दक्षिणी हिस्से में दो अन्य जगहों पर ईडी की पांच टीमें ने बुधवार सुबह छापे मारे। जहां छापे मारे गये वह सभी शहर के संभ्रांत (पॉश) इलाके हैं जहां जांच के दायरे में फंसे बिल्डर ने कई बहु मंजिला कॉम्प्लेक्स तैयार किये हैं। सूत्रों ने बताया कि बिल्डर पर कई प्रभावशाली लोगों का काला धन अपने करोबार में लगाकर उन्हें ऊंचे फायदे तथा संभ्रांत इलाकों में फ्लैट दिलाने का आरोप है। ईडी की आज सुबह की छापेमारी पांच जगहों पर एक ही समय पांच बजे शुरू हुई। इस दौरान कई स्थानीय लोगों ने केंद्रीय जांच एजेंसी के अधिकारियों को हतोत्साहित करने के कई प्रयास भी किये।

हड़पी शहरी ज़मीनों से 10 साल का बजट राजस्व निकल सकता है : सिद्धू

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने आज कहा कि अफसरों से मिलकर कौड़ियों के मोल हड़पी गई शहरी निगम जमीनों से इतनी आय हो सकती है कि कर्ज चुकाकर 10 साल का बजट राजस्व निकल जाए। श्री सिद्धू मुख्यमंत्री भगवंत मान की रसूखदारों से सरकारी एवं पंचायती जमीनों पर अवैध कब्जे 31 मई तक छोड़ने की चेतावनी पर प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शहरी जमीनों के लीज़ रिकॉर्ड नहीं रखे गये हैं, लीज़ समाप्त होने या नवीनीकरण का कोई रिकॉर्ड नहीं है, यदि सरकार इसकी ठीक से जांच करे तो इतनी आय जुटाई जा सकती है कि कर्ज चुकाकर 10 साल का बजट राजस्व निकल आए। उन्होंने कहा कि पंचायती जमीनों की बात करें तो उसमें राजस्व जुटाने की संभावना भले कम हो लेकिन इनका इस्तेमाल भूमिहीन अनुसूचित समुदायों के लोगों (जो आबादी का 35 फीसदी हैं लेकिन केवल 2 फीसदी भूमि के मालिक) को भूखंड देकर किया जा सकता है, जिससे सहकारी कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि खेल के मैदान बनाकर युवाओं की ऊर्जा का सही इस्तेमाल किया जा सकता है।

बिहार में दर्ज हैं सबसे ज्यादा राजद्रोह के मामले, केरल सबसे नीचे; 5 साल में केवल 6 को मिली सजा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राजद्रोह के मामलों में सभी कार्यवाहियों पर बुधवार को रोक लगा दी। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने केंद्र एवं राज्यों को निर्देश दिया कि जब तक सरकार औपनिवेशिक युग के इस कानून पर फिर से गौर नहीं कर लेती, तब तक राजद्रोह के आरोप में कोई नई प्राथमिकी दर्ज नहीं की जाए। अब जब कानून पर रोक लग गई है तो आइए यह भी जान लेते हैं कि किस राज्य में सबसे ज्यादा राजद्रोह के मामले दर्ज हैं।

राजद्रोह कानून पर सुप्रीम कोर्ट के सख्त रुख के बीच, राष्ट्रीय नियंत्रण रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों पर एक नजर डालने से पता चलता है कि पिछले कुछ वर्षों में, ऐसी कई घटनाएं हुई हैं जब राज्य के खिलाफ अपराधों की श्रेणी के तहत मामले दर्ज किए गए और लोगों को लंबी व कठोर सजा दी गई। लेकिन एक सच्चाई यह भी है कि इनमें से ज्यादातर केस ट्रायल के दौरान फेल हो गए।

क्या है राजद्रोह कानून?

राजद्रोह कानून के मुताबिक, अगर कोई व्यक्ति सरकार के खिलाफ कुछ लिखता, बोलता है या फिर किसी अन्य सामग्री का इस्तेमाल करता है जिससे देश को नीचा दिखाने की कोशिश की जाती है तो उसके खिलाफ IPC की धारा 124ए की तहक केस दर्ज हो सकता है।

2010 से 2020 के बीच कहां कितने मामले दर्ज हुए?

अन्य अपराधों की तुलना में, राजद्रोह एक दुर्लभ अपराध बना हुआ है (सभी आईपीसी अपराधों के तहत दर्ज मामलों में राजद्रोह के केवल 0.01 प्रतिशत से कम मामले दर्ज हैं।) एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, 2010 से 2020 तक, बिहार में 168 मामले दर्ज किए गए, इसके बाद तमिलनाडु (139), उत्तर प्रदेश (115), झारखंड (62), कर्नाटक (50) और ओडिशा (30) हैं। इसके अलावा, हरियाणा (29), जम्मू कश्मीर (26), पश्चिम बंगाल (22), पंजाब (21), गुजरात (17), हिमाचल प्रदेश (15), दिल्ली (14), लक्षद्वीप (14) और केरल (14) का नंबर है। 2016 और 2019 के बीच, देशद्रोह के मामलों की संख्या में 160 प्रतिशत (93 मामले) की वृद्धि हुई। लेकिन 2019 में सजा की दर 3.3 फीसदी थी। इसका मतलब है कि 93 में से सिर्फ दो आरोपियों को दोषी ठहराया गया था।

2014 से 2019 के बीच कुल 326 मामले दर्ज, सिर्फ छह दोषी

सबसे अधिक राजद्रोह के मामलों वाले पांच राज्यों में से अधिकांश बिहार में दर्ज किए गए, उसके बाद यूपी, कर्नाटक और झारखंड का स्थान रहा। औपनिवेशिक काल के विवादास्पद राजद्रोह कानून के तहत देश में 2014 से 2019 के बीच कुल 326 मामले दर्ज किए गए जिनमें सिर्फ छह लोगों को दोषी ठहराया गया।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2014 और 2019 के बीच राजद्रोह कानून के तहत कुल 326 मामले दर्ज किए गए। इनमें सबसे ज्यादा असम में 54 मामले दर्ज किए गए। अधिकारियों ने बताया कि दर्ज मामलों में से 141 मामलों में आरोपपत्र दाखिल किए गए जबकि छह साल की अवधि में केवल छह लोगों को अपराध के लिए दोषी करार दिया गया।

आंकड़ों के मुताबिक, असम में दर्ज किए गए 54 मामलों में से 26 मामलों में आरोपपत्र दाखिल किए गए और 25 मामलों में मुकदमा पूरा हो गया। हालांकि, 2014 और 2019 के बीच एक भी मामले में दोष सिद्ध नहीं हुआ।

राजद्रोह पर रोक लगाते हुए कोर्ट ने क्या कहा?

प्रधान न्यायाधीश एन. वी. रमण, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की एक पीठ ने कहा कि राजद्रोह के आरोप से संबंधित सभी लंबित मामले, अपील और कार्यवाही को स्थगित रखा जाना चाहिए।

पीठ ने कहा कि अदालतों द्वारा आरोपियों को दी गई राहत जारी रहेगी। उसने कहा कि प्रावधान की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर जुलाई के तीसरे सप्ताह में सुनवाई होगी और तब तक केंद्र के पास प्रावधान पर फिर से गौर करने का समय होगा।

इससे पहले, केंद्र की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को सलाह दी थी कि पुलिस अधीक्षक (एसपी) रैंक के अधिकारी को राजद्रोह के आरोप में दर्ज प्राथमिकियों की निगरानी करने की जिम्मेदारी दी जा सकती है। मेहता ने पीठ से कहा कि राजद्रोह के आरोप में प्राथमिकी दर्ज करना बंद नहीं किया जा सकता, क्योंकि यह प्रावधान एक संज्ञेय अपराध से संबंधित है और 1962 में एक संविधान पीठ ने इसे बरकरार रखा था।

केंद्र ने राजद्रोह के लंबित मामलों के संबंध में न्यायालय को सुझाव दिया कि इस प्रकार के मामलों में जमानत याचिकाओं पर शीघ्रता से सुनवाई की जा सकती है, क्योंकि सरकार हर मामले की गंभीरता से अवगत नहीं हैं और ये आतंकवाद, धन शोधन जैसे पहलुओं से जुड़े हो सकते हैं।

झारखंड ने छह साल में 40 मामले

झारखंड ने छह वर्षों के दौरान धारा 124 (ए) के तहत 40 मामले दर्ज किए, जिनमें से 29 मामलों में आरोपपत्र दाखिल किए गए और 16 मामलों में मुकदमा पूरा हो गया। राज्य में दर्ज इन सभी मामलों में से केवल एक व्यक्ति को दोषी ठहराया गया।

हरियाणा में राजद्रोह के मामले

हरियाणा में राजद्रोह कानून के तहत 19 मामलों में आरोपपत्र दाखिल करने के साथ 31 मामले दर्ज किए गए और छह मामलों में सुनवाई पूरी हुई। यहां भी सिर्फ एक व्यक्ति को दोषी ठहराया गया। बिहार, जम्मू कश्मीर और केरल में राजद्रोह कानून के तहत 25-25 मामले दर्ज किए।

उत्तर प्रदेश में राजद्रोह के मामले

उत्तर प्रदेश में 2014 से 2019 के बीच 17 और पश्चिम बंगाल में राजद्रोह के आठ मामले दर्ज किए गए। उत्तर प्रदेश में आठ मामलों में और पश्चिम बंगाल में पांच मामलों में आरोपपत्र दाखिल किए गए, दोनों राज्यों में किसी को भी दोषी नहीं ठहराया गया था।

दिल्ली में राजद्रोह के मामले

इस अवधि में दिल्ली में चार मामले दर्ज किए गए। किसी भी मामले में आरोपपत्र दाखिल नहीं हुआ और ना ही किसी को दोषी ठहराया गया। छह साल की अवधि में मेघालय, मिजोरम, त्रिपुरा, सिक्किम, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, पुडुचेरी, चंडीगढ़, दमन और दीव तथा दादरा और नगर हवेली में राजद्रोह का कोई मामला दर्ज नहीं किया गया।

महाराष्ट्र में राजद्रोह के मामले

महाराष्ट्र (2015 में), पंजाब (2015), और उत्तराखंड (2017) में राजद्रोह का एक-एक मामला दर्ज किया गया था। गृह मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 2019 में देश में राजद्रोह के सबसे ज्यादा 93 मामले दर्ज किए गए। वर्ष 2018 में, ऐसे 70 मामले दर्ज किए गए, उसके बाद 2017 में 51, 2014 में 47, 2016 में 35 और 2015 में 30 मामले दर्ज किए गए।

केरल में 'टमाटर फ्लू' की दस्तक, 80 से ज्यादा बच्चे बीमार

तिरुवनंतपुरम। फूड पॉइजनिंग की घटनाओं के बीच केरल से चिंता बढ़ाने वाली खबर आई है। राज्य के कई हिस्सों में टमाटर फ्लू के मामले दर्ज किए जा रहे हैं। अब तक इस वायरल बीमारी ने बड़ी संख्या में बच्चों को अपना शिकार बनाया है। खास बात है कि इन संक्रमितों की उम्र पांच वर्ष से कम है। अनुमान लगाया जा रहा है कि ये आंकड़े अभी और बढ़ सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अब तक 80 से ज्यादा बच्चे इस वायरल बीमारी की चपेट में आ चुके हैं। केरल के पड़ोसी जिलों में से एक में टमाटर फ्लू को रोकने के लिए मेडिकल टीम कोयंबटूर में प्रवेश करने वालों के बुखार, चकत्ते और अन्य बीमारियों की जांच तमिलनाडु-केरल सीमा पर वालयार में किया जा रहा है।

टीम की अगुवाई दो मेडिकल अधिकारी कर रही हैं। इस दौरान खासतौर से बच्चों की जांच की जा रही है। इसके अलावा 24 सदस्यीय एक और टीम गठित की गई है, जो आंगनवाड़ियों में पांच साल से कम उम्र के बच्चों की जांच करेगी।

क्या है टमाटर फ्लू?

टमाटर फ्लू एक अज्ञात बुखार है, जो अधिकांश रूप से केरल में पांच साल से कम उम्र के बच्चों में पाया जाता है। इस फ्लू की चपेट में आने के बाद बच्चों के शरीर पर चकत्ते और छाले हो जाते हैं। ये निशान आमतौर पर लाल रंग के होते हैं, जिसके चलते इसे टमाटर फ्लू कहा जाता है।

कथित तौर पर फिलहाल इस मुद्दे पर बहस जारी है कि यह बीमारी वायरल फीवर है या चिकनगुनिया या डेंगू के बाद होने वाला असर है। यह बीमारी केरल के छोटे हिस्से में पाई गई है, लेकिन स्वास्थ्य अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि अगर इसे रोकने के उपाय नहीं किए गए, तो वायरस आगे फैल सकता है।

क्या हैं इसके लक्षण?

इस बीमारी के मुख्य लक्षण चकत्ते, छाले होते हैं, जिनका रंग लाल होता है। साथ ही इस मरीज को त्वचा संबंधी परेशानी और डिहाइड्रेशन भी हो सकती है।

इसके अलावा संक्रमित बच्चों को तेज बुखार, बदन दर्द, जोड़ों में सूजन, थकान, पेट में थकान, उल्टी, दस्त, हाथ, घुटनों का रंग बदलना, खांसी, छींकना और नाक बहने जैसी परेशानियां हो सकती हैं।

आई आई टी रोपड़ ने पानी बचाने के लिए इरिगेशन अलर्ट डिवाइस विकसित किया

जालंधर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रोपड़ ने एक सिंचाई चेतावनी उपकरण विकसित किया है जो खेती के दौरान पानी के संरक्षण में मदद करता है। जल संरक्षण के साथ-साथ फसल विविधीकरण के लिए विभिन्न तकनीकों के बारे में एक वेबिनार के दौरान दर्शकों को अवगत कराते हुए कृषि और जल प्रौद्योगिकी विकास हब के परियोजना प्रमुख डॉ पुष्पेंद्र सिंह ने कहा कि सिंचाई अलर्ट डिवाइस एक ऐसी प्रणाली है जो खेत में नमी का पता लगाती है। खेत, फसल की आवश्यकता अनुसार विश्लेषण करके किसान को एक संदेश जारी करती है ताकि वह सिंचाई शुरू कर सके। उन्होंने कहा कि यह उपकरण पानी बचाने में मदद करेगा क्योंकि आमतौर पर धान की बुवाई के दौरान देखा जाता है कि किसान बहुत देर तक निरंतर पानी चलता रहने देते हैं। इस उपकरण से ऐसा होने से रोका जा सकेगा। डॉ पुष्पेंद्र ने इस पहल का खुलासा कृषि विधियों में विविधता लाने के दौरान पानी बचाने में प्रौद्योगिकी की भूमिका पर एक वेबिनार को संबोधित करते हुए किया। यह वेबिनार सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के फील्ड आउटरीच ब्यूरो जालंधर द्वारा आज राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर आईआईटी रोपड़ के सहयोग से आयोजित किया गया था। डॉ पुष्पेंद्र, जो आईआईटी, रोपड़ में एसोसिएट डीन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट भी हैं और इस वेबिनर के मुख्य वक्ता थे, ने कहा कि संस्थान ने पानी में से प्रदूषकों को साफ़ कर के पानी को पीने योग्य बनाने के लिए एक नैनो बबल जेनरेटर भी विकसित किया है।

श्रीलंका में अपनी कोई सेना नहीं भेज रहा भारत : उच्चायोग ने जारी किया बयान

नई दिल्ली। श्रीलंका में आर्थिक संकट के बाद गृह युद्ध जैसे हालात हैं। ऐसे में खबरें आ रही हैं कि भारत श्रीलंका में अपनी सेना भेज रहा है। हालांकि एक बार फिर से इन अफवाहों पर विराम लगाते हुए भारत ने साफ कर दिया है कि वह श्रीलंका के लोगों के साथ है और इस तरह की खबरें केवल अफवाह हैं।

भारतीय उच्चायोग ने श्रीलंका में अपनी सेना भेजने के बारे में मीडिया और सोशल मीडिया पर चल रही रिपोर्टों का स्पष्ट रूप से खंडन किया है। कोलंबो में भारतीय उच्चायोग ने कहा कि इस तरह की रिपोर्ट और रुख भारत सरकार की स्थिति के अनुरूप नहीं हैं। भारतीय उच्चायोग ने ट्वीट कर कहा कि भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कल स्पष्ट रूप से कहा था कि भारत श्रीलंका के लोकतंत्र, स्थिरता और आर्थिक सुधार का पूरा समर्थन करता है। बता दें कि श्रीलंका की मीडिया और सोशल मीडिया पर इस तरह की खबरें चल रही हैं कि भारत पड़ोसी राज्य में अपनी सेना भेज रहा है।

इससे पहले श्रीलंका में भारतीय उच्चायोग ने मंगलवार को स्थानीय सोशल मीडिया में आयी उन खबरों को ''फर्जी और बिल्कुल गलत'' करार दिया, जिसमें श्रीलंका के पूर्व प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे और उनके परिवार के सदस्यों के भारत भाग जाने की अटकलें लगायी गई हैं।

श्रीलंका में गंभीर आर्थिक संकट के चलते सरकार विरोधी प्रदर्शन तेज होने के बीच महिंदा राजपक्षे ने सोमवार को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। भारतीय उच्चायोग ने एक बयान में कहा ''उच्चायोग ने हाल में सोशल मीडिया और मीडिया के कुछ हिस्सों में फैलायी जा रही अफवाहों का संज्ञान लिया है कि कुछ राजनीतिक व्यक्ति और उनके परिवार भारत भाग गए हैं।''

भारतीय उच्चायोग ने कहा, ''ये फर्जी और बिल्कुल झूठी खबरें हैं, जिनमें कोई सच्चाई नहीं है। उच्चायोग इनका पुरजोर खंडन करता है।''

चक्रवात असानी : आंध्र प्रदेश में समुद्र से निकला रहस्यमयी 'सोने का रथ'

श्रीकाकुलम। चक्रवात असानी के बीच समुद्र से अचानक निकले सोने का रथ देखकर सभी हैरान रह गए। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के सुन्नापल्ली सी हार्बर में मंगलवार को चक्रवाती तूफान आसनी के प्रभाव के बीच एक रहस्यमयी सोने के रंग का रथ देखा गया।

इसका घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में समुद्र किनारे पर मौजूद लोग रथ को पानी से खींचकर किनारे पर लाते देखे जा सकते हैं। नौपाड़ा (श्रीकाकुलम जिले) के सब-इंस्पेक्टर ने बताया कि घटना की सूचना खुफिया विभाग को दे दी गई है। एसआई ने कहा, हो सकता है कि यह किसी दूसरे देश से आया हो।

हमने इंटेलिजेंस और उच्च अधिकारियों को सूचित कर दिया है। बता दें कि भीषण चक्रवात 'असानी' बुधवार को एक चक्रवाती तूफान में तब्दील होते हुए उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश की ओर बढ़ गया और राज्य के नरसापुर में 34 किलोमीटर भीतर तक इसका असर दिखाई दिया। इस दौरान क्षेत्र में 85 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं और भारी बारिश हुई। मौसम विज्ञान विभाग ने यह जानकारी दी। विभाग के अनुसार, चक्रवात के तट से दूर जाने और बृहस्पतिवार तक इसके कमजोर पड़ने की संभावना है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अपने राष्ट्रीय बुलेटिन में बताया, '' इसके अगले कुछ घंटों में उत्तर की ओर बढ़ने की संभावना है। बुधवार को दोपहर से शाम के बीच इसके एक बार फिर जोर पकड़ने और नरसापुर, यानम, काकीनाड़ा, तुनी तथा विशाखापत्तनम तटों के साथ उत्तर-उत्तर पूर्व की ओर धीरे-धीरे बढ़ने और रात में उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों से पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में समा जाने की संभावना है।''

देश की आधी आबादी को उनके घर तक पानी जा चुका है : शेखावत

अजमेर। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा है भाजपा राज में देश की आधी आबादी को जल जीवन मिशन (जेजेएम) के तहत उनके घर तक मीठ्ठे पानी पहुंचाने का काम किया जा चुका है।

श्री शेखावत आज अजमेर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी.नड्डा द्वारा संगठन के कार्यालय का वरचुअल उद्घाटन करने के बाद यहां पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश की जनता को साफ एवं मीठ्ठे पानी को उपलब्ध कराना चुनौतीपूर्ण कार्य है जिसे मोदी के भाजपा राज में किया जा रहा है।

लाखों परिवारों तक , उनके घरों में पानी पहुंच चुका है।

उन्होंने राजस्थान में कांग्रेस राज पर तंज कसा और कहा कि पिछले चार साल में सर्वाधिक बजट 27 हजार करोड़ यहां दिया गया है लेकिन गहलोत सरकार इसका उपयोग नहीं कर रही, क्योंकि जल जीवन मिशन केन्द्र की योजना है।

इससे पहले श्री शेखावत ने अजमेर के जयपुर रोड हाईवे के भुनाबाय-कांकरदा में बने अत्याधुनिक भाजपा कार्यालय का अवलोकन किया और परिसर आयोजित समारोह में शिरकत कर राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा द्वारा उद्घाटन एवं सम्बोधन को तनमयतापूर्वक सुना।

कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष एवं अजमेर संभाग प्रभारी प्रसन्न चंद मेहता, सांसद भागीरथ चौधरी, ओंकार सिंह लखावत, विधायक वासूदेव देवनानी, विधायक अनीता भदेल , शहर अध्यक्ष डा. प्रियशील हाडा, देहात अध्यक्ष देवीशंकर भूतड़ा , महापौर बृजलता हाडा सहित अनेक स्थानीय वरिष्ठ भाजपा नेता, उपमहापौर नीरज जैन व पार्षदगण, संगठन पदाधिकारी मौजूद रहे।

अजमेर कार्यालय संयोजक एवं पूर्व जिला प्रमुख पुखराज पहाड़िया ने कार्यालय निर्माण और भवन की विस्तृत जानकारी दी। वरचुअल उद्घाटन से पहले पूरे विधि विधान के साथ हवन यज्ञ तथा गणेश मूर्ति स्थापित की गयी।

उल्लेखनीय है कि अजमेर जिले का भाजपा संगठन शहर एवं देहात अब इसी नये भवन से संचालित होगा।

हरिद्वार जिले में तीन महीने के अंदर होंगे पंचायत चुनाव

नैनीताल। उत्तराखंड सरकार हरिद्वार जिले में तीन महीने के अंदर त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव सम्पन्न करा देगी।

प्रदेश सरकार की ओर से यह बात बुधवार को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजय कुमार मिश्रा व न्यायमूर्ति आरसी खुल्बे की युगलपीठ के समक्ष रखी गयी। युगलपीठ के समक्ष हरिद्वार निवासी शमशेर अली की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई हो रही थी।

सरकार की ओर से महाधिवक्ता एसएन बाबुलकर अदालत में पेश हुए। उन्होंने अदालत को बताया कि सरकार हरिद्वार में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव कराने को लेकर गंभीर है। जिले में परिसीमन की प्रक्रिया चल रही है। परिसीमन की प्रक्रिया सम्पन्न होने के बाद आरक्षण की प्रक्रिया अपनायी जायेगी। इसके बाद चुनाव करा लिये जायेंगे। उन्होंने अदालत से इसके लिये तीन महीने की समय की मांग की।

इससे पहले याचिकाकर्ता की ओर से अदालत के समक्ष उल्लेख करते हुए बताया गया कि सरकार हरिद्वार जिले में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव नहीं करवा रही है। सरकार की ओर से प्रशासक नियुक्त किये गये हैं, वह पंचायती राज अधिनियम की धारा 30(6) के विपरीत है।

इसके बाद अदालत ने याचिकाकर्ता से सख्त लहजे में पूछा कि मामले का उल्लेख करते वक्त याचिकाकर्ता की ओर से प्रशासकों की नियुक्ति के मामले में पंचायती राज अधिनियम की वैद्यता को चुनौती देने की बात कही गयी थी लेकिन जनहित याचिका में ऐसी कोई मांग नहीं की गयी है। बाबुलकर की ओर से भी कहा गया कि यदि याचिकाकर्ता अधिनियम की वैधता को चुनौती देना चाहते हैं तो सरकार इस मामले में बहस को तैयार है। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत से माफी मांगी गयी और अंत में अदालत ने महाधिवक्ता की बात से सहमति व्यक्त करते हुए सरकार को तीन महीने का संमय प्रदान कर दिया।

पानी बचाने की पहल स्वयं का उदाहरण प्रस्तुत कर की जाये: पटेल

भोपाल। मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने आहवान किया है कि पानी बचाने की पहल स्वयं का उदाहरण प्रस्तुत कर की जाए। दैनिक जीवन में अनेक अवसर पर जल की बचत की जा सकती है।

श्री पटेल जिला प्रशासन बुरहानपुर द्वारा जल शक्ति अभियान एवं पानी एप के ई-लोकार्पण कार्यक्रम को राजभवन से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जल समृद्धता और संरक्षण के लिए वृक्षा-रोपण बहुत जरूरी है। पौधे लगाने के साथ ही पेड़ बनने तक उनकी देखभाल भी जरूरी है। राज्यपाल ने पानी एप का डिजिटली लोकार्पण किया।

राज्यपाल ने कहा कि वर्षा जल का संरक्षण पेयजल उपलब्धता का बहुत बड़ा स्रोत है। उन्होंने गुजरात का उल्लेख करते हुए कहा कि वहाँ के कई जिले बारिश का पानी कुँओं में एकत्र कर, वर्ष भर पेयजल उपयोग के लिये करते हैं। जिस तेजी के साथ जल समस्या बढ़ रही है, यदि उसे अभी नहीं रोका गया तो भविष्य में पानी का गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा। भावी पीढ़ी को भविष्य में पानी के लिए संघर्ष करना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जल संकट की आशंका को पहचानते हुए, विश्व जल दिवस पर गत वर्ष जल शक्ति अभियान कैच द रेन प्रकल्प शुरू कर, जहाँ भी जब भी वर्षा हो, उसका संरक्षण और अमृत सरोवर निर्माण के लिए संकल्पित होने की जरूरत बताई है। राज्यपाल ने कहा कि जल-संरक्षण का कार्य अकेले सरकार के प्रयासों से संभव नहीं हो सकता है।

शार्ट न्यूज

पुरानी रंजिश के चलते तीन लड़कों ने नाबालिग किशोर की चाकू मारकर हत्या की

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के करावल नगर इलाके में पुरानी रंजिश को लेकर तीन किशोरों ने 17 वर्षीय एक लड़के की कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि सोमवार रात करीब आठ बजे करावल नगर थाने में झगड़े की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस को पता चला कि घायल को गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान करावल नगर के शिव विहार निवासी संगम के रूप में हुई है। उन्होंने बताया आरोपियों द्वारा बार-बार चाकू घोंपने से उसकी हालत गंभीर थी और वह बयान देने की स्थिति में नहीं था। पुलिस ने कहा कि भारतीय दंड संहिता (आईपी) और शस्त्र अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है और जांच की जा रही है। जांच के दौरान तीन किशोरों को पकड़ा गया है। उन्हें किशोर न्याय बोर्ड (जेजेबी) के समक्ष पेश किया जाएगा। पुलिस ने कहा कि घायल और आरोपी व्यक्ति एक-दूसरे को जानते थे और उनकी कुछ व्यक्तिगत दुश्मनी थी।

नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता का जबरन कराया गर्भपात, महिला डॉक्टर समेत 4 लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के नांगलोई इलाके में नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता का जबरन गर्भपात कराने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में गर्भपात कराने वाली महिला समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार 14 वर्षीय पीड़िता ने 24 अक्तूबर को शिकायत दी थी जिसपर एफआईआर दर्ज की गई। पीड़िता ने बताया कि बीते साल अक्तूबर में वह मोबाइल की मरम्मत कराने गई जहां उसकी मुलाकात धर्मेंद्र से हुई। धर्मेंद्र ने उसके साथ दोस्ती कर ली और अपने दोस्त मनीष के किराए के घर पर कई बार दुष्कर्म किया। पीड़िता जब गर्भवती हो गई तो धर्मेंद्र ने परिजनों और अपने दोस्त दिलीप की सहायता से गर्भपात कराने की साजिश रची। इसके तहत वह किशोरी को एक अप्रैल को नरेला स्थित अदिति क्लीनिक ले गया। क्लीनिक की झोलाछाप डाक्टर बबिता ने पीड़िता की मां से उसकी प्रधानाचार्या बनकर बात की और कहा कि वह उसे अपने साथ टूर पर ले कर जा रही है। फिर पीड़िता को गर्भपात की दवा दी जिसकी वजह से मृत भ्रूण को उसने जन्म दिया। दो तीन दिन रखने के बाद किशोरी को घर भेज दिया। लेकिन अत्यधिक रक्तस्त्राव होने से पीड़िता की तबियत खराब हो गई तो उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा जहां दुष्कर्म की बात सामने आई।पुलिस दुष्कर्म, पोक्सो और अनूय धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। साथ ही एसआई रोहित की टीम गठित की गई। टीम ने रविवार को आरोपी धर्मेंद्र, दिलीप, मनीष और बबिता को गिरफ्तार कर लिया है।

कुरुक्षेत्र से पदक जीतकर लौटे खिलाड़ियों का सम्मान किया

गुरुग्राम। कुरुक्षेत्र में खेली गई हरियाणा राज्य स्तरीय सॉफ्टबाल जूनियर प्रतियोगिता के विजेता टीम के खिलाड़ियों को बुधवार को सम्मानित किया गया। चक्करपुर के सरकारी स्कूल में जिला सॉफ्टबाल एसोसिएशन की ओर से सम्मान समारोह आयोजित हुआ। समारोह की मुख्य अतिथि गुरुग्राम नगर निगम की डिप्टी मेयर सुनीता यादव ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल और ट्राफी देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि 7 और 8 मई को कुरुक्षेत्र में आयोजित प्रतियोगिता में गुरुग्राम की टीम कांस्य पदक जीता था। डिप्टी मेयर ने अंशुल, शिवम, ज्ञानेश्वर, राहुल, दुष्यंत, उदय, संदीप पटेल, अनित, रमेश, जावेद, संदीप, देव राना,पीयूष शर्मा, दीप, कृष और श्वास्त का हौसला बढ़ाया। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि खेलों का हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है, जहां एक ओर खेलों के माध्यम से हम अपने शरीर को स्वस्थ बनाते हैं, वहीं दूसरी ओर अपने देश और अपने राज्य का नाम रोशन करते हैं।

अभिनेता जैकी श्रॉफ ने थैलेसीमिया के प्रति किया जागरूक

गुरुग्राम। मानेसर स्थित एमिटी यूनिवर्सिटी में बुधवार को रक्तदान शिविर और थैलेसीमिया स्क्रीनिंग का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध अभिनेता व थैलेसीमिया इंडिया के ब्रांड एंबेसडर जैकी श्रॉफ ने शिरकत की और छात्रों को थैलेसीमिया बीमारी के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि शादी करने से पहले सभी लोग एक बार थैलेसीमिया की जांच जरूर कराएं। थैलेसीमिया एक आनुवांशिक रक्त विकार है। उन्होंने कहा कि ये एक रोके जाने योग्य विकार है। इसके लिए सबको साथ मिलकर प्रयास करने की जरूरत है। एमिटी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो पीबी शर्मा ने कहा कि सभी को थैलेसीमिया के महत्व को समझने की जरूरत है। इसके खिलाफ आगे रहकर लड़ना होगा और थैलेसीमिया मुक्त भारत बनाना होगा।

कौशल विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए 15 मई से खुलेगा दाखिला पोर्टल

गुरुग्राम। सेक्टर-44 स्थित श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए दाखिला प्रक्रिया 15 मई से शुरू हो जाएगी। इसके लिए दाखिला पोर्टल को खोलने की तैयारी शुरू कर दी गई है। डिप्लोमा व स्नातक कोर्स में दाखिला पाने के लिए इच्छुक छात्र 15 मई से विश्वविद्यालय के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन जमा करवा सकेंगे। आवेदन जमा कराने की अंतिम तिथि 14 जून 2022 तक की गई है। वहीं स्नातकोत्तर में दाखिले के लिए पोर्टल पर आवेदन 10 जून से आमंत्रित किए जाएंगे। इसमें आवेदन जमा कराने की अंतिम तिथि १२नौ जुलाई तय की गई है। कौशल के क्षेत्र में निपुण बनाने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से 31 कोर्स में दाखिला दिया जाएगा। इनमें मैन्युफैक्चरिंग, रोबोटिक्स, सोलर टेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑटोमेशन, फाइनेंशियल सर्विस, बैंकिंग एंड फाइनेंस, एंटरप्रेनयोरशिप, बिजनस एनालिस्ट में प्रबंधन, फूड प्रोडक्शन में डिप्लोमा, मेडिकल लैबोरेटरी टेक्नोलॉजी, जीयो इंफोरमेटिक्स, कृषि में बी वॉक और एम वॉक कोर्स के अलावा लोककला बंचारी में डिप्लोमा और जर्मन भाषा में भी डिप्लोमा कोर्स कर सकेंगे। कौशल विश्वविद्यालय में नए सत्र से तीन नए कोर्स भी शुरू होंगे। इनमें बीटेक और एमटेक के अलावा योग में डिप्लोमा का कोर्स शामिल हैं। नए सत्र में छात्रों को 208 सीटों पर दाखिला मिलेगा। इनमें बीवॉक और डिप्लोमा की 30 सीट, एमवॉक कोर्स की 20 सीट, बीबीए की 60 सीट, बीटेक की 60 सीट, एमटेक की 18 सीट और योग में डिप्लोमा की 20 सीट हैं। इसके अलावा छात्र 23 विभिन्न तरह के शॉर्ट टर्म कोर्स में भी दाखिला सकेंगे। गुरुग्राम विश्वविद्यालय से संबद्ध जिले के नौ राजकीय महाविद्यालयों में भी नए सत्र से कई कोर्स शुरू हो सकते हैं। इसके लिए महाविद्यालय प्रबंधनों की ओर से अपने-अपने कॉलेज में नए कोर्स शुरू करने के लिए प्रस्ताव उच्चतर शिक्षा विभाग को भेजा गया है। विभाग की एक टीम इन कॉलेजों का दौरा करेगी। दौरे के दौरान टीम ये जायजा लेगी कि जिस कोर्स को शुरू करने का महाविद्यालय प्रबंधन ने प्रस्ताव भेजा है उससे संबंधित इंफ्रास्ट्रक्चर महाविद्यालयों में मौजूदा है या नहीं। ये देखने के बाद ही नए कोर्स शुरू करने के लिए टीम की ओर से एनओसी दी जाएगी। उसके बाद ही उपलब्ध सुविधाओं के संसाधनों के आधार पर ही नए कोर्स शुरू करने की अनुमति प्रदान की जाएगी।

दिल्ली : 40 डिग्री के पार पहुंचा पारा, अगले चार दिन पड़ेगी झुलसाने वाली गर्मी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बुधवार के दिन पारा 40 डिग्री के पार पहुंच गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले चार दिन दिल्ली के लोगों को झुलसाने वाली गर्मी का सामना करना पड़ेगा। जबकि, 15 तारीख के बाद छिटपुट बादलों के आने से गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी।

दिल्ली के लोगों को एक बार फिर से तेज झुलसाने वाली गर्मी झेलने के लिए तैयार रहना चाहिए। मौसम विभाग का अनुमान है कि अब एक बार फिर से तेज गर्मियों का दौर शुरू होने वाला है। दरअसल, पहले सोमवार से ही झुलसाने वाली लू की स्थिति बनने का अनुमान लगाया गया था। लेकिन, बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती तूफान की वजह से हवा की दिशा मुख्य तौर पर दक्षिण पूर्वी हो गई। इस हवा में नमी और ठंडक मौजूद थी। इसके चलते दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों के लोगों को झुलसाने वाली गर्मियों का सामना नहीं करना पड़ा। लेकिन, अब एक बार फिर से हवा की दिशा उत्तर पश्चिमी होने की संभावना है। यह हवा अपने साथ रेगिस्तान की गर्मी लेकर आएगी, जिसके चलते तापमान में तेजी से इजाफा होने की संभावना है। दिल्ली की ज्यादातर हिस्सों में बुधवार की सुबह से ही तेज धूप रही। दोपहर के समय लोगों ने धूप की तपिश का खासा अनुभव किया। दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में दिन का अधिकतम तापमान 41.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया जो सामान्य से दो डिग्री ज्यादा है। जबकि, न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से तीन डिग्री ज्यादा है। यहां पर आर्द्रता का स्तर 65 से 39 फीसदी तक रहा। दिल्ली के नजफगढ़ इलाके के लोगों को सबसे ज्यादा गर्मी का सामना करना पड़ा। यहां का अधिकतम तापमान 43.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है।

मौसम विभाग का अनुमान है कि गुरुवार के दिन अधिकतम तापमान 43 और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस हो सकता है। जबकि, शुक्रवार के तीन दिन तक दिल्ली में लू की स्थिति बनी रहेगी और अधिकतम पारा 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। छिटपुट बादलों के आने से सोमवार के बाद लू की स्थिति से हल्की राहत मिलेगी।

द्वारका में गरजा बुलडोजर, सीलमपुर में भी हटाया जा रहा है अतिक्रमण

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली की सड़कों पर अतिक्रमण हटाने के लिए एमसीडी एक्शन में है। इसी क्रम में शाहीन बाग, न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी के बाद बुधवार को नगर निगम का बुलडोजर नॉर्थ दिल्ली पहुंचा। अतिक्रमण हटाने के लिए आज नॉर्थ ईस्ट दिल्ली के सीलमपुर में बुलडोजर चलाया जाएगा। ये इलाका काफी भीड़भाड़ वाला है। ईस्ट दिल्ली के मेयर श्याम सुंदर अग्रवाल ने कहा है कि जब जहांगीरपुरी में बुलडोजर चला था तब लोगों की शिकायतें आनी शुरू हुई थी। लोगों को खुले रोड़ चाहिए। मंगलवार को हमने नंद नगरी और सुंदर नगरी में बुलडोजर चलाया था। ऐसे में द्वारका के साथ साथ न्यू सीलमपुर में भी अतिक्रमण हटाया जा रहा है। इसके साथ ही आज नजफगढ़, मधु विहार समेत दिल्ली के कई इलाकों में अतिक्रमण पर कार्रवाई होगी। खबरों की मानें तो आज राजधानी के नजफगढ़, मधु विहार, लोधी कॉलोनी, घिटोरनी, चौखंडी और आसपास के इलाकों में अवैध कब्जों और अतिक्रमण पर कारवाई होगी। इसके अलावा जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम, साईं मंदिर के आसपास के इलाकों में भी एमसीडी का बुलडोजर चलेगा। बता दें कि निगम 4 मई से 13 मई के बीच अतिक्रमण विरोधी अभियान चला रहा है जिसके तहत अब तक दिल्ली के कई इलाकों में बुलडोजर चल चुका है। इनमें सबसे ज्यादा निगम को शाहीन बाग में विरोध का सामना करना पड़ा। इससे पहले मंगलवार को न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी, मंगोलपुरी समेत कई स्थानों से अतिक्रमण हटाने के लिए दिनभर नगर निगम का बुलडोजर गरजा। भारी पुलिस बल और अर्धसैनिक बलों की मौजूदगी के बीच बिना किसी अप्रिय घटना के अभियान पूरा हो गया।

ओप्पो कंपनी के एक गेस्ट हाउस में महिला से बलात्कार का प्रयास

एजेंसी

नोएडा। दिल्ली से सटे गौतमबुद्ध नगर में यौन उत्पीड़न के अलग-अलग मामलों में एक महिला ने जहां ओप्पो कंपनी के गेस्ट हाउस में अपने सहकर्मी पर बलात्कार के प्रयास का आरोप लगाया है, तो वहीं एक व्यक्ति ने अपनी साली से बलात्कार किए जाने का मामला दर्ज कराया है। पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह के प्रवक्ता ने बताया कि ग्रेटर नोएडा पाई-2 सेक्टर में ओप्पो कंपनी के एक गेस्ट हाउस में काम करने वाली महिला ने आरोप लगाया है कि उसके एक सहकर्मी ने सोमवार रात को उससे बलात्कार करने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि आरोपी फरार है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं, एच्छर क्षेत्र के एक व्यक्ति ने आरोप लगाया है कि नजरूद्दीन नामक व्यक्ति ने उसकी साली से बलात्कार किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। एक अन्य मामले में थाना बीटा-2 क्षेत्र की एक महिला ने अपने किरायेदार डॉक्टर पर उससे अश्लील हरकत करने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस सभी मामलों की गहनता से जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

दिल्ली: कड़ी सुरक्षा के बीच तीसरे दिन भी चला बुलडोजर

500 से ज्यादा सुरक्षाबलों की थी तैनाती

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली नगर निगम में ने तीसरे दिन भी कड़ी सुरक्षा के बीच अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाया। अतिक्रमण हटाने के पहले ही इलाके में सुरक्षा की कमान जवानों ने संभाल ली थी। जिन सड़कों पर अतिक्रमण कर दुकान, खोखे व अन्य अस्थाई अतिक्रमण किए थे, वहां निगम के दस्ते के पहुंचने के पहले ही चारों तरफ से बैरिकेडिंग कर भारी संख्या में सुरक्षाबलों की तैनाती कर दी गई थी।

अतिक्रमण हटाओ अभियान के लिए पुलिस की ऐसी चाक चौबंद व्यवस्था थी कि निगम के दस्ते के पास आकर हंगामा करना संभव नहीं था। सड़कों को बैरिकेडिंग लगाकर बंद कर दिया था। इस पर सुरक्षाकर्मी तैनात किए गये थे। इसके अलावा मुख्य सड़क से जुड़ी अन्य दूसरी सड़कों की भी घेराबंदी कर दी गई थी। ताकि स्थानीय लोग विरोध प्रदर्शन करने के लिए अतिक्रमण गिराने के दौरान नहीं आ सकें। सुरक्षा का आलम यह था कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में स्थानीय पुलिस एवं अर्धसैनिक बलों के करीब 500 जवान कार्रवाई के पहले ही तैनात कर दिए गए थे। खास बात यह है कि अतिक्रमण हटाओ अभियान खत्म होने के दो घंटे बाद तक इलाके में सुरक्षाबलों की तैनाती थी। ताकि शांति व्यवस्था बनी रहे और इलाके में स्थिति न खराब हो।

इन जगहों पर थी ज्यादा तैनाती

लोधी कालोनी के मेहरचंद मार्केट सांई मंदिर के अलावा द्वारिका, जनकपुरी, तिलक नगर चौखंडी सहित आसपास के स्थानों पर सैकड़ों की तादात में सुरक्षाबलों की तैनाती थी। उधर यमुनापार के कड़कड़डूमा गांव, आर्य नगर सहित आसपास के इलाके में भी अतिक्रमण पर बुलडोजर की हुई कार्रवाई के दौरान भारी संख्या में सुरक्षाबलों की तैनाती थी।

दिल्ली में घटी कोरोना की रफ्तार, दो दिन बाद फिर 1000 से कम नए केस

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में लगातार बढ़ रहे कोरोना मामलों में अब ब्रेक लग गया है। बीते 24 घंटों के दौरान दिल्ली में कोरोना के 917 मामले सामने आए हैं। जबकि, 1238 मरीजों को छुट्टी दे दी गई। एक मरीज ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार दिल्ली में कोरोना की जांच के लिए बीते 24 घंटे में 29037 टेस्ट हुए जिसमें 3.34 फीसदी मरीज संक्रमित पाए गए।

आपको बता दें कि राजधानी दिल्ली में अभी तक 18,94,141 लोग संक्रमित हो चुके हैं। इनमें से 18,65,755 मरीज ठीक हो गए। वहीं 26184 मरीजों ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। दिल्ली में कोरोना से मृत्युदर 1.38 फीसदी है। विभाग के अनुसार दिल्ली में कोरोना के 5202 सक्रिय मरीज हैं। इनमें से होम आइसोलेशन में 4071 मरीज और अस्पतालों में 161 मरीज भर्ती हैं। इनमें से आईसीयू पर 57, ऑसीजन सपोर्ट पर 52 और वेंटिलेटर पर 08 मरीज भर्ती हैं। दिल्ली में कम होती मरीजों की संख्या के साथ-साथ कन्टेनमेंट जोन की संख्या भी घटकर 1882 रह गई है।

दिल्ली में देश की आन-बान-शान बढ़ाएंगे 115 फुट के 500 तिरंगे

तिमारपुर की मल्कागंज वार्ड में विधायक दिलीप पाण्डेय ने 115 फुट के राष्ट्रीय ध्वज का किया उद्घाटन

विवेक राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली में अब लोग हर 4 से 5 किमी पर देश का 115 फुट ऊंचा तिरंगा दिखाई देगा। लोग यहां रुककर तिरंगे के साथ अपनी सेल्फी ले सकेंगे और देश की आन-बान-शान तिरंगे को सल्यूट करेंगे।

इस तरह के 500 तिरंगे पूरी दिल्ली में लगाए जा रहे हैं। तिमारपुर विधायक दिलीप पाण्डेय ने बुधवार को मल्कागंज वार्ड में 115 फुट ऊंचे तिरंगे का उदघाटन किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली के अरविंद केजरीवाल सरकार तिरंगे झण्डे लगाने का वर्ल्ड रिकार्ड बनाएगी। तिरंगे के उदघाटन के मौके पर निगम पार्षद गुड्डी देवी भी मौजूद रहीं। तिमारपुर की जनता को सम्बोधित करते हुए दिल्ली विधानसभा के मुख्य संचेतक और विधायक दिलीप पाण्डेय ने कहा कि पूरी दिल्ली के अंदर 500 तिरंगे झण्डे लग रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी का सपना पूरा हो रहा है। उन्होंने जनता से कहा कि तिरंगे लगाने के पीछे का उद्देश्य यह है कि पहले दिल्ली के पालिका बाजार में केवल सवा सौ फुट का एक ही तिरंगा हुआ करता था। इस तिरंगे के पास सेल्फी लेने, अपने गौरव का सम्मान करने, भारत पर नाज करने के लिए तिरंगे का दर्शन करने के लिए लोगों को कई किलोमीटर दूर से आना पड़ता था। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तय किया कि वो दिल्ली में हर चार से पांच किलोमीटर पर एक 115 फुट का तिरंगा झण्डा लगवाएंगे। जिससे लोगों को तकलीफ न हो और उनको अपने घर से कुछ दूरी पर ही तिरंगा दिखाई दे जाए। विधायक दिलीप पाण्डेय ने कहा कि तिरंगे को देखकर हमको नाज होता है, गौरव की अनुभूति होती है।

देश पर गर्व होता है हमारा मन दशभक्ति से ओतप्रोत हो जाता है। देश की आन-बान-शान देखकर हमारा सीना चौड़ा हो जाता है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का यह कार्य दुनिया में पहचान बनाने जा रहा है।

डिप्रेशन के चलते 17वीं मंजिल से कूदकर महिला ने की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

गाजियाबाद। दिल्ली से सटे गाजियाबाद के कविनगर थानाक्षेत्र में एनएच-9 स्थित लैंडक्राफ्ट गोल्फलिंक्स सोसाइटी में 17वीं मंजिल से कूदकर 47 वर्षीय महिला ने आत्महत्या कर ली। बुधवार तड़के साढ़े चार बजे हुई घटना से सोसाइटी में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा भर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के मुताबिक प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि महिला ने डिप्रेशन के चलते आत्महत्या की है। हालांकि अभी सभी बिंदुओं पर मामले की जांच जारी है। कविनगर पुलिस के मुताबिक लैंडक्राफ्ट गोल्फलिंक्स सोसाइटी के थ्री-सी टावर के फ्लैट नम्बर 1711 में नितिन साहनी परिवार के साथ किराए पर रहते हैं। वह निजी कंपनी में नौकरी करते हैं। उनके परिवार में 22 वर्षीय बेटे व 18 वर्षीय बेटी के अलावा पत्नी रंजना साहनी (47) थीं। बुधवार तड़के 4:30 बजे रजनी साहनी बालकनी से नीचे कूद गईं। जमीन पर गिरते ही उनकी मौके पर मौत हो गई। सोसाइटी के मैनेजर मनोज यादव का कहना है कि महिला अपने परिवार के साथ किराए पर रहती थीं। सुरक्षा गार्डों से घटना की जानकारी लगते ही डायल-112 और लालकुआं पुलिस चौकी को सूचना दे दी गई थी। कविनगर एसएचओ आनंद प्रकाश मिश्र का कहना है कि पंचनामा भर शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया है। नितिन साहनी के मुताबिक कि उनकी पत्नी बीमार चल रही थीं। प्रथम दृष्टया डिप्रेशन के चलते महिला द्वारा आत्महत्या करने की बात सामने आई है। हालांकि सभी पहलुओं पर मामले की जांच की जा रही है।

महंगाई और आर्थिक संकट से जूझ रहे दिल्लीवालों को अरविन्द केजरीवाल अब घर-घर शराब पहुचाऐगी: चौ0 अनिल कुमार

अरविंद सरकार का ध्यान राजधानी में विकास करने की जगह शराब की बिक्री पर केंद्रित है

आनंद राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी क अध्यक्ष चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि कमरतोड़ महंगाई, बेकाबू बेरोजगारी और आर्थिक संकट से जूझ रहे दिल्लीवासियों को पूरी तरह बर्बाद करने के लिए अरविन्द केजरीवाल अब घर-घर शराब पहुचाने की तैयारी कर रहे है। अतिरिक्त राजस्व कमाने की चाह में केजरीवाल दिल्ली के कौने-कौने में हर उम्र के लोगों को आसान प्रक्रिया के द्वारा शराब परोसने की हर संभव कोशिश करके दिल्ली को नशे की राजधानी बनाना चाहते है।

चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि केजरीवाल सरकार दिल्ली को विकसित को नजरअंदाज करके दिल्ली में चकाचौंध वाली शराब की आलीशान दुकानें खोलने के लिए आबकारी नीति 2022-23 बनाने की तैयारी कर रही जिसके तहत शराब की दुकानों पर शराब खरीदने के साथ-साथ पीने की व्यवस्था भी होगी, जहां सिगरेट, सिगार, शराब वाली चॉकलेट, बर्फ व अन्य सुविधाऐं भी मिलेंगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में आबकारी नीति को लगातार लचर बनाते हुए दिल्ली सरकार ने प्रत्येक वार्ड में 3-4 वार्ड की सीमा को भी खत्म कर दिया है जिसके तहत अब एक वार्ड में कितनी भी शराब की दुकाने खोलने की इजाजत मिल सकेगी। चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली सरकार के मंत्री समूह ने अब गैर अनुपालक क्षेत्र की सीमा को ही खत्म कर दिया है जबकि 272 वार्ड में से 100 वार्ड गैर अनुपालक क्षेत्र में आते थे। केजरीवाल सरकार अपनी पंसद के लोगों और कम्पनियों को फायदा पहुचाने के लिए पांबदी वाली अनिवार्यता को ही खत्म कर दिया है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार अपनी पंसद की सूचीबद्ध कम्पनियों को होम डिलीवरी के लिए लाईसेंस देने जा रही है जिसमें करोड़ो रुपये का भ्रष्टाचार हो रहा है।

चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और रसोई गैस पर सब्सिडी और टैक्स छूट देने की जगह शराब के दामों पर भारी छूट को जारी रखने के लिए शराब व्यापार में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को जरुरी बताना पूरी तरह से दिल्ली के लोगों के प्रति गैर जिम्मेदाराना और असंवेदनशील है। उन्होंने कहा कि अगर खुली प्रतिस्पर्धा को लागू ही करना है तो लोगों के लिए जरुरी वस्तुओं, तेल तिलहन, दालों व सब्जियों आदि में करना चाहिए। सरकार को रोजमर्रा वस्तुओं पर भी 25-35 प्रतिशत की छूट के लिए बाजारों को सीधे आदेश देने चाहिए ताकि दिल्ली के लोगों को इसका सीधा फायदा मिल सके।

सड़कों पर उतरे एमसीडी के खिलाफ सदर के व्यापारी

पटरी के बाद अब पार्किंग माफिया को बढ़ावा दे रही है एमसीडी

प्रफुल्ल राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। एमसीडी द्वारा सदर बाजार थाने से लेकर 12 टूटी की दोनों साइड की सड़क पर पार्किंग बनाए जाने व शुल्क वसूल करने के विरोध में फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन के चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा वाइस चेयरमैन पवन खंडेलवाल अध्यक्ष राकेश यादव , सुरेंदर महेंद्रू, महासचिव सतपाल सिंह मंगा, कमल कुमार की अध्यक्षता में सैकड़ों व्यापारियों ने एमसीडी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और एमसीडी हाय हाय, एमसीडी अपनी तानाशाही बंद करें,पार्किंग के नाम पर व्यापारियों से पैसा वसूल ना बंद करें,रोड पर पार्किंग नहीं चलेगी नहीं चलेगी जैसे नारे लगा रहे थे और पूरा 12 टूटी चौक को जाम कर दिया। इस अवसर पर परमजीत सिंह पम्मा व राकेश यादव ने कहा एमसीडी के अधिकारी सदर बाजार का व्यापार खत्म करने में लगे हुए हैं उन्होंने कहा अगर मेन रोड पर पार्किंग बन जाती है तो इसमें व्यापारियों का माल आने जाने में काफी दिक्कत होगी और आए दिन इसको लेकर विवाद होता रहेगा उन्होंने एमसीडी खिलाफ टिप्पणी करते हुए कहा कि एमसीडी हर जगह वसूली करने पर लगी हुई है मगर व्यापारियों को किसी प्रकार की कोई सुविधा देने में नाकाम साबित हो रही है जबकि एमसीडी द्वारा अलाट की गई पार्किंग को का बुरा हाल है। परमजीत सिंह पम्मा व राकेश यादव ने कहा कि एमसीडी पटरी हटाने में तो नाकाम साबित हो रही है उनसे वसूली करके पटरी बाजार बनाया हुए मार्केट को दूसरी तरफ अब पार्किंग माफिया से मिलीभगत करके सदर थाना रोड से लेकर 12 टूटी चौक पार्किंग दे दी है जो कभी भी व्यापारी बर्दाश्त नहीं करेंगे अगर 13 मई तारीख तक यह पार्किंग का एमसीडी ने पार्किंग पर रोक नहीं लगाई तो सदर थाना रोड के व्यापारी दोपहर 2:00 बजे तक अपनी दुकानें बंद करके विरोध प्रकट करेंगे। इस अवसर पर सतपाल सिंह मंगा, सुरेंदर महेंद्रू, राजकुमार बराड़ा, कमल कुमार,नरेश जिंदल,सहित अनेक व्यापारियों ने एमसीडी के खिलाफ नारेबाजी की।

संपादकीय

प्रचंड गर्मी में 'राष्ट्रवाद' से नहीं, शीतल जल से ही बुझेगी रेल यात्रियों की प्यास

हालांकि स्वतंत्रता दिवस आने में अभी तीन माह से भी अधिक समय बचा है परन्तु रेल मंत्रालय ने अभी से आज़ादी की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर मनाये जा रहे आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत 'हर घर झंडा' के नाम से एक राष्ट्रव्यापी अभियान चलाने की तैयारी अभी से शुरू कर दी है। 15 अगस्त 2022 की स्वतंत्रता दिवस की 75वीं वर्षगांठ को यादगार बनाने के लिए घर घर तिरंगा फहराने के लिए लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत देश के लगभग 10 लाख रेल कर्मचारियों के आवासों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने की तैयारी की जा रही है। ख़बरों के अनुसार रेलवे बोर्ड के निदेशक इस्टेबलिशमेंट (जनरल) हरीश चंद्र ने सभी रेलवे ज़ोन के महाप्रबंधक, आरडीएसओ, मेट्रो व सेंट्रेलाईज़्ड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट को एक पत्र लिखकर इस अभियान को सभी रेलकर्मियों तक पहुंचाने का निर्देश जारी किया है। उन्होंने अपील की कि रेलकर्मी ऐसा करने के साथ ही अपने आसपास के लोगों को भी घरों पर तिरंगा झंडा लगाने के लिए प्रेरित करें। गोया रेल मंत्रालय स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार तिरंगे के माध्यम से देश के लोगों में राष्ट्रवाद की भावना का संचार करने के लिये युद्ध स्तर पर तिरंगा फहराओ अभियान छेड़ने जा रहा है। ऐसे में यह ज़रूरी है कि रेल मंत्रालय की प्राथमिकताओं पर भी नज़र डाली जाये कि आख़िर रेल विभाग के लिये सबसे ज़रूरी कर्तव्य क्या हैं । रेल यात्रियों की बढ़ती संख्या के चलते आम तौर पर रेल गाड़ियों में लगने वाले डिब्बों की संख्या पहले से काफ़ी अधिक कर दी गयी है। कोई कोई लंबी दूरी की गाड़ियां तो लगभग एक किलोमीटर तक लंबी होने लगी हैं। यानी इंजन के सिग्नल के पास खड़े होने के बाद गाड़ी के पिछले कई डिब्बे प्लेटफ़ॉर्म के पीछे ही रह जाते हैं। तमाम स्टेशन ऐसे हैं जहाँ प्लेटफ़ॉर्म की लंबाई बढ़ाई भी गयी हैं परन्तु अभी भी सैकड़ों स्टेशन ऐसे हैं जहाँ प्लेटफ़ॉर्म छोटे होने के चलते पूरी ट्रेन प्लेटफ़ॉर्म पर नहीं खड़ी हो पाती। नतीजतन प्लेटफ़ॉर्म से दूर खड़े डिब्बों पर चढ़ने उतरने वाले यात्रियों को अपने सामान के साथ पत्थर बजरी पर उतरने में काफ़ी परेशानी उठानी पड़ती है। ख़ासकर बुज़ुर्गों व महिलाओं को। लिहाज़ा रेल विभाग को तिरंगा अभियान की ही तरह पूरे देश के रेलवे प्लेटफ़ॉर्म का ज़रुरत के अनुसार विस्तारण करने का अभियान भी चलाना चाहिये। ट्रेन के डिब्बों में मच्छरों के प्रकोप आम बात है। कभी कभी तो चूहे भी यात्रियों के साथ ट्रेन यात्रा करने आ जाते हैं। इन सबका कारण केवल यही है कि डिब्बों के भीतर समुचित सफ़ाई नहीं हो पाती। इसतरह की गंदिगी से बीमारी फैलने की भी संभावना बनी रहती है। टॉयलट में गंदिगी रहती है। ए सी श्रेणी में हैंड वाश की शीशी होती है मगर ख़ाली। ख़ासतौर पर आज के कोरोना संक्रमण काल में जबकि सरकार द्वारा विशेष व श्रमिक स्पेशल ट्रेन के नाम पर रेल भाड़े में वृद्धि की जा चुकी है। तमाम तरह की सुविधायें बंद की जा चुकी हैं। ऐसे में प्रत्येक यात्री डिब्बों का स्वच्छ व सेनिटाइज़ होना भी बहुत ज़रूरी है। स्वच्छ भारत अभियान की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में रेल विभाग को इस ओर भी ज़रूर ध्यान देना चाहिये। यात्रियों की सुरक्षा भी रेल विभाग की ज़िम्मेदारी है। प्राय: चोर उचक्के तत्व बिना समुचित टिकट लिये किसी भी डिब्बे में सवार हो जाते हैं। ख़ासकर देर रात यह काले कारनामे घटित होते हैं। और यही अवांछनीय तत्व सोते हुये यात्रियों का सामान उठाकर चंपत हो जाते हैं। यही लोग यात्रियों को ज़हर खुरानी का शिकार भी बनाते हैं। इसके अतिरिक्त दशकों से रेलवे स्टेशन बाबा रुपी भिखारियों, चोर उचक्कों ,नशेड़ियों व अवांछनीय तत्वों का प्रश्रय स्थल और जुर्म का अड्डा बना हुआ है। भगवा कपड़े पहन कर तमाम आवारा क़िस्म के लोग बेरोकटोक ट्रेन में यात्रा करते हैं। सरे आम बीड़ियाँ व सिगरेट फूंकते हैं। सीटों से लेकर डिब्बों के प्रवेश द्वारा पर या डिब्बे में आवागमन के रास्ते में बैठकर ये लोग गंदिगी फैलाते हैं। परन्तु रेलवे पुलिस हो या रेल में चलने वाला स्टाफ़ कोई भी इन्हें ट्रेन से न तो उतारता है न ही जुरमाना वसूलता है। यह लोग भी ट्रेन को अपनी पैतृक संपत्ति समझकर यात्रा करते हैं। परन्तु यदि कोई ग़रीब मजबूर रेल यात्री किसी मजबूरी वश बेटिकट यात्रा कर रहा हो तो उसे जेल भी जाना पड़ सकता है।

भारत में बहुत महंगा है इलाज, लेकिन केंद्र और राज्य सरकारें इस पर ध्यान ही नहीं दे रही हैं

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

जो मेहनतकश लोग हैं, वे बीमार कम पड़ते हैं लेकिन जब पड़ते हैं तो उनके इलाज का ठीक-ठाक इंतजाम किसी भी राज्य में नहीं होता। उत्तर प्रदेश में भी 70 प्रतिशत मरीज निजी अस्पतालों में जाते हैं। सरकारी अस्पतालों में भयंकर भीड़ होती है।

भारत में सरकारी अस्पतालों को देखकर हमारे केंद्र और राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों को जरा भी शर्म क्यों नहीं आती ? ऐसा नहीं है कि उन्हें इन अस्पतालों की हालत का पता नहीं है। उन्हें अगर पता नहीं है तो वे 'राष्ट्रीय पारिवारिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5' की ताजा रपट जरा देख लें। उसके मुताबिक बिहार के 80 प्रतिशत मरीज अपने इलाज के लिए गैर सरकारी अस्पतालों में जाते हैं। उन्हें पता है कि इन निजी अस्पतालों में जबर्दस्त ठगी होती है लेकिन जान बचाने की खातिर वे उसे बर्दाश्त करते हैं। वे पैसे उधार लेते हैं, दोस्तों और रिश्तेदार के कृपा-पात्र बनते हैं और मजबूरी में मंहगा इलाज करवाते हैं। ये लोग कौन हैं ? निजी अस्पतालों में क्या कोई मजदूर या किसान जाने की हिम्मत कर सकता है ? क्या तीसरे-चौथे दर्जे का कोई कर्मचारी अपने इलाज पर हजारों-लाखों रु. खर्च कर सकता है ? इन अस्पतालों में इलाज करवाने लोग या तो मालदार होते हैं या मध्यम वर्ग के लोग होते हैं। ये ही ज्यादा बीमार पड़ते हैं।

जो मेहनतकश लोग हैं, वे बीमार कम पड़ते हैं लेकिन जब पड़ते हैं तो उनके इलाज का ठीक-ठाक इंतजाम किसी भी राज्य में नहीं होता। उत्तर प्रदेश में भी 70 प्रतिशत मरीज निजी अस्पतालों में जाते हैं। सरकारी अस्पतालों में भयंकर भीड़ होती है। दिल्ली के प्रसिद्ध मेडिकल इंस्टीट्यूट में अगर आप जाएं तो आपको लगेगा कि किसी दमघोंटू हॉल में मेले-ठेले की तरह आप धक्के खाने को आ गए हैं। देश के कस्बों और गांवों के लोगों को लंबी-लंबी यात्रा करनी पड़ती है, सरकारी अस्पताल खोजने के लिए !

करोड़ों लोग तो ऐसे हैं, जिन्हें अपने गंभीर रोगों के बारे में बरसों कुछ जानकारी ही नहीं होती, क्योंकि भारत में जांच और चिकित्सा बहुत मंहगी है। होना तो यह चाहिए कि देश में चिकित्सा बिल्कुल मुफ्त हो। सरकार ने अभी पांच लाख रु. के स्वास्थ्य बीमे की जो व्यवस्था बनाई है, उससे लोगों को कुछ राहत जरूर मिलेगी लेकिन इससे क्या सरकारी अस्पतालों की दशा सुधरेगी ? सरकारी अस्पतालों की दशा सुधारने का पक्का उपाय मैंने कुछ वर्ष पहले एक लेख में सुझाया था। उस सुझाव पर इलाहाबाद न्यायालय ने मुहर लगा दी थी लेकिन उत्तर प्रदेश की अखिलेश या योगी-सरकार ने उस पर अभी तक अमल नहीं किया है। सुझाव यह था कि राष्ट्रपति से लेकर चपरासी तक और सांसद से लेकर पार्षद तक सभी के लिए यह अनिवार्य होना चाहिए कि वे अपना इलाज सरकारी अस्पतालों में ही करवाएं। यदि ऐसा नियम बन जाए तो देखिए कि सरकारी अस्पतालों की दशा रातों-रात ठीक हो जाती है या नहीं ? इसके अलावा यदि आयुर्वेद, होमियोपेथी, यूनानी और प्राकृतिक चिकित्सा को पर्याप्त प्रोत्साहन दिया जाए और उनमें अनुसंधान बढ़ाया जाए तो भारत की चिकित्सा पद्धति दुनिया की सबसे सस्ती, सुगम और सुघड़ चिकित्सा पद्धति बन सकती है।

देश के सबसे बड़े मंदिर-मस्जिद के विवादों की कहानी

अभिनय आकाश

देश में एक तरफ अजान और हनुमान चालीसा पर घमासाल है। दूसरी तरफ काशी-मथुरा का नारा बुलंद हो रहा है। इस सब के बीच देश के तीन शहरों में माहौल गर्म है। ज्ञानवापी के साथ-साथ अब ताजमहल और कुतुबमीनार पर भी किचकिच शुरू हो गई है। अयोध्या में बीजेपी के मीडिया प्रभारी ने ताजमहल के 22 कमरों को खोलने को लेकर कोर्ट में याचिका दी है। वहीं दूसरी तरफ देश की राजधानी दिल्ली में कुतुबमीनार परिसर में पूजा-पाठ को लेकर हिंदू संगठनों ने प्रदर्शन भी किया। कुतुबमीनार नहीं विष्णु स्तंभ, शाही ईदगाह की जगह श्रीकृष्ण जन्मभूमि, ताजमहल या तेजो महल देश में इन दिनों मंदिर-मस्जिद को लेकर घमासान मचा है। वैसे आपको बता दें कि भारत में मंदिर और मस्जिद से जुड़ा विवाद कोई नया नहीं है। इमें सबसे ज्यादा चर्चा राम मंदिर और बाबरी मस्जिद विवाद को लेकर हुई। लेकिन देश में ऐसे कई विवादित स्थल हैं जिसको लेकर दोनों पक्षों में अलग-अलग राय है। ऐसे में आइए आपको देश के सबसे बड़े मंदिर-मस्जिद विवादों की कहानी बताते हैं। बताते हैं कि कौन से 10 चर्चित मंदर और मस्जिद से जुड़े विवाद हैं, इनकी वजह क्या है और इसका पूरा इतिहास क्या है।

खत्म हुआ राम लला का वनवास

साल 2019 और 9 नवंबर को भक्तों की आस पर कार्तिक के मास में आखिरकार रामलला का खत्म हुआ था वनवास। सुप्रीम कोर्ट के रामलला के नाम जमीन के हक पर हस्ताक्षर के साथ ही ये तय हो गया था कि अयोध्या में भगवान राम का भव्य और दिव्य मंदिर बनेगा। लेकिन 5 अगस्त 2020 को क्या हिन्दू क्या मुसलमान सभी अपने भगवान अपने इमामे हिन्द के अद्भुत मंदिर के नींव रखे जाने के साक्षी बने। अयोध्या का जिक्र होता है तो साथ ही जिक्र राम मंदिर आंदोलन का भी होता है। जब कारसेवकों ने विवादित ढांचे को 1992 में ढाह दिया था। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद देश का सबसे चर्चित विवाद अब सुलझ चुका है।

विष्णु स्तंभ- कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद

राजधानी दिल्ली स्थित कुतुबमीनार परिसर में कुव्वत उल इस्लाम मस्जिद के ढांचे में लगी मूर्तियों को लेकर एक बार फिर से विवाद गहरा गया है। हिंदू संगठनों नाम बदलने की मांग को लेकर कुतुबमीनार के ठीक सामने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान जय श्रीराम के नारे वहां पर लगाए जा रहे हैं। लोगों की मांग है कि कुतुबमीनार का नाम बदलकर विष्णु स्तंभ कर दिया जाए। विवाद इस बात पर भी है कि कुतुबमीनार के अंदर जगह-जगह देवी-देवताओं की मूर्ति का अवशेष देखने को मिलता है। आरोप है कि मस्जिद परिसर में भगवान की मूर्तियों को जमीन पर रखकर अपमानित किया जा रहा है। कुतुबमीनार परिसर में उल्टी गणेश प्रतिमा पर भी विवाद हो रहा है। संगठनों का कहना है कि मस्जिद में लगी उल्टी मूर्तियों से हिंदू धर्म के लोगों की भावनाओं को काफी ठेस पहुंच रही है इसलिए इन्हें वहां से हटाया जाना चाहिए। कुतुबमीनार की मौजूदा कॉम्पलेक्स, दीवारों, खंभों पर देवी-देवताओं के चित्र और धार्मिक चिन्ह बने हुए हैं। इनमें भगवान गणेश, विष्णु, यक्ष-यक्षिणी, महावीर और नटराज की आकृतियां भी नजर आएंगी। इसके अलावा यहां भगवान गणेश की एक मूर्ति को लोहे की ग्रिल में कैद करके रखा गया है। कहा जाता है कि ये मूर्ति मंदिर के विध्वंस के बाद बनाई गई मस्जिद की दीवार में लगा दी गई। दावा किया जाता है कि ये मूर्तियां राजा अनंगपाल तोमर के बनाए 27 जैन और हिंदू मंदिरों को तोड़कर लाई गई थीं। कुतुब परिसर के खंभे पर आधे गोल आकार में सूर्य देव की मूर्ति उकेरी गई है।

दावा है कि इस्लाम में बुत परस्ती हराम है तो कोई भी इस्लामी शासक ऐसी आकृतियां नहीं बनवाएगा। इसके अलावा कुतुबमीनार परिसर में मंगल कशल, शंख, गदा और पवित्र कमल के चिन्ह भी नजर आ जाएंगे। मस्जिद की शिलालेख पर दावा और कुतुबमीनार परिसर में हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियां वो प्रमुख वजह है जो हिन्दू संगठनों को यहां पूजा-पाठ की मांग के लिए प्रेरित करती है और कुतुबमीनार के इस विवाद को ऐसे वक्त में हवा दी जा रही है जब आगरा में ताजमहल और काशी में ज्ञानवापी का विवाद पहले से ही चल रहा है।

ताजमहल-तेजो महल

विश्व के सात अजूबों में से एक ताजमहल पर विवाद कोई नया नहीं है। मुगलों की ओर से देश में शासन के दौरान हिंदू धार्मिक स्थलों को निशाना बनाए जाने को पूरे विवाद का आधार माना जा रहा है। इस मामले में इतिहासविदों की राय अलग है। लेकिन इस विवाद में नया मोड़ तब आया जब ताजमहल के बंद 22 कमरों का राज बाहर लाने की मांग को लेकर ईलाहबाद हाईकोर्ट में अर्जी दी गई है। दावा किया गया है कि ताजमहल मकबरा नहीं महादेव का मंदिर है। ताजमहल को लेकर बीजेपी नेता की तरफ से दायर याचिका दावा करती है कि अंग्रेजों के जमाने से बंद इन कमरों में हिन्दू देवी देवताओं की मूर्तियां, प्राचीन शिवलिंग और शिलालेख मौजूद हो सकते हैं। कोर्ट में दायर इस याचिका में ये भी कहा गया है कि आगरा में जिस जगह अभी ताजमहल है, वहां साल 1212 में राजा परमर्दिदेव ने भगवान शिव का मंदिर बनवाया था, जिसे तेजोमहालय या तेजोमहल का नाम दिया गया था लेकिन शाहजहां ने तेजो महालय को तुड़वाकर इसे मकबरा बना दिया।

काशी विश्वनाथ मंदिर और ज्ञानवापी मस्जिद

काशी विश्वनाथ मंदिर और ज्ञानवापी मस्जिद परिसर स्थित श्रृंगार गौरी सहित अन्य विग्रहों में दर्शन पूजन और सुरक्षा की मांग को लेकर इन दिनों विवाद गर्माया हुआ है। वाराणसी के कोर्ट में ज्ञानवापी मस्जिद और काशी विश्वनाथ परिसर में श्रृंगार गौरी मंदिर और दूसरे देवी-देवताओं के मंदिरों की स्थिति को लेकर सर्वे करने का निर्देश दिया गया। देवताओं की मूर्ति जिस स्थान पर स्थित है उसे साल भर में एक बार पूजा के लिए खोला जाता है। कोर्ट में पांच महिलाओं ने एक याचिका दायर करके कोर्ट से ऋंगार गौरी मंदिर में रोज पूजा करने की अनुमति दिए जाने की अपील की थी। कहा जाता है कि 11वीं सदी के अंत में विश्वनाथ मंदिर को मोहम्मद गोरी ने लूटा और तुड़वाया था। गोरी के विध्वंस के बाद मंदिर को दोबारा बनवाया गया और 1211 में ये काम गुजरात के एक व्यापारी द्वरा करवाया गया।

लेकिन सन 1447 में जौनपुर के सुल्तान द्वारा तोड़वा दिया गया। फिर राजा मान सिंह ने काशी विश्वनाथ मंदिर का पुनर्निमाण शुरु किया। लेकिन उन्हें ये काम बीच में रोकना पड़ा। 1585 में राजा टोडरमल ने मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया। राजा टोडरमल ने इसकी जिम्मेदारी पंडित नारायण भट्ट को सौंपी। भव्य मंदिर बनवाया गया। 18 अप्रैल को औरंगजेब ने पूरे देश में फैले अपने सभी सूबेदारों को खास फरमान जारी किया। सभी सूबेदार अपनी इच्छा से हिन्दुओं के सभी मंदिरों और पाठशालाओं को गिरा दें। मूर्ति पूजा को पूरी तरह से बंद करवा दें। इस आदेश के बाद 2 सितंबर 1669 को औरंगजेब को खबर दी गई कि काशी के प्रसिद्ध विश्वनाथ मंदिर को गिरा दिया गया है। विवादित स्थल के भूतल में तहखाना और मस्जिद के गुम्बद के पीछे प्राचीन मंदिर की दीवार का दावा किया जाता है। ज्ञानवापी मस्जिद के बाहर विशालकाय नंदी हैं, जिसका मुख मस्जिद की ओर है। इसके अलावा मस्जिद की दीवारों पर नक्काशियों से देवी देवताओं के चित्र उकेरे गए हैं। स्कंद पुराण में भी इन बातों का वर्णन है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि- शाही ईदगाह

मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद विवाद पर कोर्ट ने 19 मई तक फैसला सुरक्षित रख लिया है। लखनऊ की रहने वाली रंजना अग्निहोत्री ने श्री कृष्ण जन्मभूमि की 13.37 एकड़ भूमि के स्वामित्व की मांग को लेकर वाद दायर किया है। इसमें श्री कृष्ण जन्मभूमि में बनी शाही ईदगाह मस्जिद को हटाने की भी मांग की गई है। शाही ईदगाह मस्जिद मथुरा शहर में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर परिसर से सटी हुई है। इस स्थल को हिंदू धर्म में भगवान कृष्ण की जन्मस्थली माना जाता है। जहां भगवान कृष्ण का जन्म हुआ, वहां पहले वह कारागार हुआ करता थाकहा जाता है कि मुगल शासन औरंगजेब ने 1669 में श्रीकृष्ण मंदिर की भव्यता से चिढ़कर उसे तुड़वा दिया था और इसके एक हिस्से में ईदगाह का निर्माण कराया गया था। इसी ईदगाह को हटाने के लिए कोर्ट में वकील विष्णु जैन और रंजना अग्निहोत्री ने कोर्ट में केस दाखिल किया है।

अखिलेश से नहीं संभल पा रही समाजवादी पार्टी, ऐसे में खुद कमान संभाल सकते हैं मुलायम

अजय कुमार

'नया नेतृत्व, नई समाजवादी पार्टी' के जुमले पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव की लगातार जारी नाकामयाबी के चलते ग्रहण लगता नजर आ रहा है। जबसे अखिलेश ने मुलामय सिंह यादव की जगह सपा की कमान संभाली है तब से वह दो लोकसभा और दो विधान सभा चुनाव हार चुके हैं। नगर निकाय और त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में भी समाजवादी पार्टी बैकफुट पर ही नजर आई। रही-सही कसर विधान परिषद चुनाव में सूपड़ा-साफ होने से पूरी हो गई। विधान परिषद (एमएलसी) चुनाव में सपा का सूपड़ा साफ होने से ज्यादा पार्टी के लिए चिंता का विषय उसे अपने गढ़ में मिली पराजय है। एमएलसी के इस चुनाव में सत्तारुढ़ दल का दबदबा देखने को मिला और बीजेपी ने विधान परिषद में ऐतिहासिक जीत हासिल की। मुख्य विपक्षी दल के रूप में समाजवादी पार्टी का शून्य पर सिमटना बड़ी बात है। पार्टी में अंदरूनी कलह का ही नतीजा है कि सपा अपने गढ़ इटावा में भी हारी। यहां पार्टी की हार के कारणों में शिवपाल की नाराजगी भी मानी जा रही है। इटावा-फर्रूखाबाद सीट पर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी को भाजपा की तुलना में काफी कम वोट मिले। डूबते जहाज के समान बनी सपा के सामने अब आए दिन नई-नई चुनौतियां आ रही हैं। पहले चाचा शिवपाल नाराज हुए और अब पूर्व मंत्री व रामपुर के विधायक मो. आजम खान नाराज बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि आजम के करीबी नेता शिवपाल के संपर्क में हैं और आने वाले समय में दोनों नेता एक खेमे में आ सकते हैं। वहीं सपा में निष्प्रयोज्य ही साबित कर दिए गए शिवपाल सिंह यादव के बेहतर प्रयोग पर विरोधी दल के रणनीतिकारों की नजर है। इस बीच आजम खान खेमे से उठे नाराजगी के स्वर चुगली कर रहे हैं कि अखिलेश अपनों के ही 'क्लेश' में घिरते जा रहे हैं। समाजवादी पार्टी के लिए चिंता की बात यह है कि दोनों ही नेताओं शिवपाल सिंह यादव और आजम खान का अच्छा प्रभाव उस 'मुस्लिम-यादव' वोट बैंक पर माना जाता है, जो 'एमवाई' फैक्टर साइकिल का सबसे बड़ा सहारा है। यदि मस्लिम और यादव वोट ही समाजवादी पार्टी से छिटक जाएंगे, तो आने वाले लोकभा चुनाव में सपा को भारी नुकसान हो सकता है। एक तरफ चुनावों में मिली हार, दूसरी ओर पार्टी में रार से सपा बिखरती जा रही है। उस पर पुराने समाजवादियों की अनदेखी के चलते पार्टी की और दुर्दशा हो रही है। अनदेखी से नाराज कई पुराने नेताओं ने या तो पार्टी से किनारा कर लिया है अथवा अपने को घरों में कैद कर लिया है।

अखिलेश की कार्यशैली से आजम खान, शफीकुर्रहमान बर्क जैसे नेता ही नाराज नहीं हैं बल्कि परिवार में भी फूट पैदा हो चुकी है। चाचा शिवपाल यादव, बहू अपर्णा यादव के सपा से किनारा करने से अखिलेश की सबसे अधिक किरकिरी हो रही है।

इस बीच समाजवादी पार्टी के अंदरखाने से खबर आ रही है कि पार्टी की गिरावट को कैसे रोका जाए, इसका पता लगाने के लिए सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव स्वयं मोर्चा संभाल सकते हैं। सपा के अंदर सबसे अधिक बेचैनी पार्टी के संस्थापक शिवपाल सिंह यादव की पार्टी विरोधी सक्रियता को लेकर है। इसी वजह से सपा अपने पार्टी संरक्षक मुलायम सिंह यादव के जरिए नए सिरे से गोलबंदी शुरू कर सकती है। पुराने नेताओं व जनता तक मुलायम सिंह का संदेश पहुंचाने की रणनीति भी अपनाई जा रही है।

दो दिन पहले मुलायम सिंह यादव का पार्टी कार्यालय में संबोधन इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। इस रणनीति से पार्टी आगामी जुलाई माह में संभावित नगर निगम चुनावों में धमाकेदार उपस्थिति दर्ज कराने का भी सपना पाले हुए है।

ताजमहल के 22 कमरों को खोलकर उनके भीतर के रहस्यो को जानने को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर

मुस्कराना खूबसूरत जिंदगी का इम्यूनिटी बूस्टर!!

हमेशा ऐसे हंसते मुस्कुराते रहो कि आपको देखकर लोग कहें वह देखो! जिंदगी कितनी खूबसूरत है!!

मनोभाव से मुस्कुराना, हंसना स्वस्थ जिंदगी का मंत्र - मुस्कान की दूसरों के दिलों पर राज करने में अहम भूमिका! - एड किशन भावनानी

गोंदिया - कुदरत नें इस खूबसूरत सृष्टि रूपी कायनात में एक खूबसूरत प्राणी मनुष्य की रचना कर 84 लाख़ जीवों से अलग एक विशेष कलाकृति बुद्धि का सृजन मानव शरीर में समाहित किया ताकि उस के बल पर अन्य जीवों से अति उत्तम जीव बन कर रहे! वैसे तो मानव शरीर की संरचना के अंग हर दूसरे प्राणियों में भी होते हैं पर बुद्धि अपेक्षाकृत सर्वश्रेष्ठ होती है! जिसका उपयोग हम सकारात्मकता से अपने अपने क्षेत्रों और अपने शरीर को स्वस्थ, निरोगी काया बनाने में करने की विचारधारा को रेखांकित करना होगा!

साथियों बात अगर हम अपने शरीर के स्वस्थ एवं निरोगी रखने की करें तो उसके अनेक तरीकों में से एक हंसना और मुस्कुराना एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है जिसका उपयोग करने से हमारे स्वास्थ्य पर बहुत अधिक फायदा होता है यह स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा भी कहा गया है परंतु वह हंसना मुस्कुराना असली होना चाहिए! इसीलिए बड़ों की तुलना में बच्चे ज़्यादा खुश रहते है, ये बहुत दुर्भाग्यपूर्ण बात है लेकिन जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं, हम मुस्कुराना भूल जाते हैं। बच्चे हम बड़ों की तुलना में 10 गुना ज़्यादा मुस्कुराते हैं। आमतौर पर बच्चे एक दिन में करीब 400 बाद मुस्कुराते और हँसते हैं, वहीं हम एडल्ट लोग सिर्फ़ 40 से 50 बार ही मुस्कुराते हैं ?

असली मुस्कान में आंखों के नीचे की मांसपेशियां एक्टिव होती हैं। जबकि झूठी स्माइल हमारे होंठों के आसपास की मांसपेशियों के इस्तेमाल से ही आती है। जब स्माइल असली होती है, हमारे दिमाग में न्यूरोनल सिग्नल्स चेहरे की मसल्स को एक्टिवेट कर देते हैं। असली मुस्कान में हमारा दिमाग हमारे चेहरे को बताता है कि हमें मुस्कुराना है। साथियों बात अगर हम मुस्कान और हंसी की करें तो, मुस्कान एक चेहरे की अभिव्यक्ति है जो तब होती है जब हम खुश और प्रसन्न होते हैं, लेकिन मुस्कान की शक्ति हमारे विचार से कहीं अधिक मजबूत होती है। यह न केवल हमारे स्वास्थ्य और कल्याण को लाभ पहुंचाता है, बल्कि यह हमारे आस-पास के लोगों पर भी सकारात्मक प्रभाव डालता है। कहावत सच है - मुस्कान वास्तव में संक्रामक होती है । एक मुस्कान बहुत आगे तक जा सकती है और यह हमारे सामाजिक और व्यक्तिगत जीवन पर बहुत बड़ा प्रभाव डालती है। हम अधिक मिलनसार, हो जाते हैं और लोग हमारे आस-पास सहज महसूस करते हैं।

मुस्कुराना कोई कठिन कार्य नहीं है, परंतु फिर भी हमको कम ही लोग ऐसे दिखेंगे जो हर वक्त खुश दिखते हैं या मुस्कुराते रहते हैं, ये वो लोग है जिनके अंदर खुशी का संचार चौबीस घंटे ही बना रहता है, जिनको तनाव वाली स्थितियां अपनी ओर आकर्षित नहीं कर पाती, क्योंकि खुशी उनके व्यक्तित्व का एक अहम हिस्सा बन जाती है जिसको बदलना इतना आसान नहीं, ऐसे व्यक्तित्व के आस पास भी हम रहेंगे तो खुशी ही महसूस करते हैं।

साथियों बात अगर हम मुस्कान को जिंदगी का इम्यूनिटी बूस्टर होने की करें तो, मुस्कुराने से हमारी मांसपेशियों को शांत करने में मदद मिलती है और हमको आराम का एहसास होता है। एक मुस्कान चिंता से बचने में मदद कर सकती है और इसलिए हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली में सुधार कर सकती है। एक मुस्कान एंडोर्फिन जारी करती है और मानसिक परिश्रम को बढ़ाती है। यह तनाव को कम करता है और हमारे दिमाग को सकारात्मक दृष्टिकोण की ओर ले जाता है। एक खुश चेहरा उदास और सुस्त चेहरे की तुलना में उज्जवल और छोटा दिखता है।

अध्ययनों से पता चलता है कि मुस्कुराहट मुंह और होंठोंके आसपास की मांसपेशियों को प्रशिक्षित करती है और उन्हें झुर्रीदार होने और झुर्रियों से बचाती है।

साथियों बात अगर हम मुस्कुराने हंसने में स्वास्थ्य लाभों की करे तो,(1)तनाव को दूर करने में जो काम हंसी करती है वो कोई दवाई नहीं कर सकती। दरअसल, हंसने से हम लोगों के साथ ज्यादा सोशली एक्टिव हो जाते हैं, जिससे हमारा तनाव खुद ही कम हो जाता है।

(2)जब हम हंसते हैं तो हमारे फेफड़ों से हवा तेजी से निकलती है, जिस वजह से हमें गहरी सांस लेने में मदद मिलती है, इससे शरीर में ऑक्सीजन की सप्लाई बेहतर तरीके से होती है, साथ ही हंसने से हमें एनर्जी भी मिलती है, जो हमारे शरीर से थकावट और सुस्ती को दूर करती है।(3) मुस्कुराने का सरल कार्य हमारे मस्तिष्क को एक संकेत भेजता है कि आप अच्छा महसूस करते हैं, और यदि हम अक्सर मुस्कुराते हैं , तो हमारा मस्तिष्क नकारात्मक विचारों के विपरीत सकारात्मक विचारों का एक पैटर्न तैयार करेगा (4) उत्पादकताा और रचनात्मकता को बढ़ाता है मुस्कुराने से एंडोर्फिन निकलता है, और इसी तरह जब उन्हें कसरत के दौरान छोड़ा जाता है, तो इस रिलीज के परिणामस्वरूप अधिक कुशल कार्य दर और उत्तेजित मस्तिष्क गतिविधि हो सकती है।(5) शोधकर्ताओं ने पाया कि मुस्कुराते हुए कई कार्यों को करते हुए हृदय गति और रक्तचाप में कमी आई है, यह दर्शाता है कि एक व्यक्ति अधिक आराम से है।

(6)तनाव कम करता है अध्ययनों से पता चला है कि जो लोग मुस्कुराते हैं वे तनावपूर्ण स्थितियों से अधिक तेज़ी से उबरने में सक्षम होते हैं। दिन भर में कई बार एक वास्तविक मुस्कान दिखाना अवास्तविक लग सकता है, लेकिन इसे नकली बनाने से वही परिणाम मिलते हैं।

(7)वैज्ञानिकों ने सिद्ध किया है कि मुस्कुराहट प्रतिरक्षा को मजबूत करती है क्योंकि यह आपके शरीर को तनाव को दूर करने की अनुमति देती है, जिससे कोशिकाएं कठोरता को छोड़ देती हैं और हमको बीमारी से लड़ने में अधिक सक्षम बनाती हैं।

साथियों बात अगर हम स्वयं को खुश रख कर मुस्कुराने की कला की करें तो, जीवन के प्रति हमारा दृष्टिकोण बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि हम परिस्थितियों को कैसे देखते और प्रतिक्रिया करते हैं।

उसकी अहमियत बताना भी ज़रूरी है

उसकी अहमियत है क्या, बताना भी ज़रूरी है !
है उससे इश्क़ अग़र तो जताना भी ज़रूरी है !!

अब काम लफ़्फ़ाज़ी से तुम कब तक चलाओगे !
उसकी झील सी आंखों में डूब जाना भी ज़रूरी है !!

दिल के ज़ज़्बात तुम दिल मे दबा कर मत रखो !
उसको देख कर प्यार से मुस्कुराना भी ज़रूरी है !!

उसे ये बारहा कहना वो कितना ख़ूबसूरत है !
उसे नग्मे मोहब्बत के सुनाना भी ज़रूरी है !!

किसी भी हाल में तुम छोड़ना हाथ मत उसका !
किया है इश्क़ गर तुमने, निभाना भी ज़रूरी है !!

सहर अब रूठना तो इश्क़ में है लाज़मी लेकिन !
कभी महबूब गर रूठे तो मनाना भी ज़रूरी है !!

शार्ट न्यूज

साइकिल मिस्त्री की सिर कूचकर बेरहमी से हत्या, गद्दे में लपेटकर फेंका शव

शाहजहांपुर। यूपी के शाहजहांपुर के तिलहर थाना क्षेत्र के गांव पिंगरा पिंगरी में मंगलवार रात एक साइकिल मिस्त्री की हत्या कर दी गई। उसका शव गद्दे में लिपटा हुआ उसकी दुकान से कुछ मीटर की दूरी पर बरामद किया गया। साइकिल मिस्त्री की हत्या सिर कुचलकर की गई।माना जा रहा है ईंट या पत्थर से उसका सिर कूचा गया।48 वर्षीय श्रीकृष्ण राठौर साइकिल मिस्त्री था और गांव के बाहर उसकी दुकान थी। मंगलवार रात में दुकान के बाहर वह चारपाई पर सो रहा था। बुधवार सुबह जब गांव के लोग उठे तो चारपाई से लगभग 5 मीटर की दूरी पर जमीन पर गद्दे में लिपटा हुआ श्रीकृष्ण का शव देखा। श्रीकृष्ण का सिर हमलावरों ने कुचल दिया था, जिससे उसकी मौत हो गई। दुकान के बाहर हत्या में प्रयुक्त ईंट भी बरामद होने की चर्चा है। श्री कृष्ण के साथ बच्चे हैं, जिनमें से तीन लड़की और एक लड़के की शादी हो चुकी है।

सामने से आ रहे डंपर ने टेंपो और बाइक सवार को मारी टक्कर, तीन की मौत, पांच घायल

हरदोई। यूपी के हरदोई जिले के हरपालपुर क्षेत्र में कटरा बिल्हौर हाईवे पर बुधवार को एक भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कुइयां खेड़ा गांव के निकट आज पूर्वान्ह यह हादसा उस समय हुआ जब डंपर ने टेंपो और बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में टेंपो सवार मां-बेटा और बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं हादसे में दस लोग घायल हो गए। घायलों को सीएचसी भिजवाया गया, जहां से पांच लोगों की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। उन्होंने बताया कि पाली क्षेत्र के रूपापुर चौराहा से एक टेंपो सवारियां लेकर हरपालपुर जा रहा था। कटरा बिल्हौर हाईवे पर हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र के कुइया खेड़ा गांव के निकट सामने से आ रहे डंपर ने टेंपो और एक बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में टेंपो पर सवार पाली क्षेत्र के ग्राम गांधिया मजरा मुडैर की मूर्ति देवी पत्नी मुंशी लाल यादव और उनके 12 वर्षीय पुत्र सचिन ने दम तोड़ दिया। वहीं बाइक सवार लोनार कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सौरंगपुर के सुखदेव पुत्र रामलाल की मौत हो गई। हादसे में भरखनी की सीता, नगरा बरसोहिया का टेंपो चालक ज्ञानेंद्र, बिछहीया पांडेपुर के सुरेश, लट्टूपुरा के अनूप, भरखनी के अवनीश, लमकन की गीता और मूर्ति देवी की पुत्री रागिनी, पुत्र प्रशांत समेत दस लोग घायल हो गए। घायलों को पुलिस ने सीएससी भिजवाया, जहां से टेंपो चालक ज्ञानेंद्र, टेंपो सवार सुरेश, रागिनी, प्रशांत समेत पांच लोगों की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल भेज दिया गया।

बड़ा हादसा टला : गाजीपुर में रेलवे ट्रैक पर गार्डर रखकर ट्रेन पलटने की कोशिश

गाजीपुर। गाजीपुर में मंगलवार की देर रात बड़ा ट्रेन हादसा टल गया। दानापुर मंडल के गहमर रेलवे स्टेशन के पश्चिम तरफ अराजकतत्वों ने अप रेलवे पटरी पर दो जगहों गार्डर रखकर ट्रेन को दुर्घटनाग्रस्त करने का प्रयास किया। संयोगवश डाउन लाइन में जा रही 13202 कुर्ला राजेंद्रनगर एक्सप्रेस ट्रेन के लोको पायलट की नजर अप रेलवे पटरी पर रखे गए गार्डर पर नजर पड़ी गई। लोको पायलट ने दानापुर रेल कंट्रोल के साथ गहमर स्टेशन को इसकी जानकारी दी। कंट्रोल ने अप संघमित्रा एक्सप्रेस ट्रेन को चौसा स्टेशन पर रोक दिया और आरपीएफ टीम गहमर पहुंच गई। गार्डर को अप रेल पटरी से हटाकर साजिश को विफल कर दिया गया। दिलदारनगर पोस्ट आरपीएफ में अज्ञात के खिलाफ रेलवे एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। सूचना पर मौके पर पहुंची दिलदारनगर आरपीएफ व गहमर के रेल पथ निरीक्षक विभागीय कर्मियो के सहयोग से गार्डर हटाया गया तब परिचालन शुरू हुआ। रेल पथ निरीक्षक उपेन्द्र कुमार ने बताया कि दिलदाननगर आरपीएफ़ थाना में अज्ञात के खिलाफ रेलवे एक्ट में मुकदमा दर्ज कर रेल अधिकारियों को जानकारी दी गयी है।

महिला ने बेटे-बहू के साथ मिलकर दो किशोरों को उतारा मौत के घाट

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक महिला ने अपने बेटे और बहू के साथ मिलकर कर दो किशोरों की चाकू और तेजधार हथियार से हत्या कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा हत्या का केस दर्ज कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस क्षेत्राधिकारी रुद्रपुर जिलाजीत ने बताया कि गौरी बाजार थाना अंतर्गत देवतहा चितई गांव के निवासी श्रीनिवास दुबई में नौकरी करते हैं। उन्होंने दो शादियां की हैं। पहली पत्नी कुसुम देवी से एक बेटा राजू और बहू अर्चना देवी है। वहीं, दूसरी पत्नी मनसा देवी के दो बेटे अजय (करीब 18) तथा अभिषेक (करीब 15) थे। बुधवार की सुबह करीब पांच बजे मनसा देवी अपने दोनों पुत्रों अजय और अभिषेक को चारपाई पर सोते हुए छोड़कर शौच के लिए खेत गई थी और जब वह वापस आई तो उसने अपने दोनों बेटों को बिस्तर पर मृत पड़े हुए देखा। पुलिस क्षेत्राधिकारी के अनुसार प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि हत्या की घटना को कुसुम, उसके बेटे राजू और बहू अर्चना ने अंजाम दिया है, तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि घटना स्थल से चाकू और तेजधार हथियार बरामद हुआ है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में मामला दर्ज कर पुलिस कानूनी कार्रवाई कर रही है।

दुष्कर्म के आरोपी को 10 साल की कैद

रायबरेली। उत्तर प्रदेश में रायबरेली की एक अदालत ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म और अपहरण के दोषी को 10 वर्ष की कैद और 25 हज़ार रुपये अर्थदंड की सजा दी है। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि 2012 से विचाराधीन नाबालिग के अपहरण और उसके साथ दुष्कर्म के अपराधी राजू लोध को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (पंचम) प्रभात कुमार श्रीवास्तव ने 10 वर्ष के कठोर कारावास और 25 हज़ार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। विशेष लोक अभियोजक वीरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि लालगंज निवासी युवक ने सलोन इलाके की एक नाबालिग लड़की का अपहरण कर लिया था और बाद में उसे पंजाब लेकर चला गया था, इस दौरान उसने नाबालिग के साथ कई बार दुष्कर्म किया। बाद में युवती ने अभियुक्त के खिलाफ मामला दर्ज कराया जिसके बाद सालों साल चले इस मुकदमे में तमाम सबूतों के आधार पर सक्षम न्यायालय ने अपराधी युवक को सख्त सजा सुना दी है।

बुंदेलखंड में सरकारी नलकूपों का होगा आधुनिकीकरण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार जल्द ही बुंदेलखंड में 239 सरकारी नलकूपों का आधुनिकीकरण करने जा रही है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि सिंचाई और जल संसाधन विभाग किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास में जुटा है। बहुत जल्द वो पूर्वांचल और बुंदेलखड के सात जिलों में 239 राजकीय नलकूपों का आधुनिकीकरण कराने जा रहा है। इन नलकूपों से पानी की कमी के समय नहरों में पानी की आपूर्ति की जाती है। उन्होने बताया कि प्रदेश सरकार ने किसानों के हित की योजनाओं को आगे बढ़ाते हुए सिंचाई के लिए उचित संसाधन मुहैया कराने पर भी जोर दिया है। सिंचाई और जल संसाधन विभाग को 100 दिनों की कार्ययोजना तैयार करने को दी गई है। योजना के तहत सबसे पहले गोरखपुर, बस्ती, अयोध्या, देवीपाटन मण्डलों में 135 राजकीय नलकूपों और कानपुर, झांसी, बांदा मण्डलों में 104 राजकीय नलकूपों का आधुनिकीकरण कराया जाएगा। जिससे 2395 हेक्टेयर क्षेत्रफल में सिंचाई के लिए भरपूर पानी मिलेगा और लगभग 2480 से अधिक किसान लाभान्वित होंगे। इस कार्ययोजना में गाजीपुर के अमौरा पम्प नहर एवं रायबरेली की खण्डीय कार्यशाला को भी आधुनिक संसाधनों से लैस किया जाएगा। विभाग अगले 06 महीनों में 61 जनपदों में 1101 राजकीय नलकूपों को रीबोर कराने की तैयारी भी कर रहा है। जिससे बड़ी संख्या में किसानों को अधिक से अधिक लाभ देकर उनकी खेती को बढ़ावा दिया जाए। गौरतलब है कि प्रदेश में सिंचाई के लिये उपयोग में आने वाले जल का 70 प्रतिशत भू-जल है।

सीएम योगी का बड़ा आदेश

30 सालों से बंद पड़े यूपी सरकार के ट्रेनिंग सेंटर्स को कराएं शुरू

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री सीएम योगी आदित्यनाथ इन दिनों सख्त दिखाई दे रहे हैं। बुंदेलखंड के बाद सीएम दो दिन के मेरठ के दौरे पर पहुंचे थे। इसके बाद वह लखनऊ पहुंचे और अफसरों को सख्त निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि एएनएम और जीएनएम के पिछले तीन दशकों से बंद पड़े राज्य सरकार के ट्रेनिंग सेंटर्स को फिर से शुरू किया जाए। शुरुआत में नौ जीएनएम व 34 एएनएम सेंटर्स को शुरू किया जाय। साथ ही मेडिकल कॉलेज/जिला अस्पतालों में भी ट्रेनिंग करवाई जाय। मुख्यमंत्री ने कहा कि सामुदायिक शौचालयों में स्वच्छता हो, अनावश्यक तालाबंदी न रहे। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि यातायात सड़क सुरक्षा जागरूकता के लिए सड़क सुरक्षा अभियान शुरू किया जाए। इसमें अंतर्विभागीय समन्वय हो। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिया कि मंडलीय भ्रमण से लौटे मंत्री समूहों की रिपोर्ट सभी विभागों को दी जाये और इस पर यथोचित कार्यवाही की जाय, यह भ्रमण जारी रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपातकालीन सेवा 108/102 के बेहतर संचालन व्यवस्था के लिए मंडलों का क्लस्टर तैयार किया जाए। इसका प्रजेंटेशन प्रस्तुत किया जाए।

अनावश्यक माइक भी हटा सकती है योगी सरकार, सीएम ने दिए संकेत

मेरठ से निकलने से पहले क्रांति दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि क्रांतिकारियों के सपने को यूपी साकार कर रहा है। यूपी ने दिखा दिया कि अनावश्यक माइक भी हट सकते हैं, लाउडस्पीकर हट सकते हैं और सड़कों पर नमाज नहीं हो सकती। मुख्यमंत्री ने कहाकि आयोजन कोई भी हो आम लोगों का आवागमन बाधित नहीं होने देंगे। करीब 67 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार सारी सुविधाएं देगी लेकिन लोक व्यवस्था बाधित नहीं होने देगी। 10 मई 1857 की 167वीं जयंती पर मेरठ आए योगी आदित्यनाथ ने शहीद स्मारक पर अमर जवान ज्योति पर माल्यार्पण किया। उन्होंने प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानी धन सिंह कोतवाल की प्रतिमा का अनावरण किया। मुख्यमंत्री बाबा औघड़नाथ मंदिर भी गए जहां से प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का शुभारंभ हुआ था। इस अवसर पर उन्होंने क्रांतिकारियों के परिजनों और सेनानियों को सम्मानित भी किया।

उप्र की नवगठित विधान सभा का पहला सत्र 23 मई से

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने राज्य की नवगठित विधान सभा का पहला सत्र आगामी 23 मई को आहूत किया है। विधान सभा सचिवालय की ओर से बुधवार को जारी बयान के अनुसार विधान मंडल के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को राज्यपाल, 23 मई को दिन में 11 बजे संबोधित करेंगी। गौरतलब है कि गत 10 मार्च को संपन्न हुए विधान सभा चुनाव के परिणामस्वरूप 11 मार्च 2022 को उत्तर प्रदेश की 18वीं विधान सभा का गठन हुआ।

नवगठित विधान सभा के पहले सत्र में योगी सरकार अपने दूसरे कार्यकाल का पहला बजट पेश करेगी। विधान सभा के प्रमुख सचिव प्रदीप कुमार दुबे की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि राज्यपाल ने संविधान के अनुच्छेद 176 (1) के अनुसरण में उप्र विधानमंडल के एक साथ समवेत दोनों सदनों को 23 मई को दिन में 11 बजे सभा मण्डप, विधान भवन में संबोधित करने का निश्चय किया है।

आगामी सत्र की तैयारियों को लेकर विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना ने बुधवार को सर्वदलीय बैठक भी बुलाई थी। इसमें सभी दलों के नेताओं को आगामी सत्र में दोनों सदन की कार्यवाही 'ई विधान सिस्टम' के जरिये संपन्न कराने की जानकारी दी गयी। महाना ने बताया कि इसका मकसद विधान सभा की कार्यवाही को पेपर लैस बनाना है। उन्होंने कहा कि सभी सदस्यों को नयी प्रणाली से अवगत कराने के लिये सत्र शुरु होने से पहले 21 और 22 मई को विधायकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया है।

इटावा में पुलिस अभिरक्षा से फरार कैदी कुछ ही देर में धरा गया

एजेंसी

इटावा। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले मे एक विचाराधीन कैदी पुलिस हिरासत से फरार हो गया मगर पुलिस कर्मियों की मुस्तैदी से उसे कुछ ही देर में हिरासत में ले लिया गया।

पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि कैदी रंजीत यादव को दो पुलिसकर्मी बस से बीती रात इटावा जिला कारागार मे दाखिल करने के लिए ला रहे थे। बस स्टैंड पर उतरने के बाद मालगोदाम के पास कैदी दोनों पुलिसकर्मियों को चकमा देकर के फरार हो गया। कैदी के फरार होने के बाद दोनों पुलिसकर्मी अचरज में पड़ गए और इधर उधर तलाश में जुट गए लेकिन विचाराधीन कैदी जिस कालोनी में घुसा वह बंद कालोनी थी इसलिए वह मौके से फरार होने में कामयाब नही हो सका है। कैदी के फरार होने की सूचना मिलने के बाद स्थानीय लोग भी दोनों पुलिसकर्मियों की मदद के लिए अपने अपने घरों से बाहर निकल आये।

रंजीत फिरोजाबाद जिले के सिरसागंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत नगला हिमायू का रहने वाला है। ऐसा कहा जाता है कि रंजीत का दिबियापुर क्षेत्र की किसी लड़की से 8 साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था और लड़की के ही बुलावे पर वह दिबियापुर गया हुआ था जहां पर पुलिस ने उसको गिरफ्तार कर लिया।

आजम खान पर और कसा शिकंजा, जौहर यूनिवर्सिटी पहुंची ईडी और राजस्व विभाग की टीम; जांच शुरू

रामपुर। समाजवादी पार्टी नेता आजम खान पर शिकंजा और कस गया है। बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और राजस्व विभाग की टीम जौहर विश्वविद्यालय पहुंची। ईडी आजम खान और अन्य के खिलाफ जमीन सम्बन्धी प्रकरणों की जांच कर रही है। इस मामले में ईडी की मदद के लिए तहसीलदार सदर ने नौ सदस्यीय टीम गठित कर दी है। बुधवार को टीम, मौका मुआइना के लिए जौहर विश्वविद्यालय पहुंची।

बता दें कि आजम खान, जौहर ट्रस्ट द्वारा संचालित मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के चांसलर भी हैं। वह बीते करीब 26 माह से सीतापुर की जेल में बंद हैं। उनके खिलाफ दर्ज विभिन्न मामलों में प्रवर्तन निदेशालय भी जांच कर रहा है। ईडी के डिप्टी डायरेक्टर ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर मौलाना मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी के चांसलर मोहम्मद आजम खान और अन्य के खिलाफ जमीन संबंधित प्रकरणों की रिपोर्ट तलब की है। डीएम ने इस संबंध तहसीलदार सदर को आदेश दिए तो तहसीलदार सदर प्रमोद कुमार ने नौ सदस्यीय टीम का गठन करते हुए जमीन संबंधित प्रकरणों की जांच और सत्यापन के लिए 11 मई को 11 बजे का समय नियत किया था।

राजस्व टीम में ये हैं शामिल

नौ सदस्यीय टीम में नायब तहसीलदार सदर शिव प्रकाश सरोज, प्रभारी राजस्व निरीक्षक दरबारी लाल शर्मा, प्रभारी राजस्व निरीक्षक संजय गंगवार, क्षेत्रीय लेखपाल प्रेमपाल, लेखपाल फतेहपाल, मुकेश, नरेशपाल सिंह, रवि कुमार और सत्येंद्र प्रकाश शर्मा है।

अमृत सरोवर योजना के तहत झांसी में शुरू हुआ 50 तालाबों पर काम

झांसी। उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी अमृत सरोवर योजना के तहत वीरांगनर नगरी झांसी में 50 तालाबों के जीर्णोद्धार का काम बुधवार से शुरू कर दिया गया। इस योजना के तहत जनपद में 75 अमृत सरोवरों का निर्माण कराये जाने का लक्ष्य है।

जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने विकासखंड बड़ागांव के ग्राम रौनीजा में विधि विधान पूर्वक मंत्रोच्चारण के साथ भूमि पूजन कर अमृत सरोवर का शुभारंभ किया। जिलाधिकारी ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत अमृत सरोवर योजना केन्द्र व प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। इन सरोवरों को बहुउद्देश्यीय स्वरूप में बनाया जाएगा। मानव जीवन का आधार जल है लेकिन धीरे-धीरे जलस्तर कम होता जा रहा है। जल स्तर को सामान्य बनाए रखने के लिए पूर्व में बने हुये तालाबों का जीर्णोद्वार अमृत सरोवर योजना के अर्न्तगत कराया जा रहा हैं, जिससे जनपद के भूगर्भ जल का संरक्षण व संवर्धन हो सके।

जिलाधिकारी ने अमृत सरोवर योजना के अतंर्गत तालाब के चारों ओर वृहद वृक्षारोपण कराने के निर्देश देते हुए कहा कि तालाब को रमणीय क्षेत्र भी बनाया जाना है अत: शोभा कार पौधों के साथ-साथ ऐसे पौधों कोई भी रोपण किया जाए जो वहां के केयर टेकर की आय का जरिया बने।

सीडीओ शैलेष कुमार ने बताया कि इस योजना के तहत जनपद में 75 अमृत सरोवर का निर्माण कराये जाने का लक्ष्य है आज जनपद में 50 तालाबों पर कार्य प्रारंभ कराया जा रहा है, जहां पर तालाब हैं, उन्हीं तालाबों का इस योजना के तहत जीर्णोद्धार कराया जायेगा तथा जहां पर बड़ा तालाब नहीं है वहाँ पर नये तालाब का निर्माण अमृत सरोवर के रूप में किया जायेगा।

तालाब के निर्माण कार्य में कच्चे कार्य महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के अंतर्गत मनरेगा मजदूरों से कराया जायेगा। जिसके लिए मानव दिवस सृजित किये जायेंगे। जिसमें एक मजदूर की दैनिक मजदूरी 213 रूपये देय है। पंचायत निधि (राज्य वित्त आयोग) से पक्के कार्य कराये जायेगें।

मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि इन तालाबों में अमृत सरोवर योजना के तहत तालाब के चारो ओर पाथ, ऊंची दीवार के साथ रैम्प सीढ़ी युक्त, आउट लेट व इन लेट व तालाब के चारो ओर तार के माध्यम से फेसिंग का कार्य कराया जायेगा। इसके अतिरिक्त बैठने के लिए बेंच और ध्वजारोहण के लिए भी एक पक्का स्थान बनाया जाएगा, जहां पर गणमान्य जनों द्वारा गणतंत्र दिवस स्वतंत्रता दिवस सहित अन्य समारोह पर ध्वजारोहण किया जा सके।

आगरा में बीएससी के दो पेपर लीक, पुलिस जांच में जुटी

एजेंसी

आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित आगरा कालेज में बुधवार को बीएससी तृतीय वर्ष के गणित व जंतुविज्ञान के पेपर लीक हो गए। परीक्षा शुरू होने के करीब 40 मिनट पहले ही ये पेपर कुछ छात्र-छात्राओं के मोबाइल फोन पर पहुँच गये। प्राचार्य ने इस मामले में पुलिस में तहरीर दी दी है। पुलिस कुछ संदिग्ध छात्र-छात्राओं से पूछताछ कर रही है। बीएससी तृतीय वर्ष का दूसरी पाली में जूलॉजी और गणित के पेपर थे। यह सुबह 11:30 बजे से शुरू होने थे। लेकिन, सुबह 10:40 बजे ही कुछ छात्र-छात्राओं के मोबाइल फोन पर ये पेपर पहुंच गये। कुछ छात्र कॉलेज के बाहर बैठकर उन्हें हल कर रहे थे कि तभी किसी ने इसकी सूचना प्राचार्य को दे दी। प्राचार्य ने प्रॉक्टोरियल बोर्ड को मौके पर भेजा। बोर्ड के सदस्यों ने वहां जाकर देखा तो छात्रों के मोबाइल फोन पर पेपर थे। इसके बाद एसपी सिटी और एडीएम सिटी को सूचना दी गई।

यूपी में प्राइमरी स्कूल होंगे स्मार्ट, रिमोट लर्निंग सिस्टम से होगी पढ़ाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को दुरूस्त करने की कवायद के तहत जल्द ही प्राइमरी स्कूलों को आधुनिक तकनीक से लैस किया जायेगा। इन स्कूलों में स्मार्ट क्लास और रिमोट लर्निंग सिस्टम से पढ़ाई की योजना पर तेजी से काम हो रहा है।

आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि पिछले पांच सालों में प्राइमरी स्कूलों की न सिर्फ दशा और दिशा बदली है, बल्कि स्कूलों में संसाधनों और सुविधाओं में भी इजाफा हुआ है। इसी कारण प्राइमरी स्कूलों में बच्चों का नामांकन डेढ़ करोड़ से साल दर साल बढ़ते हुए दो करोड़ के पास पहुंच गया है। और अब बच्चों को शुरूआत में ही तकनीक से जोड़ने के लिए स्कूलों में स्मार्ट क्लास होंगे और रिमोट लर्निंग सिस्टम से पढ़ाई होगी।

उन्होने बताया कि बेसिक शिक्षा के महत्व को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बजट वित्त वर्ष 2016-17 में 55,176 करोड़ रूपये से बढ़ाकर वित्त वर्ष 2021-22 में 63,455 करोड़ रूपये तक पहुंचाया है। इसके अलावा निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से 1,22,054 शिक्षकों की भर्ती की है। 2019 में मिशन प्रेरणा के रूप में लर्निंग आउटकम आधारित शिक्षण प्रक्रिया को अपनाया गया है और सभी स्कूलों में शिक्षण के लिए एनसीईआरटी गणित किट की उपलब्ध कराई गई है।

सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री खुद प्राइमरी स्कूलों में जाकर शिक्षा की गुणवत्ता परख रहे हैं। उन्होने चार अप्रैल को श्रावस्ती जिले में शैक्षिक सत्र 2022-23 में परिषदीय स्कूलों में बच्चों का नामांकन बढ़ाने के उद्देश्य से स्कूल चलो अभियान की शुरूआत की। प्राइमरी स्कूलों में बच्चों को तकनीकी से जोड़ने के लिए डिजिटल शिक्षा पर भी फोकस किया जा रहा है। साथ ही स्कूलों में स्मार्ट क्लास और रिमोट लर्निंग सिस्टम से भी पढ़ाई कराने पर विचार किया जा रहा है, ताकि शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित न हो और प्राइमरी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे भी कांवेंट स्कूलों के बच्चों को टक्कर दे सकें।

बदला बदला सा होगा इस बार उप्र विस का सत्र, पूरी कार्यवाही होगी लाइव

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के आगामी बजट सत्र के दौरान सदन का नजारा इस बार पहले की तुलना में कुछ बदला बदला सा होगा। ई-विधानसभा की दिशा में आगे बढ़ते हुए उप्र विधानसभा के आगामी सत्र की पूरी कार्यवाही का इस बार सीधा प्रसारण (लाइव टेलीकास्ट) होगा।

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में बुधवार को हुयी सर्वदलीय बैठक में ई विधानसभा के उपायों को लागू करने के प्रयासों में सभी सदस्यों की भागीदारी पर विचार विमर्श किया गया। इस दौरान आगामी सत्र में होने वाले बदलावों से भी सभी दलों के नेताओं को अवगत कराया गया। बैठक में सत्तापक्ष की ओर से राज्य के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना एवं मंत्री डा संजय निषाद के अलावा विपक्ष से कांग्रेस नेता अराधना मिश्रा 'मोना', सपा की तरफ से इकबाल महमूद, सुभासपा के नेता ओपी राजभर और बसपा से उमाशंकर सिंह मौजूद रहे।

आगामी 23 मई से आहूत विधानसभा के बजट सत्र की कार्यवाही का अब सभी प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक, ट्विटर, यू-ट्यूब और इंस्टाग्राम सहित अन्य सोशल मीडिया माध्यमों पर सदन की बैठक का लाइव प्रसारण प्रदेश की जनता देख सकेगी। बैठक में शामिल नेताओं को सूचित किया गया कि विधानसभा में नये तकनीकी बदलावों को अमलीजामा पहनाने के लिये उप्र विधानसभा में 'ई-विधान सिस्टम' को तैयार किया गया है। इसका मकसद विधायकों की सदन में नियमित भागीदारी को सुनिश्चित करना है। सदन की कार्यवाही का सीधा प्रसारण होने के कारण विधायक सदन में अपने आचरण के बारे में भी सतर्क रहेंगे। साथ ही जनता भी सदन में उनके आचरण से अवगत हो सकेगी।

ई विधान सिस्टम के तहत विधानसभा में हर विधायक की पूर्व निर्धारित सीट पर एक टैबलेट लगा होगा। सदन का प्रत्येक सदस्य टैबलेट के जरिये ई विधान सिस्टम पर लॉगिन करने के उपरांत ही सदन की कार्यवाही में शामिल हो पायेगा।

इतना ही नहीं सदन की बैठक को बाधारहित एवं सुचारू बनाने के लिये अगर सदन की कार्यवाही के बीच में कोई सदस्य अपनी सीट से दूसरी सीट पर जाकर बैठता है और कुछ बोलता भी है तो जिस विधायक के लिए निर्धारित सीट पर दूसरा सदस्य बैठा है, उसी विधायक का नाम डिस्प्ले बोर्ड पर दिखेगा।

नयी प्रणाली से सदन की बैठकों का सुचारु संचालन सुनिश्चित करने के लिये विधान भवन में एक कंट्रोल रूम भी होगा, जो डिजिटली इस प्रक्रिया को नियंत्रित करेगा और इस पर निगरानी भी रखेगा। बैठक में सभी सदस्यों को अवगत कराया गया कि राज्य की विधानसभा को पूरी तरह से 'पेपर लैस' करने की तैयारी है। गौरतलब है कि योगी सरकार के पहले कार्यकाल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर 'पेपर लैस बजट' पेश किया गया था।

विधानसभा सचिवालय ने आगामी 23 मई से आहूत बजट सत्र को आंशिक रूप से पेपर लैस बनाने की तैयारी की है। विधानसभा सचिवालय ने हालांकि, बजट सत्र के बाद वाला सत्र पूरी तरह से पेपर लैस करने का भरोसा दिलाया है।

योगी सरकार ने डिजिटल माध्यमों को बढ़ावा देने की नीति के तहत पिछले कार्यकाल में ही कैबिनेट की बैठक को पेपर लैस करने के बाद पिछली सरकार ने पेपरलेस बजट पेश करने की ओर भी कदम बढ़ा दिया था।

बैठक में बताया गया कि ई विधान सिस्टम से सभी विधायकों को अवगत कराने के लिये उनकी न सिर्फ़ ट्रेनिंग करायी गयी थी बल्कि उनको टैबलेट भी दिया गया था।

गाजियाबाद, नोएडा और लखनऊ में फेस मास्क लगाना अनिवार्य

लखनऊ। कोरोना टीकाकरण के वृहद अभियान से कोविड-19 संक्रमण का विस्तार घनी आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में बेहद कम है लेकिन इसके बावजूद एहतियात बरत रही सरकार ने संक्रमण वाले जिलों में सार्वजनिक स्थलों पर फेस मास्क लगाना अनिवार्य कर दिया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को टीम-09 की बैठक में कहा कि राज्य में अब तक कोविड टीके की 31 करोड़ 85 लाख डोज लगाई जा चुकी है जबकि 11 करोड़ 23 लाख से अधिक कोविड टेस्ट भी किए जा चुके हैं। 18 साल से अधिक उम्र की पूरी आबादी को टीके की कम से कम एक डोज लग चुकी है, जबकि 89.86 फीसदी वयस्क लोगों को दोनों खुराक मिल चुकी है। 15 से 17 आयु वर्ग में 95.85 प्रतिशत से अधिक किशोरों को पहली

खुराक मिल चुकी है और 69.80 फीसदी किशोरों को दोनों डोज लग चुकी है। 12 से 14 आयु वर्ग में 70 प्रतिशत से अधिक बच्चे टीकाकवर पा चुके हैं, इन्हें दूसरे डोज लगाया जाना भी शुरू हो चुका है।

उन्होने कहा कि ट्रैक, टेस्ट, ट्रीट और टीकाकरण की नीति के सफल क्रियान्वयन से उत्तर प्रदेश में कोविड पर प्रभावी नियंत्रण बना हुआ है। वर्तमान में प्रदेश में कुल 1432 एक्टिव केस हैं। इसमें 1374 लोग घर पर ही स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं। बीते 07 मई को प्रदेश में 2000 से अधिक एक्टिव केस थे। स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन सतर्कता जरूरी है।

पिछले 24 घंटे में पूरे प्रदेश में 179 नए केस की पुष्टि हुई, जिसमें, गौतमबुद्ध नगर में 56, गाजियाबाद में 37, लखनऊ में 21 नए केस शामिल हैं। इसी अवधि 231 लोग स्वस्थ भी हुए। जिन जिलों में केस अधिक मिल रहे हैं वहां सार्वजनिक स्थानों पर फेस मास्क लगाया जाना अनिवार्य है। इसे लागू कराएं। लोगों को जागरूक करें। टेस्ट की संख्या बढ़ाये जाने की जरूरत है।

नहीं थम रहा शेयर बाजार का गिरना

मुंबई। अमेरिका में महंगाई के जारी होने वाले आंकड़े पर फेड रिजर्व के ब्याज दर को लेकर रुख के इंतजार में वैश्विक बाजार में आई तेजी के बावजूद घरेलू शेयर बाजार के गिरने का सिलसिला आज भी नहीं थमा और इंडस्ट्रियल्स, आईटी, दूरसंचार, कैपिटल गुड्स और टेक समेत 15 समूहों में हुई बिकवाली से सेंसेक्स और निफ्टी आधे प्रतिशत की गिरावट पर रहे।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 276.46 अंक उतरकर 54088.39 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 72.95 अंक फिसलकर 16167.10 अंक पर आ गया। बीएसई की दिग्गज और मझौली कंपनियों के मुकाबले छोटी कंपनियों पर बिकवाली का दबाव अधिक रहा। इस दौरान मिडकैप 0.46 प्रतिशत कमजोर होकर 22,140.97 अंक वहीं स्मॉलकैप 2.23 प्रतिशत लुढ़ककर 25,495.92 अंक पर रहा।

इस दौरान बीएसई में कुल 3514 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2594 में गिरावट जबकि 801 में तेजी रही वहीं 119 के भाव स्थिर रहे। इसी तरह एनएसई में 28 कंपनियां लुढ़की जबकि 22 में बढ़त देखी गई।

बीएसई में वित्त, बैंकिंग, तेल एवं गैस और रियल्टी समूह की 0.92 प्रतिशत की मजबूती को छोड़कर शेष 15 समूहों में बिकवाली हावी रही। इस दौरान सीडीजीएस 1.04, इंडस्ट्रियल्स 1.39, आईटी 1.50, दूरसंचार 1.22, कैपिटल गुड्स 1.63, टेक 1.07, ऑटो 0.96 और एफएमसीजी समूह के शेयर 0.90 प्रतिशत टूटे।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेजी का रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 1.08, जर्मनी का डैक्स 1.03, जापान का निक्केई 0.18, हांगकांग का हैंगसेंग 0.97 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.75 प्रतिशत की मजबूती पर रहा।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 179 की तेजी के साथ 54,544.91 अंक पर खुला और लिवाली के दम पर थोड़ी देर बाद ही 54,598.55 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। हालांकि बिकवाली होने से यह दोपहर बाद 53,519.30 अंक के निचले स्तर तक फिसल गया। संभलने की कोशिशों के बावजूद अंत में यह पिछले दिवस के 54,364.85 अंक की तुलना में 0.51 प्रतिशत गिरकर 54,088.39 अंक पर रहा।

निफ्टी भी 30 अंक बढ़कर 16,270.05 अंक पर खुला और कारोबारी सत्र के दौरान 16,318.75 अंक के उच्चतम जबकि 15,992.60 अंक के न्यूनतम स्तर पर रहा। अंत में पिछले दिवस के 16,240.05 अंक के मुकाबले 0.45 प्रतिशत उतरकर 16,167.10 अंक पर आ गया।

इस दौरान सेंसेक्स की 20 कंपनियों के शेयर लुढ़के जबकि शेष 10 में तेजी रही। एलटी ने सबसे अधिक 2.34 प्रतिशत का नुकसान उठाया वहीं एक्सिस बैंक के शेयर सर्वाधिक 1.92 प्रतिशत की बढ़त में रहे। नुकसान उठाने वाली अन्य प्रमुख कंपनियों में एनटीपीसी 1.71, इंफोसिस 1.70, मारुति 1.70, आईटीसी 1.60, टेक महिंद्रा 1.47, विप्रो 1.39, रिलायंस 0.95 और टीसीएस 0.71 प्रतिशत शामिल रहीं।

एनएफएसएसएम एलायंस ने एसबीसीसी प्राइमर को किया पेश

नयी दिल्ली। एनएफएसएसएम एलायंस ने सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन प्राइमर को विकसित किया है, जिसे कचरा मुक्त शहरों के लिए राष्ट्रीय व्यवहार परिवर्तन संचार ढांचे को लॉन्च करते समय जारी किया गया।

आईईसी (सूचना, शिक्षा और संचार) उपकरणों से एसबीसीसी (सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन संचार) की ओर स्थानांतरित होने के सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप, एसबीसीसी प्राइमर समावेशी स्वच्छता परिणामों को हासिल करने के लिए व्यवहार परिवर्तन के कार्यान्वयन में सहायता करता है।

इस क्षेत्र में काम करने वाले और सरकारी मशीनरी पर लक्षित, प्राइमर शहरी स्वच्छता में लक्षित हितधारकों का मार्गदर्शन करने और उनकी क्षमता बढ़ाने के लिए केस स्टडीज पर आधारित वैज्ञानिक पद्धति का उपयोग कर एसबीसीसी के कार्यान्वयन का खाका तैयार करता है। प्राइमर में संचार रणनीतियों का उपयोग कर समाज को प्रभावित करने में बीसीसी मीडिया एक्शन के जमीनी अनुभव से प्राप्त जानकारी भी शामिल है।

एनएफएसएसएम एलायंस के को लीड कम्युनिकेशंस टास्कफोर्स डा. मालिनी रेड्डी ने कहा, हमें एसबीसीसी प्राइमर को लॉन्च करते हुए काफी प्रसन्ता हो रही है, जो संबंधित क्षेत्रों में अपेक्षित व्यवहार परिवर्तन लाने में कार्यकर्ताओं और सरकारी हितधारकों के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में काम करेगा। यह टूलकिट/प्राइमरी एसबीसीसी के सिद्धांतों और प्रक्रियाओं का वर्णन करेगा जो समय की कसौटी पर खरे उतर सकते हैं और किसी भी विषयगत मुद्दे के लिए उपयोग किए जा सकते हैं। इतना ही नहीं, यह कार्यक्रम को लागू करने वाले लोगों को एलायंस पार्टनर्स के जमीनी अनुभवों पर आधारित सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन संचार (एसबीसीसी) का एक दृष्टिकोण भी प्रदान करेगा।

शार्ट न्यूज

खाद्य तेलों में टिकाव; गुड़ और अरहर दाल महंगी

नयी दिल्ली। विदेशी बाजार में आए उबाल के बावजूद स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा वहीं मांग निलकने से गुड़ और अरहर दाल महंगी हो गई। तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मई वायदा 217 रिंगिट उबलकर 7170 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह अमेरिकी सोया तेल का मई वायदा 1.37 सेंट की तेजी लेकर 82.41 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे। गुड़-चीनी: मीठे के बाजार में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान गुड़ के भाव 100 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गए जबकि चीनी में स्थिरता रही। दाल-दलहन -दाल-दलहन के बाजार में भी लगभग टिकाव रहा। इस दौरान केवल अरहर दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हो गई वहीं चना, चना दाल, मसूर दाल, मूंग दाल और उड़द दाल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। अनाज : अनाज मंडी में स्थिरता रही। इस दौरान गेहूं और चावल के भाव स्थिर रहे। दाल-दलहन : चना 4600-4700, दाल चना 5600-5700, मसूर काली 8700-8800, मूंग दाल 8900-9000, उड़द दाल 9950-10050, अरहर दाल 8400-8500 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2300-2400 रुपये और चावल - 2550-2650 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़ : चीनी एस 3560-3670, चीनी एम. 3740-3840, मिल डिलीवरी 3440-3540 और गुड़ 3400-3500 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। खाद्य तेल :सरसों तेल 19341 रुपये, मूंगफली तेल 20879 रुपये, सूरजमुखी तेल 20879 रुपये, सोया रिफाइंड 19047 रुपये, पाम ऑयल 17582 रुपये और वनस्पति तेल 19047 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

कीमती धातुओं में तेजी

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कीमती धातुओं में रही तेजी के बल पर आज घरेलू स्तर पर भी इनकी कीमतों में तेजी रही। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना हाजिर 0.02 प्रतिशत की तेजी के साथ 1838.54 डॉलर प्रति औंस पर और अमेरिका सोना वायदा 0.22 प्रतिशत चढ़कर 1844 डॉलर प्रति औंस पर रहा। इस दौरान चाँदी 0.94 प्रतिशत की बढ़त के साथ 21.44 डॉलर प्रति औंस पर रही। देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में सोना 114 रुपये की बढ़त के साथ 50700 रुपये प्रति दस ग्राम पर और सोना मिनी 68 रुपये चढ़कर 50736 रुपये प्रति दस ग्राम पर रहा। चाँदी 539 रुपये की बढ़त के साथ 61157 रुपये प्रति किलोग्राम पर और चाँदी मिनी 471 रुपये बढ़कर 61441 रुपये प्रति किलोग्राम पर रही।

रुपया नौ पैसे चढ़ा

मुंबई। दुनिया की प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर में रही तेजी के बावजूद घरेलू स्तर पर अमेरिकी मुद्रा की मांग कमजोर पड़ने और डीलरों एवं बैंकरों द्वारा बिकवाली किये जाने के दबाव में आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया नौ पैसे चढ़कर 77.25 रुपये प्रति डॉलर पर रहा। पिछले सत्र में रुपया 77.34 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। रुपया आज 10 पैसे की मजबूती के साथ 77.24 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। सत्र के दौरान यह 77.31 रुपये प्रति डॉलर के निचले और 77.17 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर के बीच रहा। अंत में यह पिछले दिवस की तुलना में 09 पैसे की तेजी लेकर 77.25 रुपये प्रति डॉलर पर रहा।

कल्याण ज्वैलर्स का 2021-22 की चौथी तिमाही का शुद्ध लाभ घटा

मुंबई। देश में आभूषणों का कारोबार करने वाली कंपनी कल्याण ज्वैलर्स इंडिया का 31 मार्च 2022 को समाप्त हुयी तिमाही में समेकित शुद्ध लाभ हल्का गिरकर 72 करोड़ रुपये रहा। बिक्री आय में गिरावट के चलते लाभ पर असर पड़ा है। पिछले साल कंपनी को चौथी तिमाही में 74 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। कंपनी ने बुधवार को एक बयान में कहा कि जनवरी-मार्च 2022 तिमाही में उसका कुल राजस्व 6.54 प्रतिशत गिरकर 2,857 करोड़ रुपये रहा जोकि वर्ष 2021 की इसी तिमाही में 3,057 करोड़ रुपये था। कल्याण ज्वैलर्स इंडिया के कार्यकारी निदेशक रमेश कल्याणरमन ने कहा, चौथी तिमाही के लिए तुलना का आधार ऊंचा था। इसके अलावा इस तिमाही में आधे समय ओमिक्रॉन की लहर के कारण उसके विभिन्न शोरूम का परिचालन प्रभावित हुआ। इस तिमाही में यूक्रेन में भू-राजनीतिक स्थिति के संबंधित प्रभाव से सोने की कीमतों में अस्थिरता दिखायी दी। यह तिमाही हल्की गिरावट के साथ समाप्त हुयी पर हम कुल मिलाकर परिणाम से संतुष्ट हैं। कंपनी का पूरे वित्त वर्ष 2021-22 में समेकित शुद्ध लाभ 224 करोड़ रुपये रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष में यह 275 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी का राजस्व 26 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 10,818 करोड़ रुपये रहा। यह कंपनी का अबतक किसी भी वित्त वर्ष में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वित्त वर्ष 2020-21 में यह 8,573 करोड़ रुपये था। वर्तमान में कल्याण ज्वैलर्स के भारत के 21 राज्यों में 154 शोरूम हैं और कंपनी मध्य पूर्व के चार देशों में भी कारोबार कर रही हैं ।

जिंदल स्टेनलेस दिल्ली-मेरठ रैपिड ट्रेन के लिए देगी 2000 टन विशेष स्टील

नयी दिल्ली। स्टेनलेस स्टील निर्माता जिंदल स्टेनलेस दिल्ली और मेरठ के बीच भारत की पहली क्षेत्रीय तीव्र रेल परिवहन प्रणाली (आरआरटीएस) के लिए बनायी जा रही ट्रेनों के लिए एल्सटॉस इंडिया को विशेष किस्म के स्टेनलेस स्टील की आपूर्ति कर रही है। जिंदल स्टेनलेस ने बुधवार को एक बयान में बताया कि इस परियोजना के तहत जिंदल स्टेनलेस 210 ट्रेनों को तैयार करने के लिए एल्स्टॉम को 2जे फिनिश में विश्व-स्तरीय 301एलएन श्रेणी के 2000 टन स्टेनलेस स्टील की आपूर्ति करेगी। स्टेनलेस स्टील का उपयोग ट्रेन के लिए ढांचा, दीवार, छत और अन्य चीजों को बनाने में किया जाएगा। स्टेनलेस स्टील से बनी आरआरटीएस ट्रेन का वजन कम है और यह ट्रेन दुर्घटना के प्रति अधिक प्रतिरोधी क्षमता रखती है। आरआरटीएस की पहली ट्रेन हाल ही में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) को सौंपी गयी है। जिसका अनावरण भारत सरकार के आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव और एनसीआरटीसी के अध्यक्ष मनोज जोशी ने किया था। गौरतलब है भारत की पहली सेमी हाई-स्पीड रीजनल ट्रेन के तौर पर आरआरटीएस ट्रेन 180 किमी प्रति घंटा की गति से चलेंगी। इससे दिल्ली और मेरठ के बीच यात्रा का समय लगभग 40 प्रतिशत कम हो जाएगा।

अडानी की इस कंपनी के शेयरों ने फिर भरी उड़ान, 8 सत्रों की गिरावट के बाद लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली। लगातार आठ सत्रों की गिरावट के बाद आज अडानी विल्मर के शेयरों ने फिर से उड़ान भरी है। बुधवार 11 मई को दोपहर तक अडानी विल्मर के शेयर 5 फीसद के अपर सर्किट पर थे। आज भी अडानी विल्मर का शेयर एनएसई पर 5 फीसद की गिरावट के साथ 554.10 रुपये पर खुला। बाद में यह 5 फीसद के अपर सर्किट के साथ 612.40 रुपये पर पहुंच गया। इसके साथ ही अडानी विल्मर का मार्केट कैप बढ़कर 79,592 करोड़ रुपये हो गया। इस शेयर में एक महीने में 6.13 फीसद की तेजी आई है, लेकिन एक हफ्ते में इसमें 14.46 फीसद की गिरावट भी दर्ज हुई है। आज के सत्र से पहले, अडानी विल्मर के शेयर में पिछले आठ सत्रों में 30.61 फीसद की गिरावट आई थी। यह 28 अप्रैल, 2022 को अपने सर्वकालिक उच्च हिट से 295 रुपये या 33.59 फिसद तक फिसल गया। अडानी विल्मर लिमिटेड, अडानी समूह और सिंगापुर के विल्मर समूह के बीच एक संयुक्त उद्यम है। यह खाद्य तेल, गेहूं का आटा, चावल, दाल और चीनी के निर्माण में लगी हुई है। कंपनी लोकप्रिय ब्रांड फॉर्च्यून की भी मालिक है, जो भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाला खाद्य तेल ब्रांड है। बता दें 28 अप्रैल को अडानी विल्मर 878.00 रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, 8 फरवरी को 221 रुपये के लिस्टिंग मूल्य की तुलना में 297.44 फीसद की भारी वृद्धि हुई। विशेषज्ञों के मुताबिक अडानी विल्मर में मौजूदा स्तर से 20 फीसद से अधिक की तेजी देख रहा है। बता अडानी विल्मर इंटरनेशनल मार्केट में सबसे बड़ा पाम तेल आपूर्तिकर्ता है।

निप्पॉन पेंट इंडिया का रंगों के बादशाह अभियान

नयी दिल्ली। पेंट बनाने वाली कंपनी निप्पॉन पेंट इंडिया ने गैराज पेंटर समुदाय के उत्थान, रिवार्ड और उन्हें पहचान दिलाने एवं भारत के टॉप कार पेंटर की पहचान करने के लिए अखिल भारतीय कार्यक्रम रंगों के बादशाह अभियान की शुरूआत की है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि भारतीय ऑटोमोटिव बाजार में कार पेंटरों के लिए यह अपनी तरह की अनूठी पहल है। आठ महीने तक चलने वाली यह पहल आज लांच की गई और यह 14 जनवरी, 2023 को समाप्त होगी। इस कार्यक्रम का लक्ष्य देशभर में 10,000 से अधिक पेंटरों तक पहुंचना है। इस दौरान कौशल प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, लॉयल्टी लाभ और रिवार्ड एवं पहचान दी जाएगी और इसमें शीर्ष पुरस्कार के तहत एक टाटा टियागो कार दी जाएगी। देश के प्रत्येक हिस्से से पेंटरों को समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए कंपनी ने देश को 45 सिटी क्लस्टरों में बांटा है और प्रत्येक सिटी क्लस्टर के चैंपियन को एक मोटरसाइकिल उपहार में मिलेगी। कंपनी हजारों पेंटरों को दो लाख रूपये का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा भी उपलब्ध कराएगी। पेंटर समुदाय की भावी पीढ़ियों के लिए इस कंपनी ने मेरिट आधारित शिक्षा अनुदान की भी घोषणा की है जो 12,000 रूपये प्रति बच्चा प्रति वर्ष तक होगा।

मॉर्गन स्टेनली ने भारत की वृद्धि दर के अनुमान को घटाया

नयी दिल्ली। वैश्विक वृद्धि पर ईंधन की ऊंची कीमतों और भू-राजनैतिक तनावों के असर के बीच मॉर्गन स्टेनली ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के वृद्धि दर के अनुमान को 7.9 प्रतिशत से घटाकर 7.6 प्रतिशत कर दिया है।

वैश्विक वित्तीय सेवा फर्म मॉर्गन स्टेनली ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए भी वृद्धि दर अनुमान को भी घटाकर 6.7 प्रतिशत कर दिया है। इससे पहले उसने अगले वित्त वर्ष में भारत की वृद्धि दर 07 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था।

मॉर्गन स्टेनली ने भारत की मध्यावधिक अपनी इंडिया इकोनॉमिक्स मिड-ईयर आउटलुक रिपोर्ट में लिखा, हलांकि हमें भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर में चक्रिय सुधार के जारी रहने की उम्मीद है लेकिन पिछले अनुमान के मुकाबले इसकी दर थोड़ी हल्की रहेगी।

रिपोर्ट में कहा गया है,ईंधन की ऊंची कीमतों और धीमी वैश्विक वृद्धि के कारण हम वित्त वर्ष 2022-23 के लिए वृद्धि दर के पूर्वअनुमान को 7.9 प्रतिशत से घटाकर 7.6 प्रतिशत किया गया है और इसी के साथ हमने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए वृद्धि दर अनुमान को 07 प्रतिशत से घटाकर 6.7 प्रतिशत कर दिया है।

मॉर्गन स्टेनली को उम्मीद है कि सरकार वृद्धि दर को प्रभावित करने वाली इन परिस्थितियों का सामना करने के लिए अपनी तरफ से आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने के लिए कदम उठाएगी और कोविड महामारी के बाजारों के खुलने से भी आर्थिक गतिविधियों में तेजी को सहारा मिलेगा।

रिपोर्ट में अनुमान है कि भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) जून और अगस्त की बैठकों में रेपो दर 0.5-0.5 प्रतिशत ऊंची कर सकती है और दिसंबर 2022 तक रेपो दर के 06 प्रतिशत तक ले जाने के आसार हैं। गौरतलब है कि एमपीसी ने द्विमासिक बैठक से पहले ही पिछले दिनों रेपो 0.40 प्रतिशत बढ़ाकर 4.40 प्रतिशत कर दिया था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक वृद्धि में नरमी, जिसों की कीमतों में उछाल और वैश्विक पूंजी बाजारों में जोखिम से बचने से की प्रवृत्ति बढ़ने से भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि प्रभावित होने का खतरा बढ़ा है।

ई-कॉमर्स और सप्लाई चेन मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम का शुरु

नयी दिल्ली। टाइम्स प्रोफेशनल लर्निंग (टीपीएल) ने अपने टाइम्सप्रो के तहत आज रोजगारपरक लर्निंग प्रोग्राम ई-कॉमर्स और सप्लाई चेन मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम का शुभारंभ किया।

ई-कॉमर्स और सप्लाई चेन मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम शिक्षार्थियों को भारत के सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक में बेहतरीन कैरियर की तलाश करने के लिए आवश्यक ज्ञान, प्रशिक्षण और स्किल से भरपूर करेगा। बड़े पैमाने पर इंटरनेट और स्मार्टफोन के उपयोग के कारण टियर दो और तीन शहरों में ई-कॉमर्स सेवाओं की पहुंच ने कंपनियों में ऑपरेशनल रोल में प्रशिक्षित और कुशल पेशेवरों की मांग को बहुत ज्यादा बढ़ा दिया है।

टाइम्सप्रो ने ट्रेनिंग प्रोग्राम के पूरा होने पर अपने यहाँ से ट्रेनिंग लेने वालों को रोजगार प्रदान करने के लिए अमेजन, स्विगी, गोदरेज एंड बॉयस, डीटीडीसी, एफआर 8, एपीएमएल और एएजे एंटरप्राइजेज जैसी जानीमानी कंपनियों के साथ भागीदारी की है।

टाइम्स प्रोफेशनल लर्निंग के मुख्य विकास और साझेदारी अधिकारी परीक्षित मार्कंडेय ने कहा, ई-कॉमर्स और सप्लाई चेन उद्योग में तेजी से वृद्धि हुई है - यह सभी क्षेत्रों में जबरदस्त रोजगार पैदा करेगा और देश के सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण योगदान देगा। तकनीक-आधारित कई इन्नोवेशन ने कुशल कर्मियों के लिए बड़े पैमाने पर अवसरों को बढ़ावा दिया है जिससे ऐसे कार्यबल की मांग बढ़ गई है। इस प्रोग्राम के माध्यम से, हम अपने शिक्षार्थियों को नए जमाने और उद्योग के लिए तैयार कौशल से भरपूर करने का लक्ष्य रखते हैं ताकि कौशल की मांग को पूरा किया जा सके और हमारे कंपनी भागीदारों के साथ मिलकर रोजगार प्रदान किया जा सके।

ई-कॉमर्स और सप्लाई चेन मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम अन्य विषयों सहित ई-कॉमर्स ऑपरेशंस, ईआरपी, सप्लाई चेन एनालिटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग, ब्लॉकचेन, आरएफआईडी, और ड्रोन टेक्नोलॉजी पर प्रकाश डालता है। डायरेक्ट-टू-डिवाइस मोड के माध्यम से अत्याधुनिक टीपीएल प्लेटफॉर्म पर शिक्षा दी जाएगी और इसमें वर्चुअल लाइव क्लासरूम, ई-लर्निंग मॉड्यूल, जानेमाने ट्रेनर और कंपनियों के एक्स्पर्ट द्वारा लाइव डेटा-आधारित प्रोजेक्ट शामिल हैं।

महिलाओं के लिए 'रहो चार कदम आगे' अभियान लॉन्च

नयी दिल्ली। उपभोक्ता उत्पाद बनाने वाली कंपनी आईटीसी लिमिटेड ने महिलाओं के कौशल संवर्धन के साथ उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम बनाने के और उनके रोजगार को आगे बढ़ाने में मदद करने के उद्देश्य से ऑनलाइन मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट और हुनर ऑनलाइन कोर्सेस के सहयोग से रहो चार कदम आगे अभियान की आज घोषणा की।

कंपनी ने यहां कहा कि उसके पैकेज्ड आटा ब्रांड आशीर्वाद ने आज एक विशेष अभियान, 'रहो चार कदम आगे' की घोषणा की है। इस अभियान का उद्देश्य गृहणियों के कौशल को बढ़ाते हुए उनकी सहज आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम बनाना है और उनके रोजगार को आगे बढ़ाने में मदद करना है।

महिलाओं को आधुनिक कौशल से लैस करने और उन्हें अपनी उद्यमशीलता यात्रा शुरू करने में मदद करने के लिए एक ऑनलाइन शिक्षण मंच, हुनर ऑनलाइन कोर्सेज़ के साथ भागीदारी की है।

डीएचएल सप्लाई चेन के इंडिया फुलफिलमेंट नेटवर्क का विस्तार

नयी दिल्ली। कॉन्ट्रैक्ट लॉजिस्टिक्स कंपनी डीएचएल सप्लाई चेन ने अहमदाबाद, मुंबई और दिल्ली में अपने इंडिया फुलफिलमेंट नेटवर्क (आईएफएन) का विस्तार किया है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि बेंगलुरु के पहले फुलफिलमेंट नेटवर्क को मिली सफलता के बाद अब देश के इन तीन प्रमुख शहरों में इसका विस्तार किया गया है। यह सेक्टर के लिये अपने बुनियादी ढांचे और सेवाओं के विस्तार द्वारा भारत के ईकॉमर्स परितंत्र की वृद्धि पर कंपनी के ध्यान के अनुरूप है। डीएचएल सप्लाई चेन ने इंडिया फुलफिलमेंट नेटवर्क के माध्यम से अब तक क्षमता निर्माण में 25 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश किया है। उसने कहा कि आईएफएन को बी2सी फुलफिलमेंट की प्रक्रिया आसान बनाने के लिये तैयार एक लॉन्च पैड के रूप में डिजाइन किया गया है। यह विभिन्न सेक्टरों के उद्यमों के लिये एक संपूर्ण डिग्री आपूर्ति श्रृंखला समाधान है, जो उन्हें एक पूरी तरह से ऑनलाइन बाजार के परिदृश्य में अपने फुलफिलमेंट सम्बंधी परिचालन को अबाध तरीके से प्रबंधित करने की अनुमति देता है।

पेट्रोल-डीजल के दाम 35वें दिन भी स्थिर

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश में तेल विपणन कंपनियों ने बुधवार को 35वें दिन भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोमवार को 110 डॉलर प्रति बैरल की कीमत को पार कर चुकी कच्चे तेल की कीमतों में आज हल्की नरमी दिखी।

सार्वजनिक क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के अनुसार दिल्ली में पेट्रोल 105.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 96.67 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रहा। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 120.51 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 104.77 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है।

यूक्रेन तथा रूस के बीच जारी जंग से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में घट-बढ़ जारी है। अंतरराष्ट्रीय लंदन ब्रेंट क्रूड आज 1.76 प्रतिशत चढ़कर 104.34 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 1.83 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 101.52 डॉलर प्रति बैरल की कीमत पर कारोबार कर रहा है।

देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें 137 दिन की स्थिरता के बाद गत 22 मार्च से बढ़नी शुरू हुई थीं। कंपनियों ने 45 दिन में 14 बार पेट्रोल और डीजल के दामों में वृद्धि की। इस दौरान इनके दामों में करीब 10 रुपये प्रति लीटर की तेजी आयी है। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

देश के चार बड़े महानगरों में पेट्रोल और डीजल के दाम

महानगर	पेट्रोल	डीजल (रुपए प्रति लीटर)
दिल्ली	105.41	96.67
कोलकाता	115.12	99.83
मुंबई	120.51	104.77
चेन्नई	110.85	100.94

डिजिटल प्रौद्योगिकी, आपूर्ति श्रृंखला का संतुलन, प्रतिभा, स्वास्थ्य भविष्य के लिए महत्वपूर्ण : चंद्रशेखरन

नयी दिल्ली। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने बुधवार को कहा कि महामारी, भू-राजनीतिक तनाव और युद्ध के साथ-साथ समाज के विभिन्न वर्गों के बीच बढ़ती असमानता जैसी चुनौतियों को देखते हुए डिजिटलीकरण को अपनाने, आपूर्ति श्रृंखला का पुनर्संतुलन, विकास के स्वास्थ्य मार्ग, स्वास्थ्य देखभाल और वैश्विक प्रतिभा पूल, इन पांच क्षेत्रों के रुझानों से अर्थव्यवस्थाओं और कारोबार का भविष्य तय होगा।

टाटा उद्योग घराने की कंपनियों की धारक कंपनी टाटा संस लि. के प्रमुख श्री चंद्रशेखरन ने कंपनियों को ऊंची छलांग लगाने और देश की विविध समस्याओं को हल करने में मदद करने के लिए डिजिटल तकनीकों को अपनाने का सुझाव दिया। उन्होंने इस संदर्भ में कृत्रिम मेधा (एआई), क्लाउड और डेटा के उपयोग को विशेष रूप से महत्वपूर्ण बताया।

भविष्य के लिए तैयार कंपनियां विषय पर भारतीय उद्योगमंडल सीआईआई द्वारा आयोजित सम्मेलन में उन्होंने आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्संतुलन के मामले में दक्षता से ज्यादा जुझारूपन या मजबूती को अधिक महत्वपूर्ण बताया । उन्होंने कहा कि इस तरह का संतुलन भारत को व्यापार की दुनिया में नेतृत्व की स्थिति ग्रहण करने का अवसर प्रदान करेगा। भारत वर्तमान में अधिकांश देशों की तुलना में तेज गति से वृद्धि कर रहा है और मुद्रास्फीति उन्नत देशों से काफी नीचे है।

विकास की स्वस्थ राह के महत्व पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने का दबाव बढ़ेगा और कंपनियों को ईवी, ग्रीन हाइड्रोजन, स्टोरेज बैटरी, सर्कुलर इकोनॉमी, जल दक्षता, आदि अपनाने की दिशा में बदलाव के लिए मदद दिए जाने के विचार को जबरदस्त समर्थन मिलेगा।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में कर्मचारियों के स्वास्थ्य और कल्याण के साथ-साथ कार्यस्थलों पर सुरक्षा और सुविधा का ध्यान देना कंपनियों की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रतिभा और कौशल को भविष्य में औपचारिक शैक्षणिक योग्यता से भी ज्यादा मान और महत्व मिल सकता है। प्रौद्योगिकी और रोबोटिक्स की ओर बदलाव के साथ सभी उद्योगों के लिए प्रतिभा के बाजार का ढांचा बदल जाएगा और नयी चुनौती के बीच वैश्विक बाजार से प्रतिभाओं को आकर्षित किया जाएगा।

चंद्रशेखरन ने आगे उल्लेख किया कि ऐसे समय जिसमें भारत के तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरने की परिकल्पना की गई है, यह महत्वपूर्ण है कि समाज के सभी वर्ग विकास के फल में भागीदार बन सकें।

उन्होंने स्वस्थजीवन शैली की जरूरत पर भी बल दिया और कहा कि जीवन की बुनियादी गुणवत्ता का आनंद सभी को लेना चाहिए पर साथ ही, स्वस्थ विकास के लक्ष्य को पूरा करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इन लक्ष्यों का आपस में कोई विरोध लक्ष्य नहीं हैं , इन्हें अनुसंधान एवं विकास और नवाचार के माध्यम से साथ साथ पूरा किया जा सकता है।

टाटा ने पेश की नयी नेक्सॉन ईवी

नयी दिल्ली। देश में कार विनिर्माण की प्रमुख कंपनियों में से एक टाटा मोटर्स ने बुधवार को भारत के सबसे ज्यादा बिकने वाले ईवी वाहन नेक्सॉन ईवी का नया मॉडल नेक्सॉन ईवी मैक्स पेश किया।

नेक्सॉन ईवी मैक्स एक बार चार्ज करने पर 437 किलोमीटर तक की यात्रा तय कर सकती है और देशभर में इसकी एक्स-शोरूम कीमत 17.74 लाख रुपये है। यह गाड़ी नौ सेकंड के अंदर 0-100 किलोमीटर की रफ्तार पकड़ लेती है।

टाटा मोटर्स ने एक बयान में कहा कि कंपनी इलेक्ट्रिक वाहनों की अकांक्षा बढ़ाने और एक शहर से दूसरे शहर की लंबी यात्रा करने वाले ईवी की तलाश करने वाले ग्राहकों के लिए एक नई पेशकश के साथ बाजार का विस्तार करने का नेतृत्व कर रहा है।

नयी नेक्सॉन ईवी मैक्स उच्च वोल्टेज वाली जिपट्रोन तकनीक पर आधारित है।

यह कार नेक्सॉन ईवी मैक्स एक्सजेड प्लस और नेक्सॉन ईवी मैक्स एक्सजेड प्लस लक्स नाम से दो मॉडलों में आती है। नेक्सॉन ईवी मेक्स इंटेंसी-टील रंग, डायटोना ग्रे और प्रिस्टीन वाइट जैसे तीन रंगों उपलब्ध होगी।

टाटा मोटर्स के अनुसार नेक्सॉन ईवी मैक्स 3.3 किलोवाट चार्जिंग और 7.2 किलोवाट एसी तेज चार्जिंग के दो विकल्पों के साथ आती है। 7.2 किलोवाट एसी तेज चार्जर को घर और दफ्तर में लगाया जा सकता है जिससे गाड़ी 6.5 घंटे में चार्ज हो जाएगी। यह गाड़ी किसी भी 50 किलोवाट डीसी तेज चार्जर से 0-80 प्रतिशत 56 मिनट में चार्ज होगी।

नेक्सॉन ईवी मैक्स में 3 ड्राइविंग मोड्स, इको, सिटी और स्पोर्ट्स है। अपग्रेड की हुई जेडकनेक्ट 2.0 कनेक्टेड कार तकनीक के साथ 8 नए फीचर्स उपभोक्ताओं को मिलते हैं। जेडकनेक्ट ऐप 48 कार से जुड़ी विशेषताएं प्रदान करता है, जिससे इस चलाने का गहराई से विश्लेषण करने और गाड़ी में आई किसी खराबी का पता लगाने में मदद मिलती है।

नेक्सॉन ईवी मैक्स में यात्रियों की सुरक्षा को बढ़ाने के लिए कई सिक्युरिटी सुविधाएं जोड़ी गयी हैं, जिसमें ईएसपी, आई-वीबीएसी (इंटेलिजेंट-वैक्यूम लेस बूस्ट एंड एक्टिव कंट्रोल), हिल होल्ड, हिल डीसेंट कंट्रोल, ऑटो ?हीकल होल्ड के साथ इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक और सभी 4-डिस्क ब्रेक शामिल हैं।

टाटा मोटर्स में हम देश में यातायात के साधनों का तेजी से इलेक्ट्रिफिकेशन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम उपभोक्ताओं से मिल रहे जबरदस्त प्रतिक्रिया के लिए आभारी हैं। उपभोक्ताओं को केंद्र में रखते हुए हम नियमित अंतराल पर जल्दी-जल्दी नए प्रॉडक्ट्स पेश करने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं।

उन्होंने कहा, हम नेक्सॉन ईवी मैक्स लॉन्च कर काफी उत्साहित हैं। यह एसयूवी इलेक्ट्रिक वाहन के सभी उपभोक्ताओं को नियमित रूप से लंबी दूरी के सफर के लिए ज्यादा से ज्यादा (मैक्स) आजादी देती है। यह एसयूवी ज्यादा किलोमीटर सीमा और ऊर्जा के साथ उपभोक्ताओं को तेजी से अपने इलेक्ट्रिक वाहन को चार्ज करने का भी मौका देती है।

शार्ट न्यूज

होंडा के राइडर सार्थक चवन ने थाईलैण्ड टैलेंट कप में बनाया इतिहास

चैंग इंटरनेशनल सर्किट (बुरीराम)। असली रेसिंग जुनून का प्रदर्शन और अन्तर्राष्ट्रीय धरती पर भारत का नाम रौशन करते हुए होंडा रेसिंग इंडिया के राइडर सार्थक चवन ने थाईलैण्ड टैलेंट कप 2022 के दूसरे राउण्ड में पोडियम फिनिश कर नया रिकॉर्ड बनाया है। यह होंडा रेसिंग इंडिया के इतिहास में पहली बार हुआ है कि एक भारतीय राइडर ने उल्लेखनीय जीत हासिल की है।पिछले सप्ताहान्त बुरीराम (थाईलैण्ड) के चैंग इंटरनेशनल सर्किट में अपने राइडिंग कौशल को दर्शाते हुए पुणे के 15 वर्षीय राइडर ने राउण्ड की दूसरी रेस में ग्रिड से 12वें पॉज़िशन से शुरूआत करने के बाद शानदार प्रदर्शन देते हुए जल्द ही टॉप 5 में अपना रास्ता बनाया। गीली परिस्थितियों के बीच प्रतिस्पर्धा के दौरान एशिया के बेहतरीन राइडरों के साथ कड़ा मुकाबला करते हुए सार्थक ने तीसरे स्थान पर रेस फिनिश की। वह रेस लीडर से मात्र 0.583 सैकण्ड पीछे रहे। सार्थक की टीम के साथी 16 वर्षीय कवीन क्विंटल ने भी रेस के दौरान आत्मविश्वास से भरपूर युवा भारतीय राइडर का परिचय दिया। 16 राइडरों के ग्रिड पर 15वें पॉज़िशन से शुरूआत करने के बाद चेन्नई के इस राइडर ने अच्छी बढ़त ली और पहले ही लैप में 5 राइडरों को ओवरटेक कर गए। यहां से रेस 2 के अंत तक कवीन ने कड़ा मुकाबला जारी रखा और कुल 29्50.642 के लैप टाईम के साथ नौवें पॉज़िशन पर रेस फिनिश की।

चोट के कारण आईपीएल 2022 से बाहर हो सकते हैं जडेजा

मुम्बई। चेन्नई सूपरकिंग्स (सीएसके) के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा के लिए आईपीएल 2022 बहुत अच्छा नहीं रहा है। सीज़न की शुरुआत में कप्तान चुने गये जडेजा ने टीम के ख़राब प्रदर्शन के कारण पहले कप्तानी छोड़ी और अब वह चोट के कारण बाकी टूर्नामेंट से बाहर होने के कगार पर हैं। रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु (आरसीबी) के ख़िलाफ़ मैच के दौरान फ़ील्डिंग करते हुए जडेजा चोटिल हो गये थे, जिसके कारण उन्हें दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के ख़िलाफ़ अगले मैच से बाहर कर दिया गया था। पिछले दो दिनों में जडेजा की चोट की निगरानी कर पाया गया कि उसमें सुधार नहीं हुआ है, जिसके बाद गुरुवार को होने वाले चेन्नई बनाम मुंबई मुकाबले में टीम उनकी चोट के साथ रिस्क नहीं लेना चाहेगी। इसका मुख्य कारण यह है कि यदि आरसीबी या राजस्थान रॉयल्स में से कोई भी टीम अपना अगला मैच जीत जाती है तो वह 16 पॉइंट पर पहुंच जाएगी, जिसके साथ ही सीएसके भी टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। अब तक खेले गये 11 में से सिर्फ चार मैच जीतने वाली चेन्नई अगर अपने बाकी मैच जीत भी जाती है तो वह सिर्फ 14 पॉइंट तक ही पहुंच पाएगी। दूसरी तरफ़ गुजरात और लखनऊ ने अपने-अपने 12 मैचों में पहले ही क्रमश 18 और 16 अंक अर्जित कर लिये हैं। ऐसे में मुमकिन है कि सीएसके जडेजा को आईपीएल 2022 के बाकी मैच न खिलाए।

पूर्व इंग्लैंड क्रिकेटर ग्राहम थॉर्प की हालत गंभीर

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज़ ग्राहम थॉर्प गंभीर रूप से बीमार हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इंग्लैंड के प्रोफ़ेशनल क्रिकेटर्स एसोसिएशन (पीसीए) ने यह जानकारी दी। 52 वर्षीय थॉर्प ने 1993 से 2005 के बीच इंग्लैंड के लिए 100 टेस्ट खेले हैं और 44.66 के औसत और 16 शतक के साथ 6744 रन बनाए हैं। इंग्लैंड में लगभग एक दशक कोचिंग करने के बाद उन्हें हाल ही में अफ़ग़ानिस्तान पुरूष क्रिकेट टीम का मुख्य कोच बनाया गया था। पीसीए ने थॉर्प के परिवार के अनुरोध पर एक प्रेस स्टेटमेंट जारी करते हुए कहा, वह गंभीर रूप से बीमार हैं और फ़िलहाल अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। हालांकि उन्हें अभी कौन सी बीमारी हुई है, उसका निदान नहीं हो पाया है। डायग्नोसिस चल रहा है। हम उनके और उनके परिवार के लिए प्रार्थना करते हैं और चाहते हैं कि परिवार को थोड़ी निजता भी दी जाए। थॉर्प के कॉउंटी क्लब सरे ने इस स्टेटमेंट में जोड़ा है, हमारी प्रार्थना थॉर्प और पूरे परिवार के साथ है। वह इंग्लिश क्रिकेट के आइकॉन हैं। क्रिकेट फ़ैंस उन्हें सरे क्रिकेट के सबसे प्रिय बेटे के रूप में भी जानते हैं।

तिरुवनंतपुरम 78 स्वर्ण के साथ पहले केरल गेम्स का ओवरआल चैंपियन बना

तिरुवनंतपुरम। केरल गेम्स का पहला संस्करण समाप्त हो गया। इससे केरल में खेलों को नई गति मिली, जो कोविड-19 महामारी के कारण धीमा पड़ गया था। तिरुवनंतपुरम जिला 78 स्वर्ण, 67 रजत और 53 कांस्य सहित 198 अंकों के साथ पहले केरल गेम्स का ओवरआल चैंपियन बना। एर्नाकुलम जिला 39 स्वर्ण, 38 रजत और 30 कांस्य सहित 107 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। इसी तरह कोझिकोड जिला 26 स्वर्ण, 17 रजत और 21 कांस्य पदक के साथ 64 अंक लेकर तीसरे स्थान पर रहा। केरल ओलंपिक संघ द्वारा आयोजित पहले केरल गेम्स में 24 श्रेणियों में प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थीं। पहले केरल गेम्स ने 7000 से अधिक एथलीटों के लिए नए रास्ते खोले। समापन सत्र का उद्घाटन राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने निशागंधी सभागार में किया। राज्यपाल ने कामना की कि केरल गेम्स के विजेता ओलंपिक सहित भविष्य में अंतरराष्ट्रीय पदक जीतें। राज्यपाल ने केरल स्कूल गेम्स में 30 उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को गोद लेने के ओलंपिक संघ के निर्णय की सराहना की। केरल गेम्स का खेल के इतिहास में एक नए अध्याय के साथ समापन हुआ। राज्यपाल ने उम्मीद जताई कि सरकार एथलीटों के सामने आने वाले वित्तीय संकट को दूर करने के लिए हर हाल में कदम उठाएगी। समारोह को संबोधित करते हुए लोक शिक्षा एवं श्रम मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने कहा कि राज्य सरकार ने खिलाड़ियों के सामने आ रहे आर्थिक संकट को संज्ञान में लिया है और इन्हें दूर करने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

ब्रिस्बेन हीट ने क्रिस लिन को कहा अलविदा

ब्रिसबेन। ऑस्ट्रेलियाई विस्फोटक बल्लेबाज़ क्रिस लिन का बिग बैश लीग (बीबीएल) की फ्रैंचाइज़ी ब्रिस्बेन हीट के साथ 11 साल का सफ़र बुधवार को ख़त्म हो गया। टीम ने एक बयान जारी कर कहा, हीट ने यह पुष्टि की है कि 32 वर्षीय बल्लेबाज़ को बीबीएल-12 के लिए डील प्रस्तुत नहीं की जाएगी। ब्रिस्बेन हीट के लिये सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले लिन ने बीबीएल-11 में टीम के लिए अपने 3000 रन पूरे किये थे। वह बीबीएल में 100 मैच खेलने वाले चौथे और एक ही टीम के लिए 100 मैच खेलने वाले पहले खिलाड़ी भी हैं। क्वीन्सलैंड क्रिकेट और ब्रिस्बेन हीट के सीईओ टेरी स्वेनसन ने कहा, यह फैसला हीट के लिए आसान नहीं रहा। क्रिस लिन और उनकी उपलब्धियों ने टीम पर एक अमिट प्रभाव छोड़ा है। पिछले एक दशक में उनके प्रयासों ने क्रिकेट को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है।

हार्दिक पांड्या अब तक इस सीज़न के सर्वश्रेष्ठ कप्तान हैं : हरभजन सिंह

मुम्बई। गुजरात टाइटंस को डेब्यू सीज़न में ही प्लेऑफ़ में जगह दिलाने वाले कप्तान हार्दिक पांड्या की हरभजन सिंह और सुनील गावस्कर जैसे पूर्व क्रिकेटरों ने जमकर तारीफ़ की है। पूर्व ऑफ़ स्पिनर हरभजन ने उन्हें अब तक इस सीज़न का सर्वश्रेष्ठ कप्तान बुलाया है जबकि पूर्व भारतीय कप्तान गावस्कर के अनुसार उनकी कप्तानी में हर गेम में सुधार हो रहा है। मंगलवार को लखनऊ सुपर जायंट्स पर 62 रनों की जीत के साथ गुजरात के इस सीज़न 12 मैचों में 18 अंक हो गए और हार्दिक के शूरवीर आईपीएल 2022 के प्लेऑफ़ में अपनी जगह पक्की करने वाली पहली टीम बने। स्टार स्पोर्ट्स से बात करते हुए पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ मैथ्यू हेडन ने कहा, अच्छे क्रिकेटर और अच्छे कप्तान की यही निशानी होती है कि वह बड़े मौक़ों पर अपना सर्वश्रेष्ठ दें और हार्दिक के साथ ऐसा ही हो रहा है। मैं उनकी ऊर्जा और उत्साह से ख़ासा प्रभावित हुआ हूं। हार्दिक जब गुजरात के कप्तान नियुक्त हुए थे तो इस फ़ैसले पर कुछ चर्चा ज़रूर हुई थी क्योंकि चोटिल होने के कारण वह कई महीनों तक उच्च स्तरीय क्रिकेट से बाहर थे।

मुंबई इंडियंस अगले सीजन में 'सब कुछ ठीक' कर देगी: ईशान किशन

मुम्बई। आईपीएल 2022 के सबसे महंगे खिलाड़ी ईशान किशन ने वादा किया है कि आईपीएल 2022 के प्लान के अनुरूप नहीं जाने बाद मुंबई इंडियंस अगले सीजन में सब कुछ ठीक कर देगी।

किशन ने बुधवार को कहा, तो अभी मेरा ध्यान सिर्फ अच्छी शुरुआत देने और यह सुनिश्चित करने पर है कि मैं आसानी से आउट न हो जाऊं। और अगर मैं विकेट पर जमा हुआ बल्लेबाज हूं, तो मैं यह सुनिश्चित कर रहा हूं कि मुझे मैच खत्म करने के के बारे में सोचना है।

किशन ने यह भी वादा किया कि मुंबई इंडियंस अगले सत्र में सब कुछ सही कर लेगी। किशन ने कहा, उतार-चढ़ाव इस खेल का एक हिस्सा हैं। हां, हम मैच हारेंगे, ऐसे भी मैच होंगे-जहां हम अच्छा नहीं खेल पाएंगे लेकिन हमारे लिए जो सबसे अधिक मायने रखता है हम पूरे सीजन के दौरान अपने लिए सभी चीजों को कैसे सही करते हैं। हम मैच जीतना चाहते हैं, हम अपना सर्वश्रेष्ठ दे रहे हैं, लेकिन दुर्भाग्य से इस सीजन में हमने कई करीबी मैच गंवाए। ऐसा होता है, और मुझे लगता है कि हम इसे अगले सीजन में ठीक कर देंगे।

अपनी लय हासिल करने के बारे में ईशान किशन ने कहा, अब अपनी बैटिंग को लेकर अधिक नहीं सोचता। रोहित और महेला के साथ अच्छी बातचीत हुई। ईशान किशन ने आईपीएल 2022 की धमाकेदार शुरुआत की थी लेकिन उसके बाद उनके फार्म में थोड़ी गिरावट आई। पिछले कुछ मैचों में हालांकि किशन ने अपनी लय हासिल कर ली और 26, 45 तथा 51 रनों की तेज पारियां खेलीं। मुंबई इंडियंस के इस सलामी बल्लेबाज ने इस बात का पता लगा लिया है कि शुरुआत में ऐसा क्या था कि उनके बल्ले से रन निकल रहे थे लेकिन बीच में उनका बल्ला रूठ गया था।

चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ होने वाले मुंबई इंडियंस के गुरूवार को होने वाले अगले मैच से पहले किशन ने कहा, टूर्नामेंट की शुरुआत में मैं मैदान में जाता था और अपने स्वभाव के अनुरूप खेलता था। मैं अपनी बैटिंग को लेकर अधिक सोचता नहीं था। मेरा ध्यान टीम को अच्छी शुरुआत देने पर था। लेकिन मुझे लगता है कि बाद में, कहीं न कहीं मैं खेल खत्म करने की कोशिश कर रहा था। शायद पहले छह ओवरों में मैंने अपना फोकस खो दिया। इसके बाद मैंने कोच और कप्तान के साथ बातचीत की और उन्होंने सिर्फ इतना कहा, अगर आप हमें अच्छी शुरुआत दे सकते हैं, तो यह टीम के लिए मददगार होगा, इसलिए आपको खेल खत्म करने के बारे में सोचने की जरूरत नहीं है। अगर विकेट पर टिके हैं तो वैसे भी आप यह काम करेंगे ही।

मैदान में चाहे जो कुछ हो, एक चीज जिसमें किशन सबसे आगे रहे हैं और वह यह है कि पूरे लीग के दौरान उन्होंने मुंबई इंडियंस के ड्रेसिंग रूम का माहौल खुशनुमा बनाए रखा है। किशन ने कहा, मुझे लगता है कि मैं जितने खुश चेहरे देखता हूं, टीम का माहौल उतना ही बेहतर होता है। एक टीम के सदस्य के रूप में, मैं किसी का सिर झुका हुआ या चेहरा मुरझाया हुआ नहीं देख सकता। मेरी कोशिश हमेशा अपने साथियों को खुश देखना होता है और इसलिए हंसी मजाक होता रहता है। जब मैं फॉर्म में नहीं होता तो मेरे मूड को हल्का करने के लिए दूसरे खिलाड़ी मौजूद रहते हैं। एक दूसरे की मदद करना ही एक टीम को खास बनाता है, कि हम सिर्फ अपने बारे में नहीं सोच रहे होते हैं बल्कि पूरी टीम के लिए चिंतित हैं। मैं स्वभाव से खुशमिजाज हूं, इसलिए मैं यह सुनिश्चित करने की कोशिश करता हूं कि मेरे आस-पास के सभी लोग भी खुश रहें।

कुछ नाकामियों के बावजूद किशन ने अपनी टीम के लिए वह सब हासिल करने में कामयाबी हासिल की है, जिसके लिए कुछ ने उन पर प्राइस-टैग प्रेशर का आरोप लगाया। इसका कारण यह है कि किशन को आईपीएल आक्शन में 15.25 करोड़ रुपये मिले थे और तभी से उन पर टीम के लिए खरा उतरने के लिए दबाव बनाया जा रहा था। हालांकि किशन ने इससे किनारा कर लिया।

आरएफडीएल के पहले संस्करण के खिताब के लिए वर्चस्व की जंग में शामिल होंगे केरला, बेंगलुरू

एजेंसी

बेनोलिम। रिलायंस फाउंडेशन डेवलपमेंट लीग (आरएफडीएल) का पहला संस्करण अब समापन तक पहुंच गया है। युवा टीमों की इस लीग का चैंपियन कौन होगा, इसका फैसला केरला ब्लास्टर्स एफसी और बेंगलुरू एफसी के बीच गुरुवार को यहां के बेनॉलिम स्टेडियम में होने वाले मुकाबले के बाद हो जाएगा।

अगली पीढ़ी के फुटबॉलरों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करने वाली इस लीग के इस अंतिम मुकाबले के साथ विजेता का फैसला होगा लेकिन यह मुकाबला काफी रोचक होने जा रहा है क्योंकि दोनों टीमें श्रेष्ठ फार्म में हैं और दोनों अपना बेहतरीन खेल दिखाने के लिए आतुर हैं। बेंगलुरू का अब तक सफर बेदाग रहा है। उसने सात मैचों में अधिकतम 21 अंक हासिल किए हैं और यह इस प्रतियोगिता में उसके वर्चस्व को रेखांकित करने के लिहाज से एक अविश्वसनीय उपलब्धि है। द ब्लूज़ ने आरएफडीएल में अब तक 19 गोल किए हैं। स्ट्राइकर राहुल राजू ने इनमें से अकेले सात गोल किए हैं। लेकिन खिताब जीतने के लिए बेंगलुरू को अंतिम मुकाबले में हार से बचना होगा क्योंकि हेड-टू-हेड आधार पर ही विजेता का फैसला होगा।

जैसा कि बेंगलुरू ने अपने सभी मैचों में किया है वह वैसा ही केरल के खिलाफ भी करेगी। उसके सभी खिलाड़ी अपना दमखम झोंकने के लिए तैयार हैं। कोच नौशाद मूसा के नेतृत्व में, ब्लूज़ ने फुटबॉल का एक आक्रामक ब्रांड खेला है, जिसमें बेकी ओरम और दमैतफांग लिंगदोह बहुत प्रभावी रहे हैं। राजू ने सबसे अधिक बार लक्ष्य प्राप्त किया है और यह इस टीम के एक इकाई के तौर पर खेलने से ही संभव हो सका है।

प्लेऑफ की उम्मीदों के लिए धोनी के पास आखिरी मौका

एजेंसी

मुम्बई। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के पास आईपीएल प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को जिन्दा रखने के लिए मुंबई इंडियंस के खिलाफ गुरूवार को होने वाले टूर्नामेंट के 59वें मैच में आखिरी मौका होगा। इस मैच को जीतने पर ही चेन्नई की शेष मैचों में उम्मीदें बनी रहेंगी। हारने की सूरत में चेन्नई भी मुम्बई की तरह रेस से बाहर हो जायेगी। चेन्नई के 11 मैचों में चार जीत के बाद आठ अंक हैं और वह तालिका में मुम्बई से एक स्थान ऊपर नौवें स्थान पर है।

चेन्नई की टीम और विदेशी सलामी बल्लेबाज़ की एक अनोखी प्रेम कहानी रही है। मैथ्यू हेडन, माइकल हसी, शेन वॉटसन, फ़ाफ़ डुप्लेसी के बाद डेवन कॉन्वे इस सूची में शामिल हो चुके हैं। अपने पिछले तीन मैचों में 87, 56 और 85 का स्कोर बनाकर वह शानदार लय में नज़र आए हैं। ख़ासकर स्पिन के विरुद्ध वह आग बनकर बरसे हैं। स्पिन के ख़िलाफ़ उन्होंने 196.55 के स्ट्राइक रेट से 114 रन बनाए हैं। खराब दौर से गुजर रही मुम्बई की टीम में टिम डेविड एकमात्र चमकता सितारा हैं। गेंद को मैदान के बाहर भेजने की क्षमता रखने वाले टिम डेविड चेन्नई की डेथ गेंदबाज़ी के विरुद्ध ज़्यादा से ज़्यादा रन बटोरने का प्रयास करेंगे। उम्मीद के विपरित, 2021 से खेले गए सभी टी20 मैचों में स्पिन के ख़िलाफ़ उनकी औसत (40.88) काफ़ी बेहतर रही है।

आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी मुम्बई के इशान किशन ने हालिया मैचों में 51 और 45 रन बनाकर अपनी फ़ॉर्म को वापस पा लिया हैं। चेन्नई के विरुद्ध उन्होंने सात मैचों में 34 की औसत से 174 रन बनाए हैं। पावरप्ले में भी उनका रिकॉर्ड शानदार रहा है और वह इस सीज़न में पहले छह ओवरों के दौरान केवल तीन बार आउट हुए हैं। वेस्टइंडीज़ के दिग्गज चैंपियन ड्वेन ब्रावो इस सीज़न में चेन्नई की ओर से सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज़ हैं। आईपीएल के इतिहास में ब्रावो ने मुंबई के विरुद्ध सर्वाधिक 33 विकेट अपने नाम किए हैं।

इसके अलावा वानखेड़े स्टेडियम में भी वह प्रभावशाली रहे हैं और इस सीज़न वानखेड़े में खेले गए दो मैचों में उनके नाम पांच सफलताएं हैं।

मुंबई के कप्तान रोहित भले ही इस सीज़न में लय में नज़र नहीं आए हैं, जब बात वानखेड़े स्टेडियम की आती है तब उनके बल्ले से रनों की उम्मीद करना वाजिब है।

इस मैदान पर रोहित ने टी20 मैचों में सर्वाधिक 1990 रन बनाए हैं। इस मैदान पर खेले गए पिछले छह मैचों में उनके स्कोर रहे है - 39, 71, 55, 24, 28, 47

आठ मैचों में 12 विकेट लेकर चेन्नई के महीश थीक्षना आईपीएल के इमर्जिंग प्लेयर का ख़िताब हासिल करने के प्रबल दावेदारों में से एक हैं। पावरप्ले में उनके नाम छह विकेट है जो किसी भी स्पिनर के लिए इस सीज़न में सर्वाधिक है।

गर्मी की वजह से टूटा पीओके में चीन का बनाया पुल, तेज बहाव नहीं झेल पाए पिलर

इस्लामाबाद। पोओके के गिलगिट-बाल्टिस्तान इलाके में चीन का बनाया एक पुल हिमनद झील की बाढ़ को नहीं झेल पाया और टूट गया। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो भी तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल भीषण गर्मी की वजह से शिस्पर ग्लेशियर तेजी से पिघल रहा है और इसी वजह से हिमनद झील में बाढ़ आ गई। यह पुल काराकोरम राजमार्ग पर बना था। वीडियो में देखा जा सकता है कि पुल ताश के पत्तों की तरह गिर गया और पानी में बह गया।

पाकिस्तान की मंत्री शेरी रहमान ने एक ट्वीट में बताया कि जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने पहले ही इसकी चेतावनी दी थी। शिस्पर ग्लेसियर से तेज बहाव की वजह से पिलर के नीचे कटाव होने लगा जिस वजह से पुल ढह गया। उन्होंने कहा कि है कि 48 घंटे में यहां फिर से एक अस्थाई पुल बनाया जाएगा।

क्यों खास था पीओके का यह पुल

पाकिस्तान के लिए यह पुल इसलिए खास था क्योंकि पीओके से काराकोराम वैली होकर चीन जाने वाला रास्ता इसी पुल से जुड़ता था। घाटी और ऊंची सड़कों की वजह से इस पुल को भी आकर्षण का केंद्र माना जाता था। चीन ने इस पुल का निर्माण करवाया था। इस इलाके में भीषण गर्मी और ग्लेशियर पिघलने की समस्या कई सालों से बनी हुई है।

यह पुल चीन और पाकिस्तान को जोड़ने वाला मुख्य पुल है और चीन पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर का हिस्सा है। खबरों के अनुसार, ग्लेशियर की बाढ़ ने ना केवल पुल को बल्कि घरों को जलमग्न कर दिया है। बांढ़ से कृषि भूमि, सैकड़ों नहरों, पेड़ों, जल आपूर्ति चैनलों और दो जल विद्युत परियोजनाओं को भी नुकसान पहुंचाया है।

फंस गए हजारों पर्यटक

रिपोर्ट के मुताबिक इस हादसे की वजह से पुल के दोनों ओर हजारों पर्यटक फंस गए हैं। गौरतलब है कि ग्लेशियर फटने की घटना शनिवार की है।

पीओके में 33 हिमनद झील कभी भी फट सकती हैं : एजेंसी

पाकिस्तानी एजेंसियों के मुताबिक ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। उनका कहना है कि गिलगित-बाल्टिस्तान और खैबर पख्तूनखा इलाके में ही ग्लेशियर पिघलने से 3,000 से ज्यादा हिमनद झील बन चुकी हैं, जिनमें से 33 कभी भी फट सकती हैं। पाकिस्तान के पर्यावरण मंत्री शेरी रहमान ने वैश्विक नेताओं से कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए कदम आगे बढ़ाने का आह्वान किया है।

श्रीलंका में समय पूर्व नहीं होंगे चुनाव: पुचिहेवा

कोलंबो। श्रीलंका चुनाव आयोग प्रमुख निमल पुचिहेवा ने बुधवार को यह कहते हुए देश में शीघ्र चुनाव कराने से इंकार कर दिया कि मौजूदा अशांति के मद्देनजर चुनावों के लिए यह उपयुक्त समय नहीं है। श्री पुचिहेवा ने 'द आइलैंड' समाचारपत्र से कहा कि चुनाव आयोग का मानना है कि यह समय संसदीय चुनावों के लिए अनुकूल नहीं है और गत सोमवार की घटना नहीं हुई होती तो भी चुनाव नहीं कराये जा सकते थे। सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों ने सोमवार को प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे के आवास पर हमला कर उसमें आग लगा दी थी। उन्होंने कहा कि मौजूदा स्थिति में देश में सरकार चलाने के लिए सर्वदलीय अंतरिम व्यवस्था पर आम सहमति होनी चाहिए और चुनाव से पहले तक आर्थिक संकट को दूर करने के लिए ठोस उपाय अपनाये जाने चाहिए।

थाइलैंड : बाबा के आश्रम से निकली लाशें, अनुयायियों को देता था अपना मलमूत्र

नई दिल्ली। सिर्फ भारत ही नहीं विदेशों में भी ढोंगी बाबाओं की भरमार है। एक ऐसा ही मामला थाइलैंड से सामने आया है जहां की पुलिस ने एक ढोंगी बाबा को गिरफ्तार किया है। इस बाबा पर आरोप है कि यह अपने अनुयायियों को मलमूत्र पिलाता था। इतना ही नहीं पुलिस ने उसके आश्रम से करीब ग्यारह अनुयायियों की लाश बरामद की हैं।

दरअसल, यह घटना थाइलैंड के चाइयाफम की है। बिजनेस इनसाइडर की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस बाबा का नाम थावी नानरा है और इसकी उम्र 75 साल है। इस ढोंगी बाबा के बारे में यह दावा किया गया है कि उसके अनुयायी मूत्र पीते थे और मल भी खाते थे। ऐसा इसलिए क्योंकि अनुयायियों को लगता था कि मल खाने से और मूत्र पीने से वे बीमारियों से बचे रहेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस को सूचना

मिली थी कि थावी नानरा ने लोगों की जमीन पर अवैध कब्जा किया हुआ है। साथ ही बाबा द्वारा कोरोना नियमों के उल्लंघन की बात भी सामने आई। इसके अलावा पुलिस में एक महिला के लापता होने की शिकायत भी दर्ज कराई गई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि महिला बाबा के पास गई थी और वापस नहीं लौटी।

बताया गया है कि बाबा को जंगल में मौजूद उसके आश्रम से गिरफ्तार किया गया। जब पुलिस इस फर्जी बाबा को गिरफ्तार कर ले जा रही थी, तो बाबा के अनुयायियों ने बवाल काट दिया। रिपोर्ट के मुताबिक आश्रम से जो लाशें बरामद हुई हैं वे सभी ताबूत में थीं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि वह खुद को सभी धर्मों का पिता होने का दावा करता था। फिलहाल इस बाबा को अरेस्ट कर लिया गया है।

श्रीलंका में लगातार दूसरी रात हुई आगजनी

कोलंबो। आर्थिक संकट से गंभीर रूप से जूझ रहे श्रीलंका में संघर्ष और आगजनी की घटनाएं खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। लगातार दूसरे दिन मंगलवार रात राजधानी कोलंबो से सटे निगोंबो शहर में आगजनी की वारदातों को अंजाम दिया गया जिससे बड़े पैमाने पर संपत्तियों को नुकसान पहुंचा है। रिपोर्टों के मुताबिक भीड़ ने पूर्व प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे के बेटे के स्वामित्व वाले एक लग्जरी हॉलिडे रिजॉर्ट को भी आग के हवाले कर दिया। इससे पहले सोमवार को उग्र भीड़ ने श्री महिंदा के सरकारी निवास समेत राजनेताओं के 50 से अधिक घरों को आग के हवाले कर दिया था। आग के हवाले की जाने वाली संपत्तियों में राजपक्षे परिवार को समर्पित एक विवादास्पद संग्रहालय शामिल है जो देश के दक्षिणी इलाके में स्थित है। हिंसा और संघर्ष का कारण देश के गंभीर आर्थिक संकट जूझने को लेकर लोगों में निराशा है। राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे के पद छोड़ने की इच्छा रखने वाले प्रदर्शनकारियों पर सरकारी समर्थकों द्वारा हमला किए जाने के बाद हिंसा उग्र हो गयी। गुरुवार सुबह तक राष्ट्रव्यापी कर्फ्यू के तहत बुधवार को लगातार तीसरे दिन भी दुकानें, व्यवसाय और कार्यालय बंद रहे।श्रीलंका में पहले ही देश के सामने आर्थिक संकट और आवश्यक वस्तुओं की कमी होने पर विरोध प्रदर्शन हुआ था। इसके कारण श्रीलंकाई रुपया काफी नीचे गिर गया और विदेशी मुद्रा भंडार वर्तमान में अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। देश में विरोध प्रदर्शनों के दौरान अब तक आठ लोगों की मौत हो चुकी है और 200 से अधिक लोगों के घायल होने की आशंका है। सुरक्षा बलों को कानून तोड़ने वालों और लुटेरों को देखते ही गोली मारने का आदेश दिया गया है। बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों को सड़कों पर गश्त लगाने के लिए तैनात किया गया है। देश में सुरक्षा बलों की तैनाती के बावजूद कोलंबो के मुख्य विरोध स्थल गाले फेस ग्रीन में प्रदर्शनकारियों का अब भी एकत्रित होना जारी है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि राष्ट्रपति राजपक्षे के कुप्रबंधन के कारण ही देश की अर्थव्यवस्था बुरी तरह से प्रभावित हुई है। गौरतलब है कि राष्ट्रपति के बड़े भाई श्री महिंदा राजपक्षे ने सोमवार को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद हिंसा और अधिक भड़क गयी।

मोदी की यात्रा के दौरान नेपाल करेगा सेती पनबिजली परियोजना में भारतीय निवेश का अनुरोध

काठमांडू। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नेपाल यात्रा के दौरान भारत से शीर्ष स्तर पर पंचेश्वर बहुउद्देश्यीय परियोजना के साथ ही निवेश नहीं मिलने के कारण छह दशकों से लंबित 1200 मेगावाट की सेती पनबिजली परियोजना के विकास का भी अनुरोध किया जाएगा। मोदी बुद्ध पूर्णिमा के मौके पर 16 मई को नेपाल की संक्षिप्त यात्रा पर आएंगे। श्री देऊबा ने मंगलवार को अपने गृहनगर दधेलधुरा में संवाददाताओं को यह जानकारी दी। नेपाली प्रधानमंत्री ने बताया कि वह स्वयं श्री मोदी के साथ पश्चिमी सेती पनबिजली परियोजना के विकास का मुद्दा उठाएंगे और अनुरोध करेंगे कि भारत इस परियोजना का विकास करे। पश्चिमी सेती पनबिजली परियोजना मूलत: 750 मेगावाट क्षमता की थी और इसे सेती नदी पर बनाये जाने का प्रस्ताव था लेकिन छह दशकों तक लटकी रहने के बाद सरकार ने इसकी डिजायन दोबारा बनायी और पश्चिमी सेती और सेती दो भागों में इस परियोजना को बांटा जिससे इसकी क्षमता 1200 मेगावाट हो गयी है। इस परियोजना के जलाशय मानसून सीज़न में भरे जाएंगे और बरसात खत्म होने के बाद सर्दियों में पीक ऑवर में रोज़ाना बिजली बनायी जाएगी। श्री देऊबा ने कहा कि इसके साथ ही उनकी सरकार ने पंचेश्वर बहुउद्देश्यीय परियोजना के विकास को लेकर भी भारत के साथ बातचीत शुरू करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा, हम पश्चिमी सेती परियोजना में निवेश लाने में विफल रहे हैं। इसलिए भारत के प्रधानमंत्री श्री मोदी की यात्रा के दौरान हम यह मुद्दा उनके साथ उठाएंगे। उन्होंने कहा कि चूंकि भारत नेपाल में चीनी कंपनियों द्वारा उत्पादित बिजली खरीदने का इच्छुक नहीं है, हम श्री मोदी के साथ भारतीय डेवेल्पर्स को यह काम देने के लिए बात करेंगे। नेपाली प्रधानमंत्री ने कहा कि इस परियोजना के विकास के लिए किसी भरोसेमंद कंपनी के साथ निर्णायक सौदा करना होगा। हमें ऊर्जा सुरक्षा के लिए इस प्रकार की भंडारण वाली परियोजनाओं की जरूरत है जिनसे हमें सर्दियों में बिजली मिल सके।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

कर्नाटक के कुछ बेहतरीन हिल स्टेशन, एक बार जरूर जाएं घूमने

मिताली जैन

हरे-भरे और घने जंगलों से घिरा गंगामूला उन लोगों के लिए एक आदर्श स्थान है जो प्रकृति की गोद में क्वालिटी टाइम बिताना चाहते हैं। हिल स्टेशन एक धुंधली जलवायु और आश्चर्यजनक परिदृश्य और आकर्षण का आनंद लेता है।

भारत के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में स्थित खूबसूरत राज्य कर्नाटक अपने हाई-टेक हब, नाइटलाइफ़, भव्य महलों, पुराने मंदिरों और वन्यजीव अभयारण्यों के लिए जाना जाता है। हालांकि, इस राज्य में हरे-भरे वातावरण और शांति प्रदान करते कई हिल स्टेशन भी हैं। जो लोग शहर की भीड़भाड़ से दूर प्रकृति के बीच कुछ शांत समय बिताना चाहते हैं, वह इन हिल स्टेशनों में जा सकते हैं। हरी-भरी पहाड़ियों, झरनों और सुविधाजनक स्थानों से लेकर ऐतिहासिक आकर्षणों और एड्रेनालाईन गतिविधियों तक, कर्नाटक के हिल स्टेशनों में बहुत कुछ है। तो चलिए आज हम आपको कर्नाटक के कुछ बेहतरीन हिल स्टेशनों के बारे में बता रहे हैं-

चिकमगलूर, कर्नाटक

चिकमगलूर चाय और कॉफी के बागानों, दूधिया-सफेद झरनों और खूबसूरत पार्कों से भरपूर है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थान हेब्बे फॉल्स, कल्लाथिगिरी फॉल्स, हनुमना गुंडी फॉल्स, भद्रा वन्यजीव अभयारण्य, महात्मा गांधी पार्क, कॉफी संग्रहालय, हिरेकोले झील, कोडंदरामा मंदिर आदि हैं। अगर आप यहां पर हैं तो चाय और कॉफी के बागानों में टहलें, उच्चतम मुल्लायनगिरी चोटी पर जाएँ, क्यातनामक्की में सुंदर दृश्यों का आनंद लें, अमृतेश्वर और

विद्याशंकर मंदिर में जाएं।

नंदी हिल्स, कर्नाटक

4849 फीट की ऊंचाई पर स्थित नंदी हिल्स कर्नाटक के सबसे प्रसिद्ध हिल स्टेशनों में से एक है। हरे भरे परिवेश, ट्रेकिंग ट्रेल्स और आश्चर्यजनक दृश्यों के अलावा, इस जगह में कई स्मारकों और मंदिरों के साथ एक लोकप्रिय ऐतिहासिक किला भी है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थान टीपू की बूंद, टीपू का ग्रीष्मकालीन निवास, अमृता सरोवर, भोग नंदीश्वर मंदिर, ब्रह्मश्रम, नेहरू

निलय, ग्रोवर ज़म्पा वाइनयार्ड आदि है।

सिरसी, कर्नाटक

घने जंगलों के बीच बसा कर्नाटक का यह आकर्षक हिल स्टेशन, बैंगलोर से एक आदर्श वीकेंड गेटवे है। विविध वन्यजीवों से भरे घने उष्णकटिबंधीय जंगलों से लेकर सुरम्य झरनों और हरी-भरी पहाड़ियों तक, सिरसी की प्राकृतिक सुंदरता आपको मंत्रमुग्ध कर देगी। अगर आप यहां पर हैं तो मुरेगर फॉल्स, शिवगंगा फॉल्स, बुरुड फॉल्स, उंचल्ली फॉल्स, विभूति फॉल्स, मरिकंबा मंदिर, श्री महागणपति मंदिर, गुडवी पक्षी अभयारण्य आदि जगहों को जरूर एक्सप्लोर करें।

माले महादेश्वर या एमएम हिल्स, कर्नाटक

सात पहाड़ी श्रृंखलाओं, एमएम हिल्स समुद्र तल से 3200 फीट की ऊंचाई पर स्थित है और स्वयंभू या स्वयं प्रकट रूप में भगवान शिव के साथ एक प्राचीन मंदिर के लिए प्रसिद्ध है।

धार्मिक स्थलों के अलावा, यह स्थान वनस्पतियों और जीवों में समृद्ध है, जो इसे वन्यजीव प्रेमियों और एड्रेनालाईन के दीवाने लोगों के बीच एक लोकप्रिय आकर्षण बनाता है। यहां पर आने वाले हर यात्री को श्री माले महादेश्वर मंदिर, थाला बेट्टा, नागमाले हिल्स आदि जगहों पर जरूर जाएं। साथ ही घने जंगलों में हाथियों और अन्य जानवरों को देखना ना भूलें।

गंगामूला, कर्नाटक

हरे-भरे और घने जंगलों से घिरा गंगामूला उन लोगों के लिए एक आदर्श स्थान है जो प्रकृति की गोद में क्वालिटी टाइम बिताना चाहते हैं। हिल स्टेशन एक धुंधली जलवायु और आश्चर्यजनक परिदृश्य और आकर्षण का आनंद लेता है। यह स्थान तीन महत्वपूर्ण नदियों- तुंगा, भद्रा और नेत्रावती का उद्गम स्थल होने के लिए भी प्रसिद्ध है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थानों में हनुमना गुंडी जलप्रपात, श्री अन्नपूर्णेश्वरी मंदिर, सिरिमाने जलप्रपात, गोमतेश्वर प्रतिमा, चतुर्मुख बसदी, श्री वेंकटरमण मंदिर, अंबा तीर्थ आदि शामिल है। अगर आप यहां पर हैं तो कुरिंजल पीक और नरसिम्हा पर्वत के लिए ट्रेक, कुद्रेमुख राष्ट्रीय उद्यान की प्राकृतिक सुंदरता को देखें। भगवती प्रकृति शिविर में प्रकृति की सैर, जीप सफारी और ट्रेकिंग का आनंद लें।

कोलकाता की ये जगहें वेडिंग शॉपिंग के लिए हैं बेस्ट, बजट में कर सकते हैं ढेर सारी खरीददारी

प्रिया मिश्रा

हर लड़का या लड़की अपनी शादी में बेस्ट दिखना चाहते हैं। अगर आप कोलकाता में रहते हैं या कोलकाता से शादी की शॉपिंग कर रहे हैं तो यह लेख जरूर पढ़ें। आज हम आपको कोलकाता में वेडिंग शॉपिंग के लिए बेस्ट प्लेसेज के बारे में बताने जा रहे हैं। शादी की तारीख तय होते ही शॉपिंग शुरू हो जाती है। हर लड़का या लड़की अपनी शादी में बेस्ट दिखना चाहते हैं। अगर आप कोलकाता में रहते हैं या कोलकाता से शादी की शॉपिंग कर रहे हैं तो यह लेख जरूर पढ़ें। आज हम आपको कोलकाता में वेडिंग शॉपिंग के लिए बेस्ट प्लेसेज के बारे में बताने जा रहे हैं। आप इन जगहों पर बजट में अच्छी शॉपिंग कर सकते हैं-

बो बाजार

कोलकाता का बो बाजार, शादी की शॉपिंग करने के लिए सबसे बेहतरीन

बाजारों में से एक है। यह शहर का सबसे बड़ा बाजार है, जहां न केवल कोलकाता से बल्कि पश्चिम बंगाल के बाकी हिस्सों से भी लोग शॉपिंग करने आते हैं। इस बाजार में साड़ी, गहने और शादी की अन्य चीजें मशहूर हैं। अगर आप हल्दी, मेहंदी या शादी के लिए साड़ी और लहंगे खरीदना चाहते हैं तो आप यहां खरीददारी कर सकते हैं। इस मार्केट में सिर्फ ट्रेडिशनल ही नहीं, बल्कि वेस्टर्न ड्रेसेज भी मिलती हैं।

हातिबागान बाजार

हातिबागान बाजार, कोलकाता के सबसे मशहूर बाजारों में से एक है। इस मार्केट में आपको एक ही जगह पर डिजाइन वाली साड़ियां सिल्क साड़ियां संबलपुरी साड़ियां हैंडलूम साड़ियां कांजीवरम और बनारसी साड़ियां मिल जाएंगी। अगर आप बजट में अच्छी साड़ियां खरीदना चाहते हैं तो यहां जरूर जाएं। इस बाजार में आप दूल्हा दुल्हन के आउटफिट्स भी खरीद सकते हैं।

बागड़ी या बागरी बाजार

बागड़ी या बागरी बाजार, कोलकाता के सबसे पुराने ओर फेमस बाजारों में से एक है।
यहां आप थोक में खरीददारी कर सकते हैं। यहां पर आप शादी के कपड़ों से लेकर अक्सर सीरियल शादी की शॉपिंग भी कर सकते हैं। इस बाजार में आपको चूड़ियां, गहने, हैंड बैग और ब्यूटी प्रोडक्ट्स भी मिल जाएंगे। यहां आप कम दाम में शानदार लहंगे भी खरीद सकते हैं।

ए एम बी हाट

अगर आप सस्ते में और थोक में खरीददारी करना चाहते हैं तो ए एम बी हाट हाट जरूर जाएं। इस बाजार में आप कम पैसों में। साड़ियां, लहंगे आदि खरीद सकते हैं। इसके अलावा आप यहां फुटवियर की शॉपिंग भी कर सकते हैं।

कुछ इस तरह बनाएं टेस्टी पालक के कबाब, जानिए इसकी विधि

मिताली जैन

आमतौर पर लोग इसके पकौड़े, परांठे या सब्जी आदि बनाना पसंद करते हैं। लेकिन पालक के कबाब भी खाने में बेहद ही डिलिशियस लगते हैं। खासतौर से, जब आपके घर में मेहमान आए हों और आप उन्हें एक डिफरेंट स्नैक सर्व करना चाहती हों तो ऐसे में पालक के टेस्टी कबाब बना सकती हैं। पालक एक ऐसी सब्जी है, जो सेहत के लिए बेहद लाभदायक मानी जाती है। आमतौर पर लोग इसके पकौड़े, परांठे या सब्जी आदि बनाना पसंद करते हैं। लेकिन पालक के कबाब भी खाने में बेहद ही डिलिशियस लगते हैं। खासतौर से, जब आपके घर में मेहमान आए हों और आप उन्हें एक डिफरेंट स्नैक सर्व करना चाहती हों तो ऐसे में पालक के टेस्टी कबाब बना सकती हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पालक के कबाब बानाने की आसान विधि के बारे में बता रहे हैं-

सामग्री-
2 कप पालक
एक चौथाई कप धनिया
आधा कप पुदीना
एक चौथाई कप बीन्स
एक चौथाई कप मटर
एक छोटी शिमलामिर्च
एक कप कद्दूकस किया हुआ पनीर
चार-पांच उबले आलू
अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट
लाल मिर्च पाउडर
धनिया जीरा पाउडर
गरम मसाला
चाट मसाला
दो टेबलस्पून कॉर्नस्टार्च
थोड़े काजू
स्वादानुसार नमक
ब्रेड के स्लाइस या ब्रेडक्रम्स

विधि-

पालक के कबाब बनाने के लिए आपको सबसे पहले पालक को ब्लांच करना होगा। इसके लिए आप एक बर्तन में थोड़ा पानी डालकर उबालें। अब आप इसमें पालक डालें और करीबन दो मिनट के लिए ब्लांच करें। अब पालक को बाहर निकालें और उसे चम्मच की मदद से हल्का दबाकर उसका अतिरिक्त पानी निकालें। अब पालक को ठंडा होने दें और उसमें से अतिरिक्त पानी निचोड़कर निकाल लें। अब एक मिक्सर का जार लेकर उसमें पालक, पुदीना, धनिया, बीन्स, शिमलामिर्च व मटर डालकर अच्छी तरह ग्राइंड करें और पेस्ट बना लें।

अब इस पेस्ट को एक बाउल में निकालें और इसमें उबले व मैश किए हुए आलू मिलाएं। अब इसमें पनीर, कॉर्नस्टार्च, एक कप ब्रेडक्रम्स, अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, लाल मिर्च पाउडर, धनिया-जीरा पाउडर, गरम मसाला, चाट मसाला, नमक डालकर अच्छी तरह मिक्स करें।

अब हाथों पर थोड़ा ऑयल लगाएं और थोड़ा मिश्रण लेकर उसे रोल करते हुए टिक्की का शेप दें। वैसे आप चाहें तो अपनी पसंद से इसकी शेप को चेंज भी कर सकते हैं। साथ ही इसके साइज को भी ज्यादा बड़ा ना रखें। आप इसी तरह सारे मिश्रण से कबाब तैयार कर लें। अब आप एक प्लेट में ब्रेडक्रम्स डालें और सभी कबाब को इससे कोट करें और फिर हर कबाब के ऊपर एक-एक काजू लगाएं। इसके बाद आप एक कड़ाही में ऑयल डालकर उसे गर्म करें। जब तेल गर्म हो जाए तो कड़ाही में एक-एक करके कबाब डालें और फिर धीमी आंच पर इसे सेंकें। ताकि कबाब अच्छी तरह अंदर तक सिकें और बाहर से क्रिस्पी हो जाएं।

नियमित स्वास्थ्य जांच कराकर आने वाली बीमारियों को सही समय पर रोक सकते हैं

गौरव पांडेय

विभिन्न आयु वर्ग के लोगों के लिए, महिलाओं एवं पुरुषों के लिए और रोग के अनुसार भी हेल्थ चैकअप पैकेज उपलब्ध हैं, जिनका लाभ आसानी से उठाया जा सकता है। यदि हम कुछ सामान्य जांचों की बात करें तो उच्च रक्तचाप जैसी बीमारी को निरंतर रूप से ब्लड प्रेशर चेक कराने से रोका जा सकता है।

आजकल भागदौड़ भरी जिंदगी और अनियमित दिनचर्या की वजह से हमारे लिए बीमारियों को आने से रोक पाना एक बहुत बड़ी चुनौती है। अपने स्वास्थ्य को शारीरिक, मानसिक और सामाजिक तौर पर संतुलित रखना एक संपूर्ण स्वस्थ व्यक्ति का द्योतक है। जिसे संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या, नित्य प्रति व्यायाम और पर्याप्त नींद के माध्यम से प्राप्त किए जाने पर हमेशा से जोर दिया जाता रहा है। किंतु बदलती परिस्थितियों में अब इन माध्यमों से भी स्वस्थ शरीर को पाना निरंतर कठिन होता जा रहा है। मशीनों के बढ़ते प्रयोग, प्रदूषण, मिलावट, कीटनाशकों के प्रयोग एवं शारीरिक श्रम के कम होने से बीमारियों के बढ़ने का खतरा और भी ज्यादा बढ़ गया है।

ऐसे में प्रश्न उठता है कि हमें क्या करना चाहिए

वरिष्ठ डॉक्टर आजकल जल्द से जल्द बीमारियों को पकड़ने के लिए या उनका निदान करने के लिए नियमित रूप से जांच एवं परामर्श की सलाह देते हैं। कुछ एक सामान्य जांचों से बड़ी बीमारियों के आने का अंदेशा लग जाता है। ऐसे में नियमित स्वास्थ्य जांच स्वास्थ्य रक्षा के लिए एक बड़ा माध्यम सिद्ध हो सकता है।

नियमित स्वास्थ्य जांच कराने से हम आने वाली बीमारियों को सही समय पर रोक भी सकते हैं और उनकी जटिलताओं को और जोखिम को एक हद तक कम कर सकते हैं। सामान्यत: 40 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को नियमित स्वास्थ्य जांच की ज्यादा आवश्यकता होती है, क्योंकि उन्हें खतरनाक बीमारियों से प्रभावित होने की संभावना बढ़ती हुई उम्र के साथ बढ़ती ही जाती है।

वैसे तो आज की बदली हुई परिस्थितियों में यह भी देखा जा रहा है कि 25 वर्ष के बाद भी हृदय रोग एवं हृदय आघात जैसे गंभीर रोग प्रारंभ होने लगे हैं। हम सस्ती और सुगम जांचों से गंभीर बीमारियां जैसे मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, किडनी रोग, मुख के कैंसर, शरीर में किसी गांठ के कैंसर में परिवर्तित होने को सही समय पर डायग्नोज कर उसे बढ़ने से या फैलने से रोक सकते हैं।

विभिन्न आयु वर्ग के लोगों के लिए, महिलाओं एवं पुरुषों के लिए और रोग के अनुसार भी हेल्थ चैकअप पैकेज उपलब्ध हैं, जिनका लाभ आसानी से उठाया जा सकता है। यदि हम कुछ सामान्य जांचों की बात करें तो उच्च रक्तचाप जैसी बीमारी को निरंतर रूप से ब्लड प्रेशर चेक कराने से रोका जा सकता है। वहीं मधुमेह जैसी बीमारी को समय-समय पर ब्लड शुगर फास्टिंग एवं ब्लड शुगर पीपी एवं 3 महीने का एवरेज ब्लड शुगर बताने वाला टेस्ट एचबीए1सी को करा कर इसका निदान किया जा सकता है।

यदि हम हृदय रोग की बीमारियों की बात करें तो लिपिड प्रोफाइल जिसमें कोलेस्ट्रोल और ट्राइग्लिसराइड की मात्रा की जांच की जाती है और साथ ही साथ एचडीएल यानी कि अच्छा कोलेस्ट्रोल और एलडीएल जिसे बैड कोलेस्ट्रॉल कहा जाता है, उसकी मात्रा को भी जांच कर हृदय के अंदर होने वाली वसा के जमा होने की वजह से ब्लॉकेज को रोका जा सकता है। साथ ही किसी भी प्रकार का हृदय में दर्द होने पर या चुभन होने पर एक सामान्य टेस्ट ईसीजी के माध्यम से हृदय की स्थिति को जाँचा जा सकता है और हृदय आघात एवं हृदय की अन्य अनियमितताओं जैसी बड़ी बीमारियों को पकड़ा जा सकता है। 45 वर्ष से अधिक लोगों को प्रतिवर्ष हृदय रोग के निदान के लिए ट्रेडमिल टेस्ट एवं इकोकार्डियोग्राफी एवं चेस्ट एक्स-रे भी कराते रहना चाहिए।

वहीं, किडनी की बीमारियों का सीरम क्रिएटिनिन, ब्लड यूरिया एवं ब्लड नाइट्रोजन जैसी सामान्य रक्त जांच से सही समय पर निदान किया जा सकता है। पेट की विभिन्न बीमारियों और गाल ब्लैडर की पथरी को अल्ट्रासाउंड के माध्यम से निदान किया जा सकता है। पुरुषों में प्रोस्टेट कैंसर बहुत ही सामान्य है जिसे एक खून की जांच पीएसए के माध्यम से पकड़ा जा सकता है। वहीं महिलाओं में दूसरी ओर स्त्री कैंसर को पैप स्मीयर इजाज द्वारा पकड़ा जा सकता है।

वहीं, रक्त कैंसर को हम सीबीसी या कंपलीट हीमोग्राम टेस्ट के माध्यम से निदान कर सकते हैं। जबकि अन्य बीमारियों के लिए हम अपना फैमिली फिजिशियन या जनरल फिजिशियन से परामर्श कर संबंधित जांच किसी पैथोलॉजी में जाकर करवा सकते हैं और अपनी बीमारियों को बढ़ने से सही समय पर रोक सकते हैं।

हाथों को बनाना है खूबसूरत तो नेल पेंट लगाते समय इन बातों का रखें ध्यान

कंचन सिंह

यदि आप चाहती हैं नेल पेंट का रंग सही तरह से चढ़े, तो पहले ट्रांस्पेरेंट बेस कोट लगाना जरूरी है। नेल पेंट को ब्रश से पहले नाखून के बीच से लगाना शुरू करें और फिर पूरे नाखून पर लगाकर अच्छी तरह सुखा लें।

नेल पॉलिश हाथों की खूबसूरती बढ़ाता है, लेकिन नेल पेंट यदि सही तरीके से न लगाया जाए तो यह हाथों की खूबसूरती बढ़ाने की बजाय बिगाड़ सकता है।

नाखूनों की सुंदरता बढ़ाने के लिए नेल पॉलिश को सही तरीके से लगाना और नाखूनों की सही देखभाल भी ज़रूरी है।

ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, नेल पेंट आपके हाथों की खूबसूरती बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है, लेकिन इसे सही तरीके से अप्लाई करना ज़रूरी है, तभी यह परफेक्ट दिखता है।

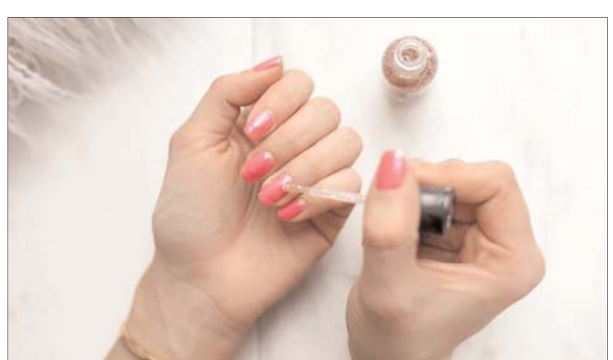

हाथों का रखें ख्याल

यदि आपके हाथ रूखे होंगे तो कितनी भी अच्छी नेल पॉलिश क्यों न लगा लें, उसकी खूबसूरती उभरकर नहीं आएगी। इसलिए समय-समय पर मेनिक्योर कराती रहें, इससे हाथ और नाखून दोनों साफ और सुंदर रहते हैं और नेल पेंट का रंग उभरकर दिखता है।

ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, नेल पॉलिश लगाने से पहले नाखून काटने के साथ ही उसे सही शेप देना भी जरूरी है। साथ ही नाखून को सुखाना भी जरूरी है, क्योंकि गीले नाखून पर नेल पेंट लगाने से कोट अच्छी तरह नहीं चढ़ता है और वह जल्दी छूट जाता है।

बेस कोट

यदि आप चाहती हैं नेल पेंट का रंग सही तरह से चढ़े, तो पहले ट्रांस्पेरेंट बेस कोट लगाना जरूरी है। नेल पेंट को ब्रश से पहले नाखून के बीच से लगाना शुरू करें और फिर पूरे नाखून पर लगाकर अच्छी तरह सुखा लें।

पहला कोट लगाएं

ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, जब ट्रांस्पेरेंट बेस कोट सूख जाए, तब अपनी पसंद की कोई भी नेलपॉलिश लगाएं। पहला कोट लगाने के बाद जब वह अच्छी तरह सूख जाए, तो आप चाहे तो दूसरा कोट लगा सकती हैं। इसे अच्छी तरह सेट करने के लिए आप बर्फ के पानी में उंगलियां डुबोकर रखें। इससे नेल पॉलिश में चमक आ जाएगी।

किनारों को साफ कर लें

यदि नेल पॉलिश लगाते समय किनारों में फैल गई है, तो उसे रिमूवर से साफ कर लें।

इन बातों का भी रखें ध्यान

- आप नेल पेंट को जल्दी सुखाना चाहती हैं, लेकिन इसके लिए पंखा चालू करके नेल पॉलिश न लगाएं, वरना नेल पेंट सूख जाएगा।- यदि पहला कोट ठीक से नहीं लगा है, तो दूसरा कोट अप्लाई करे वह स्मूद दिखने लगेगा।

- नेल पॉलिश रिमूव करने के बाद कुछ दिनों तक नाखूनों को ऐसे ही रहने दें और नेल क्रीम लगाएं, इससे नाखूनों की चमक बढ़ेगी।

- पैर की उंगलियों में नेल पॉलिश लगाते समय दो उंगलियों के बीच में कॉटन लगा ले, इससे नेल पेंट फैलेगा नहीं।

- नेल पॉलिश लगाने से पहले बोतल को अच्छी तरह शेक कर लें।

- हमेशा अच्छी क्वालिटी की नेल पॉलिश ही इस्तेमाल करें, जो ज़्यादा दिनों तक टिकती है और नाखूनों को नुकसान नहीं पहुंचाती।

गर्मियों में अगर आपकी नाक से भी बहने लगता है खून तो तुरंत आजमाएं ये उपाय

एकता

गर्मियों के मौसम में नाक से खून आना बेहद ही आम समस्या है। नाक से खून आने की इस समस्या को आमबोल चाल की भाषा में नकसीर कहा जाता है। नकसीर कोई गंभीर समस्या नहीं है और इसका इलाज आप घर बैठे-बैठे कर सकते हैं। आईये जानते हैं नकसीर की समस्या से निजात पाने के कुछ घरेलू उपाय। गर्मियों के मौसम में नाक से खून आना बेहद ही आम समस्या है। नाक से खून आने की इस समस्या को आमबोल चाल की भाषा में नकसीर कहा जाता है। बच्चे से लेकर बुजुर्ग किसी को भी यह समस्या कभी भी हो सकती है। दरअसल, नाक में छोटी-छोटी रक्त वाहिकाएं मौजूद होती है और जब यह किसी वजह से सिकुड़ने लगती हैं तब नाक से खून निकलने की समस्या होती है। नकसीर कोई गंभीर समस्या नहीं है और इसका इलाज आप घर बैठे-बैठे कर सकते हैं। आईये जानते हैं नकसीर की समस्या से निजात पाने के कुछ घरेलू उपाय।

प्याज से मिलेगी राहत

अगर आपको नाक से खून बहने की समस्या होती है तो इससे तुरंत राहत पाने के लिए आप प्याज का इस्तेमाल कर सकते हैं। नकसीर की समस्या होने पर आप नाक में प्याज का रस डाल सकते हैं या फिर आप प्याज का एक टुकड़ा लेकर उसे सूघ सकते हैं। ऐसा करने से कुछ देर में आपके नाक से खून आना बंद हो जाएगा। गर्मियों में आप रोजाना प्याज का सेवन करते रहेंगे तो आपको यह समस्या नहीं होगी।

नमक के पानी से मिलेगी राहत

गर्मियों के मौसम में नाक की झिल्ली में नमी खत्म हो जाती है जिसकी वजह से वह सुख जाती है। इसकी वजह से नकसीर की समस्या होती है। ऐसे में आप नमक के पानी का उपाय करके इस समस्या से बच सकते हैं। इसके लिए आधा कप पानी में चुटकी भर नमक डालकर इसकी कुछ बूंदें नाक में डालें। ऐसा करने से नाक की झिल्ली को नमी मिलेगी और नाक से खून बहना बंद हो जाएगा।

नकसीर को रोकने के लिए धनिये की पत्तियाँ फायदेमंद साबित हो सकती हैं। धनिया ठंडा होता है इसलिए नकसीर से राहत पाने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है। नाक से बहते खून को रोकने के लिए आप धनिये की पत्तियों का पेस्ट बनाए और फिर लेटकर इसे अपने माथे पर लगा लें। थोड़ी देर में आपको नकसीर से राहत मिल जाएगी।

बर्फ की सिकाई से मिलेगी राहत

ज्यादा गर्मी की वजह से भी नाक से खून बहने लगता है। ऐसे में ठंडी चीजों का इस्तेमाल करके आप इसे रोक सकते हैं। इसलिए जब आपकी नाक से अचानक खून बहने लगे तो तुरंत एक कपड़े में बर्फ के टुकड़े लेकर नाक के ऊपर हल्के हाथ से ठंडी सिकाई करें।